द्विभाषिक

हिंदी–मराठी

कक्षा 2

सत्र 2024–25

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढे एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे –> **App** की समस्त अनुमति को स्वीकार करें —> उपयोगकर्ता **Profile** का चयन करें।

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

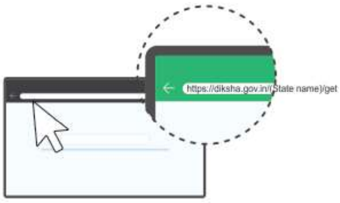

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष – 2024

मार्गदर्शक

संचालक

एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.,रायपुर

सहयोग

प्रो. रमाकांत अग्निहोत्री (दिल्ली विश्वविद्यालय),

डॉ. हृदयकांत दीवान (विद्या भवन, उदयपुर)

श्री रोहित धनकर (दिगंतर, जयपुर)

संयोजक

डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

समन्वयक

डॉ. आर.के.वर्मा

सम्पादक मण्डल

श्री राजेन्द्र पाण्डेय, स्व.डॉ.सी.एल.मिश्रा, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, श्रीमती विद्या डांगे

लेखक दल

राजेन्द्र पाण्डेय, सुधा खरे, अनूप नाथ योगी,सच्चिदानंद शास्त्री, दुर्गेश वैष्णव, छलिया वैष्णव, शोभा शंकर नागदा,रमेश शर्मा,दिनेश गौतम, विनय शरण सिंह, डॉ. राजेश शर्मा,रीता श्रीवास्तव, द्रोण साहू, पुष्पा शुक्ला, राजपाल कौर, लक्ष्मी सोनी, श्रीदेवी, मनोज चंद्राकर, मनोज साहू,खोजन दास डिडौरी

अनुवादक – मराठी

सौ. अस्मिता जयवंत कुसरे, सौ. स्वाती प्रफुल्ल डबली

स्रोत केन्द्र – जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान – डाइट रायपुर

जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा – रायपुर

चित्रांकन

राजेन्द्र सिंह ठाकुर, रेखराज चौरागड़े, सुश्री अनीता वर्मा, मो. इकराम, श्री राजेश सेन

आवरण एवं ले आउट डिजाइनिंग

रेखराज चौरागड़े, कुशाग्र चौबे, हिमांशु वर्मा

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – ....

आमुख

छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के साथ ही यह आवश्यक हो गया था कि नवगठित राज्य के संदर्भ में शिक्षा के सरोकारों का पुनः निर्धारण किया जाए। आवश्यकता अनुसार पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का नवीनीकरण किया जाए। प्रदेश की इसी आवश्यकता को ध्यान में रखकर सत्र 2003–04 में नई शिक्षा योजना के साथ नई पा. ठ्यपुस्तकों के सृजन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा आयोग और मानव अधिकार आयोग प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बच्चों के बस्ते में बोझ से चिंतित है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग भी इस चिंता को दूर करने के लिए प्रयासरत था। अंततः इस वर्ष उसकी पहल पर पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की एक नई प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। शासन द्वारा लिए गए निर्णय के फलस्वरूप इस वर्ष कक्षा पहली और दूसरी के बच्चों के लिए हिन्दी, गणित और सामान्य अंग्रेजी की पृथक–पृथक पुस्तक होगी। इन पुस्तकों में वर्कबुक समावेशित है, अतः इन कक्षाओं के लिए पृथक से वर्कबुक बनाने की आवश्यकता अनुभव नहीं की गई।

पाठ्यपुस्तक के विकास में बच्चों की अभिरुचियों को ध्यान में रखकर सीखने की गतिविधियों का सृजन एवं एन.सी.ई.आर.टी. की हिन्दी पुस्तिका रिमझिम–2 के कुछ पाठों का चयन किया गया है। विद्यालयों की परिस्थितियों व सीखने के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए समूह अधिगम एवं स्व अधिगम पर बल देने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही पर्यावरणीय संचेतना, लिंग संचेतना आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर पाठ्यपुस्तक संयोजित की गई है। पाठों में दी गई पाठ्यसामग्री एवं अभ्यास कार्य, भाषा शिक्षण की नवीन अवधारणाओं एवं लर्निंग आउट कम पर आधारित हैं। हम आशा करते हैं कि शिक्षक इस पाठ्यपुस्तक का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकेंगे।

अध्ययन–अध्यापन की प्रक्रिया रोचक और संपूर्ण कैसे बने इस पर सतत् प्रयास हो रहे हैं। यह पुस्तक भी इसी दिशा में एक कदम है।

इस पुस्तक की रचना शिक्षण के प्रति वैकल्पिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के उद्देश्य को सामने रखकर की गई है। इस पुस्तक में, आसपास होने वाली सहज क्रियाओं में भी भाषा के गणित के रूप को देखा जाएगा। इन क्रियाओं को रोचक गतिविधियों के साथ स्वयं करते हुए जब बच्चे आगे बढ़ेंगे तो अवश्य ही उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

इस पुस्तक में हर अवधारणा की शुरूआत संदर्भ से की गई है। बच्चे पहले से जितना जानते हैं उसका उपयोग उनके सीखने में हो, और वे अपने अनुभवों में कुछ नया जोड़ते चलें, फिर नई परिस्थितियों में उसका प्रयोग करें और धीरे–धीरे सीखते चलें, सीखने की इस प्रक्रिया को इस पुस्तक का आधार बनाया गया है। कक्षा 1 में यह अपेक्षा है कि कक्षा में बच्चे की भाषा का उपयोग हो, जिससे उसे अवधारणाओं को अपने भाषायी ढाँचे के साथ जोड़ने का अवसर मिले।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

इस पुस्तक को तैयार करते समय शिक्षकों, शिक्षक–प्रशिक्षकों तथा शिक्षा क्षेत्र से सक्रिय रूप से जुड़े अनेक विद्वानों का सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है। फिर भी सुधार करने और नया जोड़ने की संभावनाएँ तो हमेशा ही रहेंगी। इसलिए यह पुस्तक जिनके भी हाथ में है उनसे अनुरोध है कि इसे बच्चों के लिए और बेहतर बनाने के लिए अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव परिषद् को अवश्य भेजें।

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़, रायपुर

शिक्षकों से कुछ बातें

कक्षा पहली की पुस्तक को पढ़ाते समय आपने देखा होगा कि भाषा–शिक्षण का उद्देश्य बच्चों को सिर्फ लिपि सिखाना नहीं है। आपने यह भी जाना होगा कि भाषा बच्चे के लिए बातचीत का माध्यम ही नहीं है वरन् उसके सोच को आगे बढ़ाने व पुख्ता बनाने का आधार भी है। भाषा के विविध उपयोगों से बच्चों की तर्क समझने व तर्क रचने की क्षमता तो बढ़ती है ही पर इसके सा. थ–साथ उनकी दृष्टि भी ज्यादा पैनी होती है। वह ज्यादा पहलुओं को ध्यान में रख सकते हैं और ज्यादा विस्तृत विवरण प्रस्तुत कर सकते हैं। कक्षा–1 में प्रस्तुत सभी तरीकों को जारी रखें व बच्चों को आत्मविश्वास प्राप्त करने के अधिक–से–अधिक मौके दें।

कक्षा–2 में हिंदी भाषा सिखाने की प्रमुख आवश्यकताएँ, जिन पर ज़ोर दिया जाना है नीचे दी गई हैं–

- हिंदी में विविध कविताओं, कहानियों व विवरण को पढ़कर समझने की शुरुआत करना।
- कविता व कहानी को हाव–भाव अथवा उतार–चढ़ाव के साथ सुनाने का अभ्यास करना।
- नए शब्दों के संदर्भ से अर्थ सीखने का प्रयास।
- अपने आस–पास के जीवन को पाठ की सामग्री के साथ जोड़ना व उनमें तुलना करना।
- दिए गए निर्देश को समझना व धीरे–धीरे कुछ बड़े निर्देशों को समझकर उपयोग कर पाना।
- कविता, कहानी, नाटक आदि को बच्चे खुशी–खुशी पढ़ना चाहें व नई किताबों की तलाश करें। इसके लिए इस सामग्री को पढ़ने व समझने में निहित आनंद को वे महसूस करें।
- बच्चे हिंदी और अपनी बोली में चर्चा करें व एक भाषा में कही जाने वाली बात को दूसरी भाषा में प्रस्तुत करें।
- बच्चों की, लिपि पढ़ने की क्षमता को आगे बढ़ाकर और वर्णों की पहचान के संदर्भ में उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना।
- पढ़ना सिखाने के प्रयास को जारी रखने के साथ–साथ कक्षा दो में लिखने को आगे बढ़ाना।

- यह अपेक्षा है कि बच्चे पाठ को पढ़कर नहीं तो कम–से–कम सुनकर अपने ढंग से समझने का प्रयास करेंगे। शिक्षक पाठ का विश्लेषण कर उसे पूरी तरह से समझा दें व बच्चे उसे याद कर लें यह भाषा सिखाने का उद्देश्य नहीं है।
- लिखने की क्षमता केवल अक्षर बनाने, शब्दों, वाक्यों अथवा वाक्यों की नकल करने तक नहीं है। यह तो सिर्फ लिख पाने की पहली सीढ़ी हो सकती है।
- अपने विचार, अपने मत, अपने उत्तर, अपने अनुभव बच्चे लिखें यह प्रयास शुरू होना है।
- स्वतंत्र रूप से ऐसे लिख पाने में स्वयं सोचकर चित्र बनाना भी साथ–साथ शुरू करने से मदद मिलेगी।
- लिख पाने के लिए अभिव्यक्ति की क्षमता, खुलापन व आत्मविश्वास तीनों ही बुनियादी जरूरतें हैं। इसके साथ ही कहीं पेंसिल पकड़ना, चलाना व अक्षर बना पाना भी शामिल हैं।

प्रत्येक पाठ में विभिन्न भाषाओं की शब्दावलियों का उल्लेख है। संबंधित शिक्षक अपने क्षेत्र विशेष की भाषा का सहयोग लें।

प्रस्तुत पुस्तक प्रायोगिक संस्करण है। बच्चे को प्रथम भाषा हिन्दी सिखाने में उसकी मातृभाषा से सहायता लेने हेतु यह संस्करण एक सार्थक प्रयास है। सुधार की संभावनाएं अवश्य होंगी अतः आप पालकों, बालकों, शिक्षिकों व समुदाय के अभिमत/सुझावों का सदैव स्वागत है। कृपया अपने विचारों से हमें अवश्य अवगत कराईए।
Email: textbookscert@gmail.com

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	• वर्णमाला	2–9
1.	फुलपाखरू आणि कळी	10–17
2.	बाहुलीचे लग्न	18–23
3.	कोण म्हणाले म्याऊँ ?	24–31
4.	अस्वल खेळला फुटबॉल	32–43
5.	चतुर चीकू	44–49
6.	मुंगी आणि हत्ती	50–59
7.	एकीचे बळ	60–69
8.	कोण ?	70–75
9.	माती	76–81
10.	पूरे झाले	82–89
11.	मड़ई मेळा (जत्रा)	90–97
12.	उंट चालला	98–105
13.	आली एक बातमी	106–113
14.	उंदराला मिळाली पेंसिल	114–123
15.	सूर्य प्रकाश	124–127
16.	छोटे–छोटे पाऊल	128–133
17.	चित्रकोट धबधबा	134–141
18.	नाव काय ओळखा ?	142–151
19.	धैर्यवान व्हा	152–157

विषय–सूची

अध्याय	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
	• वर्णमाला	02 – 09
1.	तितली और कली	10 – 17
2.	गुड़िया रानी की शादी	18 – 23
3.	कौन बोला म्याऊँ	24 – 31
4.	भालू ने खेली फुटबॉल	32 – 43
5.	चालाक चीकू	44 – 49
6.	चींटी और हाथी	50 – 59
7.	एकता का बल	60 – 69
8.	कौन ?	70 – 75
9.	मिट्टी	76 – 81
10.	बहुत हुआ	82 – 89
11.	मड़ई–मेला	90 – 97
12.	ऊँट चला	98 – 105
13.	आई एक खबर	106 – 113
14.	चूहे को मिली पेंसिल	114 – 123
15.	धूप	124 – 127
16.	छोटे–छोटे कदम	128 – 133
17.	चित्रकोट जलप्रपात	134 – 141
18.	क्या है उसका नाम ?	142 – 151
19.	साहसी बनो	152 – 157
	यातायात सिग्नल	158

2S3HZJ

सीखने के प्रतिफल

सीखने–सिखाने की प्रक्रिया

सभी शिक्षार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम बच्चों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए ताकि उन्हें :–

- ☐ अपनी भाषा में अपनी बात कहने, बातचीत करने की भरपूर आज़ादी और अवसर हों।
- ☐ हिंदी में सुनी गई बात, कविता, कहानी आदि को अपने तरीके और अपनी भाषा में कहने–सुनाने/प्रश्न पूछने एवं अपनी बात जोड़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- ☐ बच्चों द्वारा अपनी भाषा में कही गई बातों को हिंदी भाषा और अन्य भाषाओं (जो भाषाएँ कक्षा में मौजूद हैं या जिन भाषाओं के बच्चे कक्षा में हैं) में दोहराने के अवसर उपलब्ध हों। इससे भाषाओं को कक्षा में समुचित स्थान मिल सकेगा और उनका शब्द–भंडार, अभिव्यक्तियों का भी विकास करने के अवसर मिल सकेंगे।
- ☐ 'पढ़ने का कोना' में स्तरानुसार विभिन्न प्रकार की और विभिन्न भाषाओं (बच्चों की अपनी भाषा/एँ, हिंदी आदि) में रोचक सामग्री; जैसे – बाल साहित्य, बाल पत्रिकाएँ, पोस्टर, ऑडियो–विडियो सामग्री उपलब्ध हों।
- ☐ चित्रों के आधार पर अनुमान लगाकर कर तरह–तरह की कहानियों, कविताओं को पढ़ने के अवसर उपलब्ध हों।
- ☐ विभिन्न उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पढ़ने के विभिन्न आयामों को कक्षा में उचित स्थान देने के अवसर उपलब्ध हों,

सीखने की संप्राप्ति **(Learning Outcomes)**

बच्चे –

LH201- विविध उद्देश्यों के लिए अपनी भाषा अथवा/और स्कूल की भाषा का इस्तेमाल करते हुए बातचीत करते हैं, जैसे– जानकारी पाने के लिए प्रश्न पूछना, निजी अनुभवों को साझा करना, अपना तर्क देना आदि।

LH202- कही जा रही बात, कहानी, कविता आदि को ध्यान से सुनकर अपनी भाषा में बताते/ सुनाते हैं।

LH203- देखी, सुनी बातों, कहानी, कविता आदि के बारे में बातचीत करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।

LH204- अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को सुनायी जा रही सामग्री; जैसे – कविता, कहानी, पोस्टर, विज्ञापन आदि से जोड़ते हुए बातचीत में शामिल करते हैं।

LH205- भाषा में निहित शब्दों और ध्वनियों के साथ खेल का मज़ा लेते हुए लय और तुक वाले शब्द बनाते हैं; जैसे – एक था पहाड़, उसका भाई था दहाड़, दोनों गए खेलने ....।

LH206- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि कहते/सुनाते हैं/आगे बढ़ाते हैं।

LH207- अपने स्तर और पसन्द के अनुसार कहानी, कविता, चित्र पोस्टर आदि आनंद के साथ पढ़कर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं/ प्रश्न पूछते हैं।

LH208- चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं पर बारीक अवलोकन करते हैं।

LH209- चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रहीं अलग–अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं और सराहना

जैसे – किसी कहानी में किसी जानकारी को खोजना, कहानी में घटी विभिन्न घटनाओं के क्रम को तय करना, किसी घटना के होने के लिए तर्क दे पाना, पात्र के संबंध में अपनी पसंद या नापसंद के बारे में बता पाना आदि।

- कहानी, कविता आदि को बोलकर, पढ़कर सुनाने के अवसर हों और उस पर बातचीत करने के अवसर हों।
- सुनी, देखी, पढ़ी बातों को अपने तरीके से कागज़ पर उतारने के अवसर हों। ये चित्र भी हो सकते हैं, शब्द भी और वाक्य भी।
- बच्चे अक्षरों की आकृति को बनाने में अपेक्षाकृत सुघड़ता का प्रदर्शन करते हैं। इसे कक्षा में प्रोत्साहित किया जाए।
- बच्चों द्वारा अपनी वर्तनी गढ़ने की प्रवृत्ति को भाषा सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा समझा जाए।
- संदर्भ और उद्देश्य के अनुसार उपयुक्त शब्दों और वाक्यों का चयन करने, उनकी संरचना करने के अवसर उपलब्ध हों।

करते हैं।

LH210- परिचित/अपरिचित लिखित सामग्री में रूचि दिखाते हैं और अर्थ की खोज में विविध प्रकार की युक्तियों का इस्तेमाल करते हैं; जैसे – चित्रों और प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर–ध्वनि संबंध का इस्तेमाल करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का इस्तेमाल करते हुए अनुमान लगाना।

LH211- प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं, जैसे – 'मेरा नाम विमला है।' बताओ, इस वाक्य में कितने शब्द हैं? 'नाम' शब्द में कितने अक्षर हैं या 'नाम' शब्द में कौन–कौन से अक्षर हैं?

LH212- हिंदी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं।

LH213- स्कूल के बाहर और स्कूल के भीतर (पुस्तक कोना/पुस्तकालय से) अपनी पसंद की किताबों को स्वयं चुनकर पढ़ने का प्रयास करते हैं।

LH214- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत चित्रों, आड़ी–तिरछी रेखाओं (कीरम–काटे), अक्षर आकृतियों से आगे बढ़ते हुए स्व–वर्तनी का उपयोग और स्व–नियत्रित लेखन (कनवैंनशनल राइटिंग) करते हैं।

LH215- सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से और तरह–तरह से चित्रों/शब्दों/ वाक्यों द्वारा (लिखित रूप से) अभिव्यक्त करते हैं।

LH216- अपनी निजी ज़िंदगी और परिवेश पर आधारित अनुभवों को अपने लेखन में शामिल करते हैं।

LH217- अपनी कल्पना से कहानी, कविता आदि आगे बढ़ाते हैं।

विषय–सूची (Contents)

अध्याय	पाठ का नाम	सीखने के प्रतिफल
	वर्णमाला	LH211, LH212
1.	तितली और कली	LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216
2.	गुड़िया रानी की शादी	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217
3.	कौन बोला म्याऊँ	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217
4.	भालू ने खेली फुटबाल	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH207, LH208, LH209, LH211, LH212, LH214, LH215, LH216, LH217
5.	चालाक चीकू	LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216
6.	चींटी और हाथी	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH209, LH214, LH215, LH216, LH217
7.	एकता का बल	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH209, LH214, LH215, LH216, LH217
8.	कौन?	LH202, LH203, LH204, LH206, LH211, LH215, LH216, LH217
9.	मिट्टी	LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH206, LH207, LH208, LH209, LH210, LH213, LH215, LH216
10.	बहुत हुआ	LH202, LH203, LH204, LH208, LH209, LH212, LH213, LH216, LH217
11.	मड़ई–मेला	LH202, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217
12.	ऊँट चला	LH201, LH202, LH203, LH204, LH211, LH212,LH215, LH216, LH217
13.	आई एक खबर	LH201, LH202, LH203, LH205, LH207, LH208, LH209, LH212, LH213, LH216, LH217
14.	चूहे को मिली पेंसिल	LH201, LH202, LH203, LH204, LH205, LH210, LH211, LH212, LH213, LH215, LH216
15.	धूप	LH202, LH203, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217
16.	छोटे–छोटे कदम	LH202, LH203, LH204, LH206, LH211, LH215, LH216, LH217
17.	चित्रकोट जलप्रपात	LH202, LH203, LH204, LH206, LH215, LH216, LH217
18.	क्या है उसका नाम?	LH201, LH202, LH204, LH207, LH210, LH211, LH212, LH215, LH216, LH217
19.	साहसी बनो	LH201, LH202, LH203, LH204, LH206, LH206, LH215, LH216

उदाहराणार्थ रूब्रिक्स

Chapter अध्याय	Sub-Topics उप-वषिय	Level -1 स्तर-1	Level -2 स्तर-2	Level -3 स्तर-3	Level -4 स्तर-4
After the lesson, students will be able to: **पाठ के बाद, विद्यार्थी कर सकेंगे:**		**Remember, Recall, List, Locate, Label, Recite** याद करना, स्मरण करना, सूचीबद्ध करना, खोजना, लेबल करना, वर्णन करना	**Understand, explain, Illustrate, summaries, match** समझना, व्याख्या करना, संक्षेप में लिखना, उदाहरण देना, मेल करना	**apply, organize, use, solve, prove, draw** प्रयोग करना, व्यवस्थित करना, उपयोग करना, हल करना, साबित करना, चित्रण करना	**evaluate, hypothesis, analyses, compare, create, categories** मूल्यांकन करना, परिकल्पना करना, विश्लेषण करना, तुलना करना, सृजन करना, वर्गीकरण करना
1	2	3	4	5	6
तितली और कली	• कविता हाव–भाव व लयबद्ध तरीके से सुना सकेगें। • नये कठिन शब्द सीख सकेगें। • नये शब्दार्थ सीख सकेगें। • कविता का भावार्थ समझ सकेगें। • प्रकृति से जुड़ाव महसूस कर सकेगें।	• कविता लयबद्ध तरीके से सुनाते हैं। • नये शब्द पढ़ पाते हैं। • शब्दार्थ बता पाते हैं। • नये कठिन शब्द पढ़ व लिख सकते हैं।	• मिलते–जुलते शब्द ढूँढकर लिख सकते हैं। • तितली के आकार रंग–रूप पर समझ के साथ बताते हैं। • फूलों के बारे में बताते है। • महक से संबंधित पंसद–नापंसद चीजों के नाम लिखते हैं।	• रंग–बिरंगी गतिविधि करके रंगों के नाम बताते हैं। • कठिन शब्दों का प्रयोग कर पाते हैं।	• तितली–भौंरा फूलों के बारे में अपने शब्दों में बता पाते हैं।

वर्णमाला (मुळाक्षरे)

मराठी वर्णमालेंत एकूण 53 अक्षरे आहेत –

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह	ळ		
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

वर्णमाला

हिंदी वर्णमाला में कुल 52 अक्षर हैं।

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ				
ड़	ढ़	श्र				

जुक्ताक्षर

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् +ष)	(श् +र)

याव्यतिरिक्त या प्रकारेसंयुक्त अक्षरेबनतात–

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

संयुक्त अक्षर

त्र	ज्ञ	क्ष	श्र
(त्+र)	(ज्+ञ)	(क् +ष)	(श् +र)

इनके अतिरिक्त इस प्रकार से भी संयुक्त अक्षर बनते हैं–

क् + य = क्य

च् + च = च्च

त् + त = त्त

च् + छ = च्छ

ग् + य = ग्य

स् + थ = स्थ

प् + य = प्य

ड् + ड = ड्ड

संयुक्त अक्षरांचे शब्द

पत्ता	प्यार	प्यास
कृष्ण	पृथ्वी	क्या
पप्पू	प्याज	चप्पू
अच्छा	भाग्य	बच्चा
स्कूल	पुस्तक	मच्छर
लड्डू	संध्या	आनन्द
न्यारी	प्यारी	क्यारी
स्वास्थ्य	ग्वाल	स्लेट

संयुक्त अक्षरों वाले शब्द

पत्ता	प्यार	प्यास
कृष्ण	पृथ्वी	क्या
पप्पू	प्याज	चप्पू
अच्छा	भाग्य	बच्चा
स्कूल	पुस्तक	मच्छर
लड्डू	संध्या	आनन्द
न्यारी	प्यारी	क्यारी
स्वास्थ्य	ग्वाल	स्लेट

ब+न्+द+र = बन्दर

प+त्+त+ा = पत्ता

ि+ब+ल्+ल+ी = बिल्ली

क+ु+त्+त+ा = कुत्ता

ग+ु+ड्+ड+ी = गुड्डी

ब+च्+च+ा = बच्चा

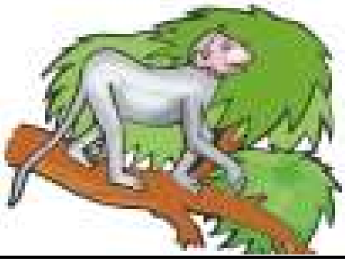	ब+न्+द+र = बंदर
	प+त्+त+ा = पत्ता
	ि+ब+ल्+ल+ी = बिल्ली
	क+ु+त्+त+ा = कुत्ता
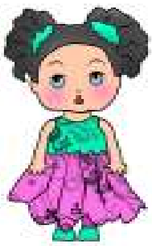	ग+ु+ड्+ड+ी = गुड्डी
	ब+च्+च+ा = बच्चा

धडा–1

फुलपाखरू आणि कळी

झटकन, सुवास, रंग– बिरंगी, सुन्दर

हिरव्या फांदीवर लागली होती
छोटी सुन्दर एक कळी
फुलपाखरू तिला म्हणाले
तु तर आहेस सगळ्यात भोळी।

उठ आता उघड डोळे
आपण सोबत खेळू खेळ
पसरतो तुझा सुवास चहुकड़े।
सुगंधित होते सारी ओळी।

कळी झटकन खुलून गेली।
ऐकून खेळाची बात।
हवे सह पळू लागली।
म्हणून फुलपाखरू गेलेजवळी।

शिक्षण संकेत– कविता पाठ करून आपल्या आजूबाजूला असलेल्या किडयां विषयी मुलांना सांगून प्रश्न विचारावे व धडयात आलेल्या कठीण शब्दांवर चर्चा करावी।

25CE27

पाठ 1

तितली और कली

छिटककर, महक, रंगीली, सुंदर

हरी डाल पर लगी हुई थी,
नन्ही सुंदर एक कली।
तितली उससे आकर बोली,
तुम लगती हो बड़ी भली।

अब जागो तुम आँखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
फैले सुंदर महक तुम्हारी,
महके सारी गली–गली।

कली छिटककर खिली रंगीली,
तुरंत खेल की सुनकर बात।
साथ हवा के लगी भागने,
तितली छूने उसे चली।

शिक्षण संकेत – कविता को गाकर सुनाएँ फिर दुहराने को कहें। आसपास में पाए जाने वाले कीट – पतंगों के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ क्षेत्रीय भाषा/बोली में बताएँ।

कवितेतून

- फुलपाखरू कळी जवळ का गेले?
- फुलपाखरू व कळी कोणता खेळ खेळत होते?
- फुलपाखराच्या कोणत्या कथनाने कळी प्रसन्न झाली?

अंदाज लावा :–

- फुलपाखरू कळी जवळ कधी गेले असेल?

सकाळीं [ ] दुपारी [ ] संध्याकाळीं [ ]

मिळते–जुळते शब्द लिहा–

- कवितेतीला आसे शब्द शोधा जे ऐकायला कळी सारखे भासतील –

  जसे – कळी, भोळी

- खाली दिलेल्या शब्दां सारखे काही समान शब्द लिहा–

......बोला.........	...छोटी...	.......फांदी.......
....	....	....
....	....	....
....	....	....

सुगंधित हो सारी ओळी

- आवडणाऱ्या वासाला म्हणतात– ....
- गलिच्छ वासाला म्हणतात – ....
- तुम्हाला आवडणाऱ्या सुगंधीत वस्तुंची नावे लिहा व ज्या वस्तुंचा सुगंध तुम्हाला नाही आवडत त्यांची ही नावे लिहा–

कविता से

- तितली कली के पास क्यों गई थी?
- तितली और कली ने क्या खेल खेला?
- तितली के क्या कहने पर कली खुश हो गई?

अंदाज़ा लगाओ

- तितली कली के पास कब गई होगी?

  सुबह ☐ दोपहर ☐ शाम ☐

- तुमने समय का अंदाज़ा कैसे लगाया?

मिलते–जुलते शब्द

- कविता में से वे शब्द ढूँढ़ो जो सुनने में कली जैसे लगते हैं।

  जैसे – कली, भली

- नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ शब्द अपने मन से जोड़ो।

  ......बोलो......... ......तितली...... ....डाल ....

  ....

  ....

  ....

महके सारी गली–गली

- महक तुम्हें अच्छी भी लग सकती है और बुरी भी।

  अच्छी लगने वाली महक को कहेंगे ....

  बुरी लगने वाली महक को कहेंगे ....

- ऐसी चीज़ों के नाम लिखो जिनकी महक तुम्हें पसंद है और जिनकी पसंद नहीं है।

आवडतीवस्तू	नावडतीवस्तू
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

- तुमच्या अवती–भवती असणाऱ्या सुगंधित फुलांची नावे लिहा–
  फुलांची नावे आपल्या भाषेत लिहा–
- घरात येणाऱ्या विभिन्न प्रकारच्या सुगंधाची नावे लिहा–
  उदा :–साबण, तेल इ•

तुम्ही सांगा

खेळायला कळी ताबडतोब जागी झाली तसेच तुम्ही कोणत्या कामा साठी लवकर जागे होणे पसंत कराल आणि का ?

लवकर उठू	नाही उठू
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

पसंद है	पसंद नहीं है
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

- तुम्हारे आसपास ऐसे कौन–कौन से फूल हैं जिनकी बहुत तेज़ महक है?

  फूलों के नाम अपनी भाषा में लिखो।
- तुम्हारे घर में किस–किस तरह की महक आती है?

  (जैसे – साबुन या तेल की महक गुसलखाने से)

तुम्हारी बात

खेलने के लिए कली तुरंत जाग गई थी। तुम किस काम के लिए तुरंत जाग जाओगे और किस काम के लिए जागना पसंद नहीं करोगे? क्यों?

जागेंगे	नहीं जागेंगे
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

रंगबिरंगी

> हिरव्या फांदीवर लागली होती छोटी
> सुंदर एक कळी

कवितेत फांदीचा रंग हिरवा असुन खाली दिलेल्या वस्तुचे रंग ओळखून लिहा—

.... फुलपाखरू .... सूर्यफूल
.... वांग .... लाडु

.... पेंसिल .... प्याला
.... कुर्ता .... भाजी
.... संत्र .... माती

रंग–बिरंगी

हरी डाल पर लगी हुई थी
नन्ही सुंदर एक कली

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है।
नीचे लिखी चीज़ें किन–किन रंगों की हो सकती हैं ?

.... तितली .... सूरजमुखी
.... बैंगन .... लड्डू

.... पेंसिल .... प्याला
.... कुर्ता .... साग
.... संतरा .... मिट्टी

2SLA3U

धडा–2

बाहुलीचे लग्न

घनिष्ठ(पक्की), मैत्री, ठरविणे, मद्द, मंगलगाणी, हार, तयारी

चंपा आणि मंजू दोघी आहेत दोघींची मैत्री घट्ट होती चंपा जवळ होता मंजू जवळ 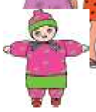 होता। दोघीही रोज संध्याकाळी बागेत खेळत होत्या। इतकच नाही तरे घरेही जवळ जवळ होती शाळेत ही त्या दोघी सोबतच शिकायच्या।

एके दिवशी दोघींनी ठरविले की आपण व च लग्न करवायचं दुसऱ्या दिवशी त्या लग्नाच्या तयारीला लागल्या दोघींनी आपापल्या आईची मद्द घेतली। इकडे चंपा च्या आईने बाहुलीची घागरा आणि ओढणी तयार केली तिकड़े मंजूच्या आईने बाहुल्याचा कुर्ता आणि टोपी तैयार केली। सगळया मित्र मैत्रिणींना लग्नाच्या निमंत्रण पत्रिका पाठविल्या। लग्नाच्या दिवशी सूरज च्या आईने फुलांच्या दोन माळा बनवुन दिल्या। दादानी मिठाईच्या दुकानातुन लाडु आणि जिलेबी आणली त्यांनी पंडित ला पण बोलविले। रामू काकांनी ढोल वाजवला आणि चंपा, मंजूने मंगल गाणी म्हटली अशा रितीने बाहुली व बाहुल्याचे लग्न झाले।

पाठ 2

गुड़िया रानी की शादी

गहरी, मित्रता, तय करना, मदद, माला, बधाई गाना, जुट जाना

चंपा और मंजु दो थीं। दोनों में गहरी मित्रता थी। चंपा के पास थी। मंजु के पास था। दोनों रोज शाम को में खेलती थीं। उनके भी पास–पास थे। में भी वे एक साथ पढ़ती थीं।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे और की शादी करेंगी। अगले दिन से ही वे शादी की तैयारी में जुट गईं। दोनों ने अपनी–अपनी माँ से मदद माँगी। इधर चंपा की माँ ने का लहंगा और दुपट्टा बनाया। उधर मंजु की माँ ने का कुर्ता और तैयार की। सब मित्रों को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजा गया। शादी के दिन सूरज की माँ ने फूलों की दो बना दीं। भैया मिठाई की दुकान से और ले आए। उन्होंने पंडित को भी बुलवाया। रामू काका ने बजाया और ने बधाई गाई। इस तरह और की शादी हुई।

शिक्षण संकेत –

1 पाठ्य पठनाची पूर्व तयारी

2 धडयाचे वाचन करतांना प्रश्नोत्तर तंत्रज्ञानाचा वापर करणे

3 प्रत्येकी वाचन करविणे आवश्यक.

शब्दार्थ

पक्की = मजबूत / घनिष्ठ

मित्र = सखा

ठरविणे = करणे / माळा = फुलांच्यामाळा

मंगलगीते = लग्नात म्हणावयाची गाणी–

स्वाध्याय

1. दिलेल्या शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा–

   मित्रता, माळा , मद्द, ठरविणे, मंगलगीते

2. काय बरोबरआहे?–

   1. चंपा जवळ ....(बाहुली होती / बाहुला होता)
   2. चंपा आणि मंजूचे घर ....(जवळ–जवळ / दुर–दुर होते)
   3. बाहुला व बाहुलीच्या लग्नासाठी त्यांनी......................... मद्त मागितली.(आईची / बाबांची)
   4. मंजुच्या आईने ....कपडे बनविले.(बाहुल्याचे / बाहुलिचे)
   5. सूरज च्या आई ने ....(मिठाई बनविली / हार बनविले)
   6. रामु काकानी...................................(ढोल वाजविला / मंगलगाणी गायली)

3. आपल्या मित्र –मैत्रिणींची नावे लिहा–

4. तुम्ही आपल्या गावी / घरी बघीतलेल्या लग्नाचे अनुभव आपल्या बोली शब्दात लिहा–

शिक्षण संकेत :–

1. पाठ पढ़ने का अभ्यास पूर्व से ही कर लें।
2. पाठ का आदर्श वाचन करते समय प्रश्नोत्तर तकनीक का उपयोग करें।
3. बारी–बारी से सभी बच्चों से वाचन करवाएँ।

शब्दार्थ

गहरी	= अच्छी, गाढ़ी।	मित्रता	= दोस्ती।
तय करना	= निश्चित करना।	जुट जाना	= किसी काम में लगना।
मदद	= सहायता।	माला	= हार।
बधाई गाना	= शादी के गीत गाना।		

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
   मित्रता, माला, मदद, तय करना, बधाई गाना
2. सही क्या है –
   1. चंपा के पास .... (गुड़िया थी/गुड्डा था।)
   2. चंपा और मंजू के घर .... । (पास–पास थे/दूर–दूर थे।)
   3. गुड्डा व गुड़िया की शादी के लिए उन्होंने .... सहायता माँगी,
      (माँ से/पिता से)
   4. मंजू की माँ ने .... कपड़े बनाए। (गुड्डे के/गुड़िया के)
   5. सूरज की माँ ने .... (मिठाई बनाई/मालाएँ बनाईं)
   6. रामू काका ने ....(ढोलक बजाया/बधाई गाई)
3. अपनी सहेलियों/मित्रों के नाम लिखो –
4. तुमने अपने गाँव/घर में शादियाँ देखी होंगी। शादियों में क्या – क्या होता है, उसके बारे में बताओ।

5. अक्षय तृतिया सणा बद्दल तुम्हाला माहिती आहे? असल्यास, हा सण कसा साजरा करतात ते सांगा

6. चित्र ओळखून नावे लिहा–

____

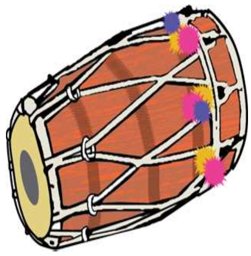

____

____

____

7. जुन्या कपडयांपासून बाहुला व बाहुली बनवा–

8. चित्र पूर्ण करून रंग भरा–

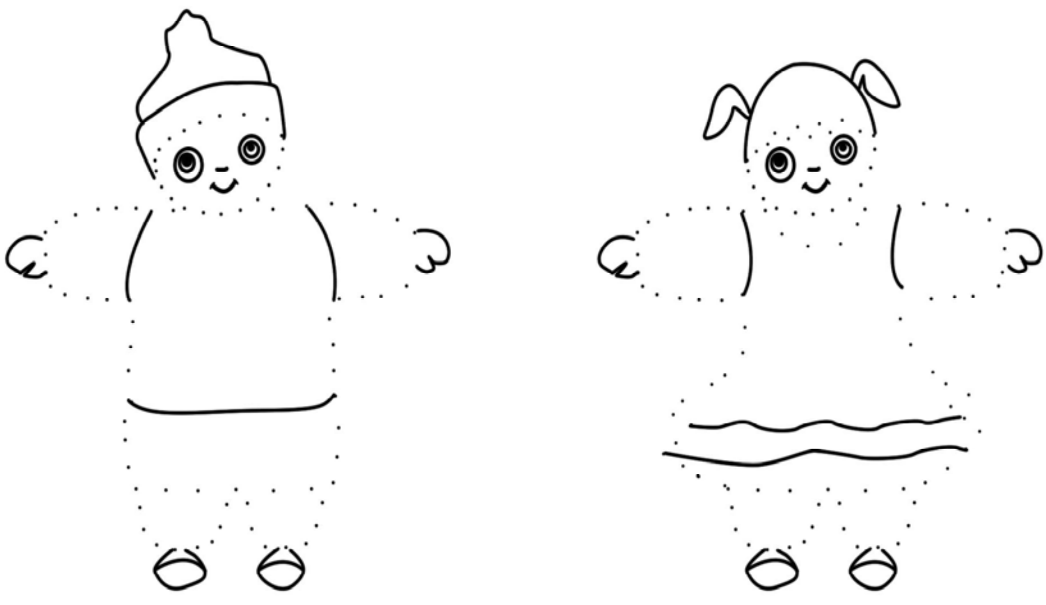

5. क्या तुमने अक्ती (अक्षय तृतिया) त्यौहार के बारे में सुना है। यह त्यौहार कैसे मनाया जाता है, पता करो।

6. चित्र देखकर नाम लिखो–

— — — — — — — —

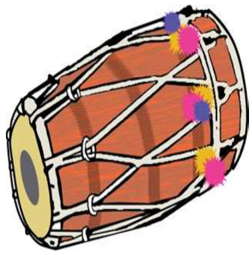
— — — — — — — —

— — — — — — — —

— — — — — — — —

7. अपने घर में पुराने कपड़ों से गुड़िया और गुड्डा बनाओ।
8. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो और रंग भरो।

2T5275

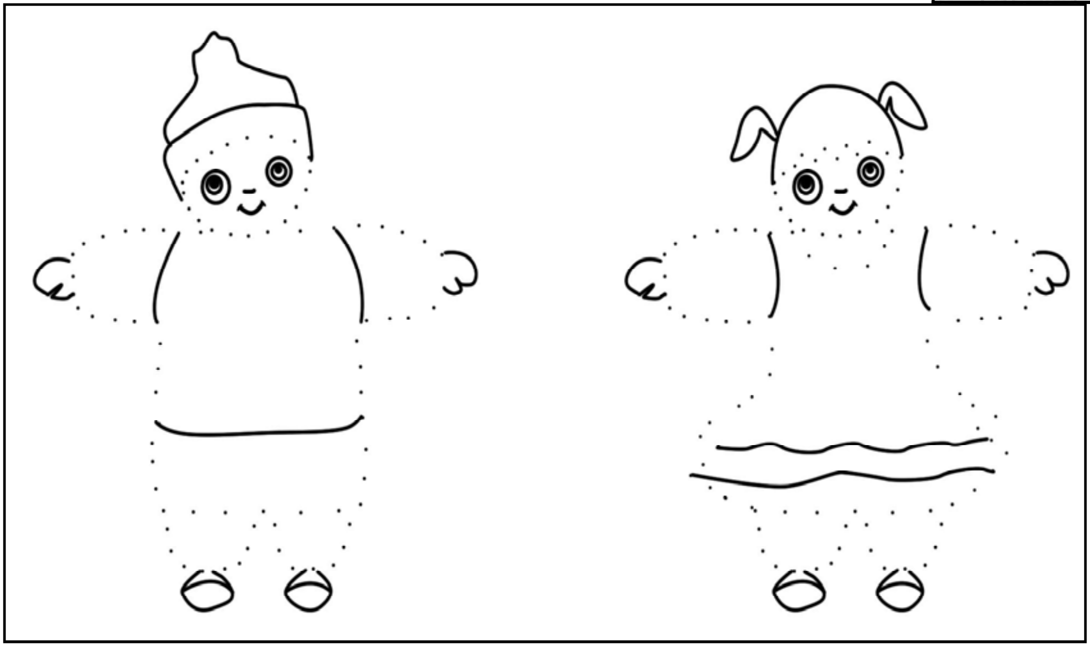

धडा 3

कोण म्हणाले म्याऊँ ?

पिल्लू	म्याऊँ	आवाज
बेडूक	उडया	भिन्–भिन्
माघमाशी	झाडी	टर्र–टर्र

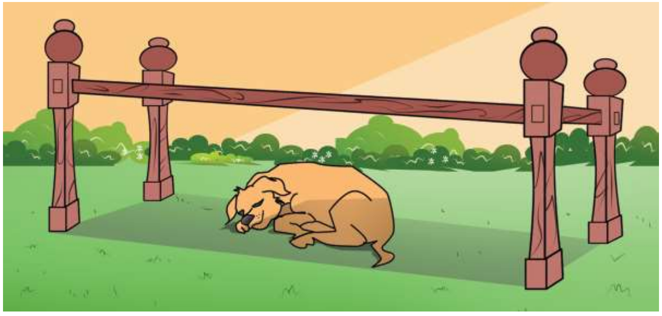

एक पिल्लू खाटेखाली झोपलं होतं त्याचवेळी त्याने एक आवाज ऐकला पिल्लू पटकन उठून बसला इकडे–तिकडे बघू लागला आवाज कुठून

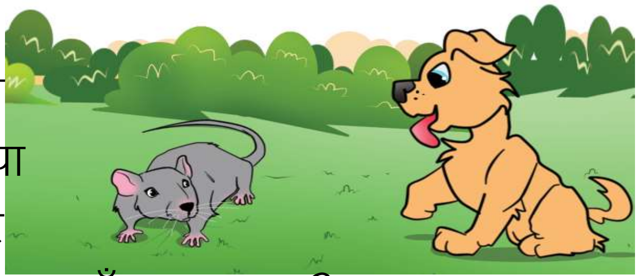

आला ?कुठेच कोणी दिसेना तो घराच्या बाहेर आला त्याचवेळी जवळच असलेल्या झाडीतून एक उंदीर उडया मारत समोर आला. पिल्लाने त्याला विचारले काय तु म्याऊँ म्हणालस ?

नाही मी तर चीं–चीं करतो, उंदीर म्हणांला.

पिल्लू फुलाच्या झाडाजवळ गेला. फुलावर एक एक मधमाशी बसली होती पिल्लाने विचारले तु म्याऊँ म्हणालीस ?नाही मी भिन् –भिन् करते

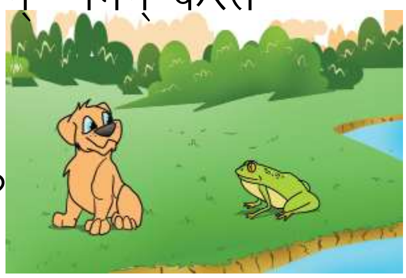

मग पुन्हा आवाज आला ''म्याऊँ''
तळयाच्या काठी एक बेडूक बसला होता.
पिल्लाने बेडकास विचारले काय तु म्याऊँ म्हणालास?
नाही मी तर ''टर्र–टर्र'' बोलतो पुन्हा आवाज आला
''म्याऊँ''

कोण म्हणालं ''म्याऊँ''?
मी म्हणाली म्याऊँ.......................

पाठ 3

कौन बोला म्याऊँ ?

पिल्ला	म्याऊँ	आवाज
मेंढक	फुदक	भिन्–भिन्
मधुमक्खी	झाड़ी	टर्र–टर्र

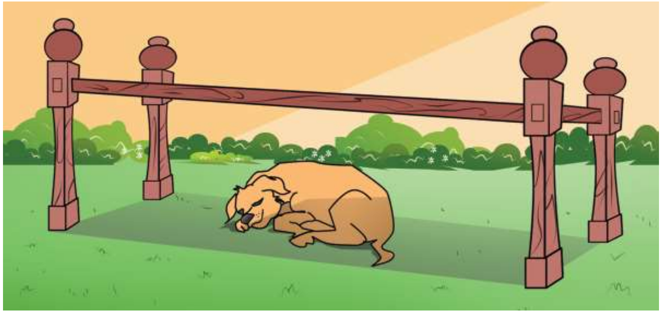

एक पिल्ला खाट के नीचे सो रहा था। तभी आवाज सुनाई दी .... म्याऊँ! पिल्ला झट उठ बैठा। इधर–उधर देखा आवाज कहाँ से आई ? कहीं कोई नहीं था। वह घर से बाहर आया। तभी पास की झाड़ी में से एक चूहा कूदकर सामने आया।

पिल्ले ने पूछा– "क्या तुम बोले म्याऊँ ?"
''नहीं, मैं तो 'चीं–चीं' बोलता हूँ''– चूहा बोला।
पिल्ला फूल के पौधे के पास पहुँचा। फूल पर एक मधुमक्खी बैठी थी। पिल्ले ने पूछा–''क्या तुम बोली म्याऊँ ?'' ''नहीं, मैं तो भिन्–भिन् करती हूँ।''

फिर आवाज आई ''म्याऊँ।''
तालाब के किनारे एक मेंढक बैठा था।
पिल्ले ने मेंढक से पूछा– ''क्या तुम बोले म्याऊँ ?''
''मैं तो टर्र–टर्र बोलता हूँ।'' फिर आवाज आई, "म्याऊँ।"
''कौन बोला म्याऊँ ?''

मैं बोली म्याऊँ...

शिक्षणसंकेत– धडा वाचनापूर्वि पाळीव प्राण्यां विषयी माहिती व त्यांचे विविध आवा. जावर चर्चा करणे मुलांना विविध आवाज काढण्यास प्रवृत्त करणे व वाचनास प्रारंभ करणे धडा पूर्ण झाल्यावर प्रश्न विचारून उत्तर देण्यास प्रवृत्त करणे स्वाध्याय पूर्ण करविणे कठिण शब्दांचे अर्थ समजाविणे.

शब्दार्थ

पिल्लू = कुत्र्याचे शावक, आवाज = ध्वनि भिन् –भिन् = मधमाशीचा आवाज

स्वाध्याय

1. दिलेल्या शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा–

पिल्लू, बेडूक, मधमाशी, झाडी

2. चित्र बघुन आवाजाशी जोडी जमवा–

1. 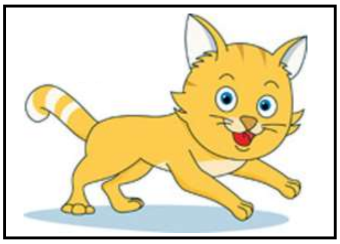 – भिन् – भिन्

2. – टर्र – टर्र

3. – भौं – भौं

4. – म्याऊँ–म्याऊँ

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व कुछ पालतू जानवरों की आवाज के संबंध में बच्चों से चर्चा करें। उसे बच्चों से निकालने को भी कहें तत्पश्चात पाठ आरंभ करें। पाठ के अंत में कुछ प्रश्न भी पूछें और उनको उत्तर देने हेतु प्रेरित करें। अभ्यासमाला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

पिल्ला = कुत्ते का बच्चा, आवाज = ध्वनि, भिन्–भिन् = मधुमक्खी की आवाज

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   पिल्ला, मेंढक, मधुमक्खी, झाड़ी

2. कौन कैसे आवाज निकालता है जोड़ी बनाओ –

1. 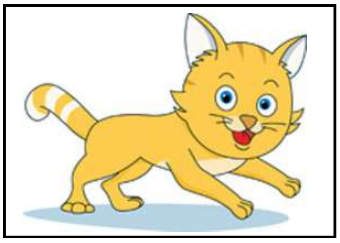 – भिन् – भिन्

2. – टर्र – टर्र

3. – भौं – भौं

4. – म्याऊँ–म्याऊँ

3. बरोबर उत्तरावर ✓ करा।

(क) पिल्लू कुठे झोपला होता?

(खाटे खाली /खाटेच्या वर)

(ख) फुलावर कोण बसल होतं?

(मधमाशी/किडा)

(ग) तळयाच्या काठी कोण बसंल होतं?

(बेडूक/उंदीर)

(घ) म्याऊँ कोणी म्हटलं ? सांगा

(मांजर /पिल्लू)

4. प्राण्यांची त्यांच्या पिल्लांबरोबर जोडी जमवा–

क	–	ख
चिक		कुत्रा
पिल्लू		कोंबडी
वासरू		मेंढी
शावक/मृगशावक		गाय
मेंढरू		हरिण

5. विचार करा–आणि सांगा –

आपण आपल्या भोवती विविध आवाज ऐकले असतील हे दिलेल आवाज कशाचे आहेत? ते ओळखा –

1. घर्र– घर्र– ....
2. टन – टन – ....
3. ट्रिंग–ट्रिंग–...............................
4. झुन–झुन–...............................
5. ठन – ठन –...............................

6. सम ध्वनि असणाऱ्या शब्दांचे उच्चारण करा–

(क) साडी–गाडी

(ख) टर्र–टर्र–फर्र–फर्र

3. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाओ।

क. पिल्ला कहाँ सोया था ?

(खाट के नीचे / खाट के ऊपर)

ख. फूल पर कौन बैठा था ?

(मधुमक्खी / कीड़ा)

ग. तालाब के किनारे कौन बैठा था ?

(मेंढक / चूहा)

घ. म्याऊँ कौन बोला ? बताओ।

(बिल्ली / पिल्ला)

4. कौन, किसका बच्चा है? रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

क		ख
चूजा	–	कुत्ता
पिल्ला	–	मुर्गी
बछड़ा	–	भेड़
छौना	–	गाय
मेमना	–	हिरन

5. सोचकर बताओ।

तुम अपने आस – पास बहुत सी आवाजों को सुनते होगे। बताओं ये आवाजें किसकी हैं?

1. घर्र – घर्र –
2. टन – टन –
3. ट्रिंग – ट्रिंग –
4. झुन – झुन –
5. ठन – ठन –

6. एक जैसी ध्वनि वाले शब्दों का उच्चारण करो।

क. साड़ी – गाड़ी

ख. टर्र–टर्र – फर्र–फर्र

(ग) आस–पास

(घ) झट –पट

6. कोण–कुठे सापडेल ते सांगा–

स्थान 1	स्थान 2	जीव–जन्तु
....	....	साँप
....	....	तोता
....	....	हाथी
....	....	गाय

7. क्रियाकलाप –

1.दिलेल्या शब्द कोडयातून पशु–पक्षी प्राणि व जंतुची नावे शोधा –

	थी			ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. चित्र पूर्ण करा व रंग भरा् –

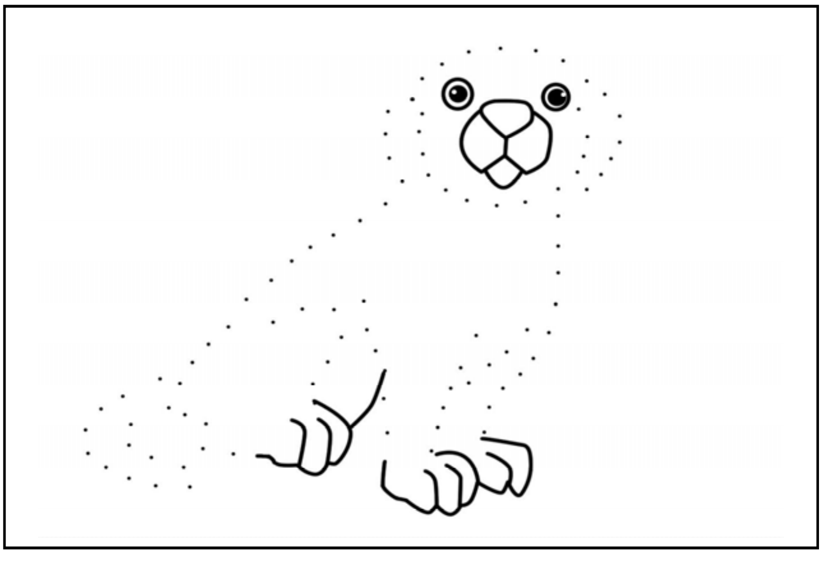

ग. आस – पास

घ. झट – पट

6. कौन – कहाँ मिलेगा

स्थान 1	स्थान 2	जीव – जंतु
....	....	साँप
....	....	तोता
....	....	हाथी
....	....	गाय

7. गतिविधि –

1. नीचे बने वर्ग में बारह पशुओं एवं जंतुओं के नाम छिपे हैं, ढूँढ़कर पढ़ो।

हा	थी		घो	ड़ा	म
गा	ऊँ	ल	में	ढ	क
य	ट	ह	लो	म	ड़ी
ब	क	री	ना	ग	धा
त	शे	र	हि	र	न
ख	र	गो	श	भा	लू

2. चित्र पूरा करो एवं रंग भरकर उसका नाम लिखो –

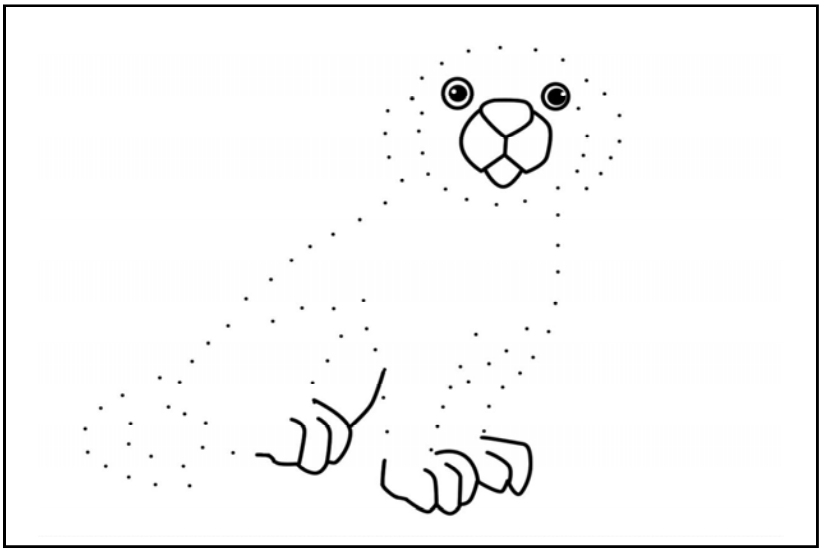

धडा – 4

अस्वल खेळला फुटबॉल

उन्हाळा, दृष्टी, घाई, धुके, चपळ संकट

हिवाळयाचे दिवस होते. सकाळची वेळ होती.

चहुकड़े धुके च धुके होते. एक छोटा गुबगुबीत

वाघाचा छावा जांभळाच्या झाडाखाली झोपला

होता इकडे अस्वल

साहेब फिरायला निघाले.

पण, ते पश्चाताप करू

लागले अचानक त्याची नजर जांभळाच्या

झाडाखाली गेली.आश्चर्याने त्याचे डोळे दिपले.

त्याने अक्कल

लढवेली व

विचार केला.

अरे वा!

फुटबॉल चला याने थोडे खेळून स्फुर्ती

घेवूया.

पाठ 4

भालू ने खेली फुटबॉल

गर्मी, नजर, हड़बड़ी, कोहरा, फुर्ती, आफत

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल–मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू साहब सैर पर निकल तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई – अहा! फुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

विचार न करता तावातावने अस्वालाने लाथेने वाघाच्या छाव्याला उडवून दिले. गडबडलेल्या छाव्याने जोरात डरकाळी फोडली व झाडाची एक फांदी पकड़ली.

पण फांदी तुटून गेली. अस्वलाला काय गडबड़ झाली आहे हे लवकरच लक्षात आले

व त्याला पश्चाताप झाला पण त्याने वेळीच धावून स्फुर्ती ने दोन्ही हातांनी वाघाच्या छाव्याला पकडून घेतले.

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

मगर डाल टूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल

दौड़कर फुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरेच्या! पण हे काय वाघाच्या छाव्याला मजा येवू लागली व त्याने पुन्हा–पुन्हा मला असेच फेकून झेला असे म्हणू लागला.

मग एकदा पुन्हा अस्वल दादा ने त्याला तसेच फेकून झेलला. असे दोन–तीनदा व मग वारंवार करू लागला

वाघाच्या छाव्याला मजा येवू लागली. पण आता अस्वलाला सतत तसे केल्यामुळे थकवा येवून अस्वस्थ वाटायला लागले. शेवटी तो स्वतःशीच म्हणाला– अरे बापरे! मी या कुठल्या संकटात सापड़लो. बारव्यांदा त्याला झेलतांना अस्वलाने घराकडे पळ काढला व गायब झाला.

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला। दो बार तीन बार फिर बार–बार यही होने लगा। शेर के बच्चे को उछलने में मज़ा आ

रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफत में आ फँसा। बारहवीं बार उछालते ही भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई और गायब हो गया।

त्यामुळे यावेळी वाघाचा छावा जमीनीवर धडकन आपटला. झाडाची फांदीपण तुटली. त्याचवेळी आवाज ऐकून माळी तेथे आला व वाघाच्या छोट्या छाव्यावर ओरडू लागला व झाडाची फांदी तोडली म्हणून नुकसान भरपाई

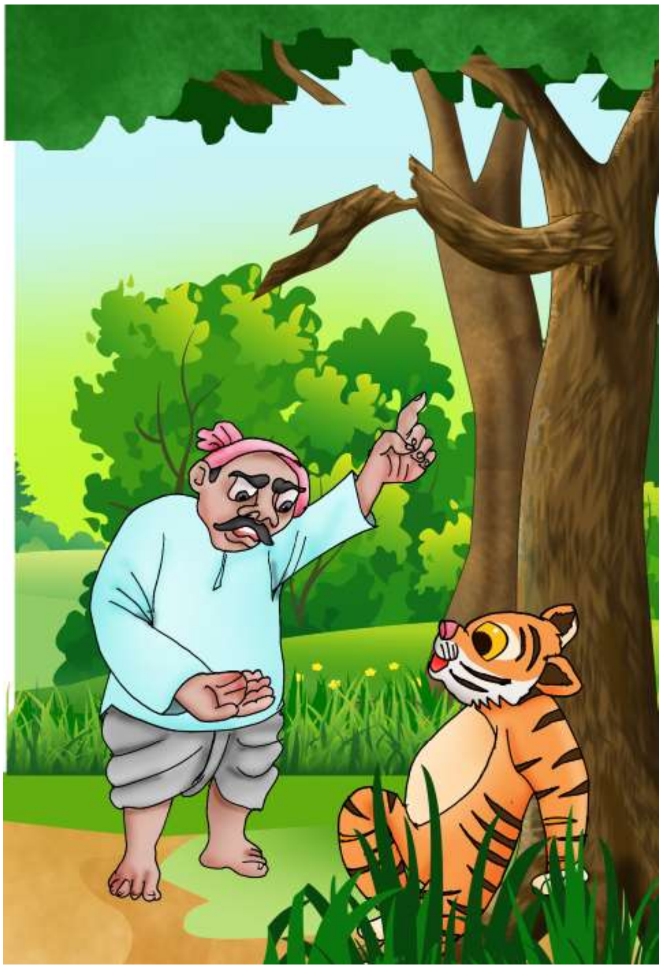

मागू लागला. वाघाच्या छाव्याने म्हटले मला जरा नीट उभ तर राहु दया.

माळी म्हणाला ठिक आहे मी आलोच, माळी तिथून जाताच वाघाच्या छाव्यानी तिथून धूम ठोकली. व विचार केला.

‘ वाचलो बाबा एकदाचा!

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भी टूट गई। तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा – ''डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।''

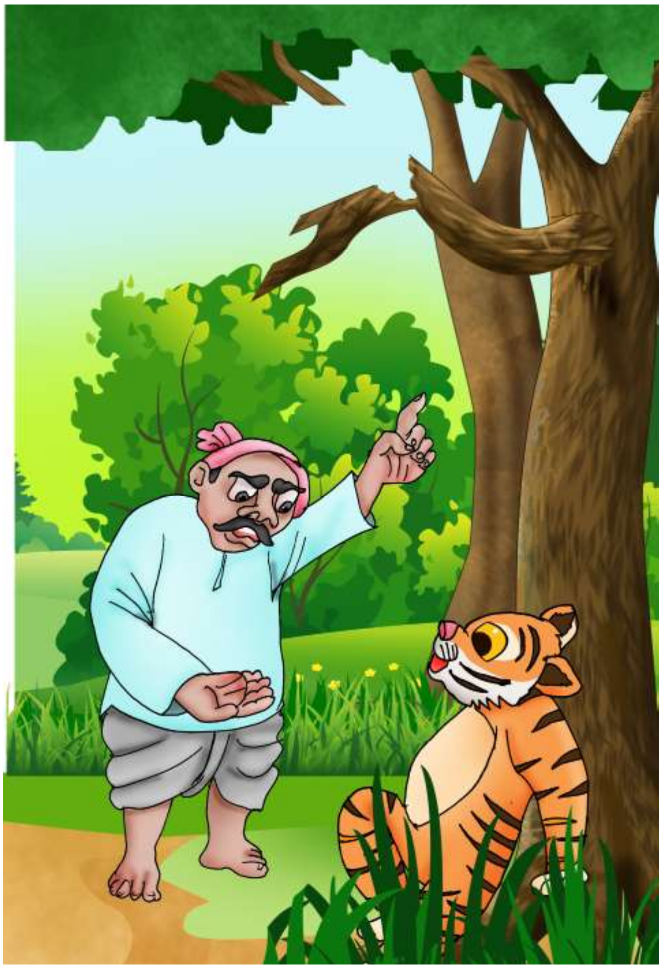

शेर के बच्चे ने कहा – ''ज़रा ठीक तो हो लूँ।'' माली ने कहा ''ठीक है

मैं अभी आता हूँ।'' माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा –''जान बची तो लाखों पाए।''

शिक्षण संकेत :– धडयाला सुरूवात करण्यापूर्वी ठंडी व इतर ऋतुबद्दल माहिती देणे व ठंडी पासून कसा बचाव करता येईल त्यावर चर्चा करणे. तसेच विविध खेळांविषयी चर्चा करून त्यांची माहिती देणे. कठिण शब्दांचे अर्थ त्यांच्या भाषेत समजाविणे.

शब्दार्थ

संकट = कठीण प्रसंग, धुकं = ओस, वेळ = प्रहर, झेलने = पकडने

स्वाध्याय

1. निम्नांकित शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा।

   धुकं, सकाळ, गायब, जमीन, गड़बड़, जांभूळ

2. खाली दिलेल्या प्रश्नांची उत्तरे लिहा :–

   क) वाघाच्या छाव्याने झाडाची फांदी का पकड़ली ?

   ख) वाघाच्या छाव्याने डरकाळी का फोडली ?

   ग) अस्वलाला कोणत्या गोष्टीचा पश्चाताप झाला ?

   घ) अस्वलाने का म्हटले–अरे! कोणत्या संकाटात सापंडलो ?

3. पुढील वाक्यांना धडयाच्या आधारे क्रमवार करा. –

   क) अस्वलाने वाघाच्या छाव्याला उडविले.

   ख) वाघाच्या छाव्यानी झाडाची फांदी पकड़ली.

   ग) अस्वलाने घराकडे पळ काढला.

   घ) अस्वल साहेब फिरायला निघाले.

   ड.) अस्वालाने वाघाच्या छाव्याला झेलले.

4. काय झाले असते :–

   क) अस्वलाने वाघाच्या छाव्याला नसते पकडले ?

   ख) वाघाच्या छावा पळून नसता गेला ?

5. करून बघा :–

   क) जेव्हा अस्वलाने वाघाच्या छाव्याला फेकले व डरकाळी चा आवाज कसा असेल बोलून दाखवा.

   ख) दिलेली कामे वर्गात कशी कराल सांगा ?

झेलणे भांग करणे हळू चालणे	फेकणे मोजे घालणे कपडे फेकणे

शिक्षण संकेत – पाठ आरंभ करने के पूर्व सर्दियों के मौसम और कोहरे के बारे में एवं ठंड से बचने के लिए किए जाने वाले उपाय के बार में चर्चा करवाएँ। साथ ही बच्चों के द्वारा खेले जाने वाले खेलों के विषय में बातचीत करें । पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

आफत = मुसीबत, कोहरा = धुंध, वक्त = समय, लपक = पकड़

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ ।

   कोहरा, सुबह, गायब, जमीन, हड़बड़ी, जामुन

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो ।

   क. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल क्यों पकड़ी ?

   ख. शेर का बच्चा क्यों दहाड़ा ?

   ग. भालू साहब किस बात पर पछताए ?

   घ. भालू ने क्यों कहा – ओह! किस आफत में आ फँसा ?

3. दिए हुए वाक्यों को पढ़कर पढ़ी गई कहानी के क्रम में जमाओं –

   क. भालू ने शेर के बच्चे को उछाल दिया।

   ख. शेर के बच्चे ने पेड़ की डाल पकड़ ली।

   ग. भालू ने घर की ओर दौड़ लगाई।

   घ. भालू साहब सैर को निकले।

   ड. भालू ने शेर के बच्चे को लपक कर पकड़ लिया।

4. क्या होता अगर –

   क. भालू शेर के बच्चे को न पकड़ता ?

   ख. शेर का बच्चा नौ दो ग्यारह न होता ?

5. करके देखो –

   क. जब भालू ने शेर के बच्चे को उछाला, वह दहाड़ा।
   उसके दहाड़ने की आवाज़ कैसी होगी, बोलकर दिखाओ।

   ख. नीचे लिखे कामों को कैसे करते हैं ? कक्षा में करके बताओ।

लपकना कंघी करना दबे पाँव चलना	फेंकना मोज़ा पहनना धुले कपड़े निचोड़ना

6. घडलेल्या प्रसंगाचे वर्णन

वाघाच्या छाव्याने घरी जाऊन आपल्या पालकांना कसे व काय–काय सांगितले ? सांगा

7. खेळता – खेळता

क) फुटबॉल ला फुटबॉल का म्हणतात ?

ख) अश्या काही खेळांची नावे सांगा ज्यात खेळायला चेंडूंचा वापर करतात. ?

8. आपल्या समजुतीने –

ठंडी पासुन बचावा करिता वाघाच्या छाव्याने स्वतः ला गुंडाळून घेतले होते.

तुमच्या मतानुसार तो ठंडी पासून बचावासाठी काय–काय करू शकला असता ?

9. ठंडी पासून बचाव –

अस्वलानी ठंडी पासून बचावासाठी फुटबॉल खेळण्याचा विचार केला. तुम्ही ठंडी पासून बचावासाठी काय–काय कराल ? (✓) करा

क) धावू

ख) ऊनी कपडे घालून घरी बसू.

ग) रज़ाई ओढ़तो.

घ) लाकड़ जाळली असती

ड.) ठंड पाणी पितो.

च) गरम पाण्याने आंघोळ करतो.

छ) गरम–गरम चहा घेतो.

6. शेर के बच्चे ने सुनाई आपबीती

शेर के बच्चे ने घर जाकर अपने माता–पिता को अपनी कहानी सुनाई। उसने क्या–क्या सुनाया होगा? बताओ।

7. खेल–खेल में

क. फुटबॉल को फुट बॉल क्यों कहते होंगे?

ख. ऐसे खेलों के नाम बताओ जिनमें बॉल (गेंद) का इस्तेमाल करते हैं।

पिट्ठूल ....

8. तुम्हारी समझ से

ठंड से बचने के लिए शेर का बच्चा गोल–मटोल सिमटकर बैठ गया था।

तुम्हारे विचार से शेर का बच्चा ठंड से बचने के लिए और क्या–क्या कर सकता था?

9. ठंड से बचना

भालू ने ठंड से बचने के लिए फुटबॉल खेलने की बात सोची। तुम ठंड से बचने के लिए क्या–क्या करते हो ? (✓) का निशान लगाओ।

क. दौड़ लगाते हो।

ख. गर्म कपड़े पहनकर घर में बैठते हो।

ग. रज़ाई ओढ़ते हो।

घ. आग तापते हो।

ड. ठंडा पानी पीते हो।

च. गर्म पानी में नहाते हो।

छ. गर्म–गर्म चाय पीते हो।

2U6KDQ

धडा–5

चतुर चीकू

मांजर , मावशी, हिस्सा,
आत, धाव

चार मांजरींनी मिळून चीकू उंदराला पकड़ले.
मी खाणार, मी खाणार झाले चौघीत भांडण.
चीकू म्हणाला अरे! मावश्यांनो आपसात नका भांडू.दूर जे कडूलिंबाचे झाड़ उभे आहे.

जाऊन त्याला पकडून या जो कोणी झाड़ा ला प्रथम स्पर्श करून येईल, तीच मला खाईल. त्यात कोणताही वाटा हिस्सा होणार नाही.

मुर्ख मांजरी चीकू ची चतुराई समजू शकल्या नाहीत व पटकन धाव धेतली. चीकू आपला जीव वाचवायला पटकन बिळात पळाला.

2UFGFD

पाठ 5

चालाक चीकू

बिल्ली मौसी हिस्सा
अंदर दौड़

चार बिल्लियों ने मिलकर, चीकू चूहे को पकड़ा।
"मैं खाऊँगी, मैं खाऊँगी," हुआ सभी में झगड़ा।।

बोला चीकू– "अरी मौसियो,
आपस में मत झगड़ो।

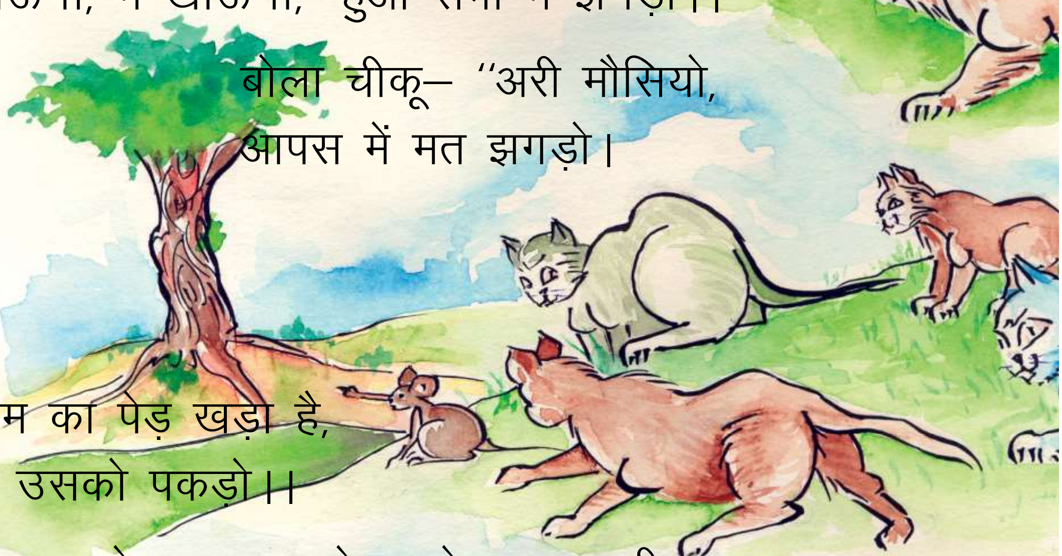

दूर नीम का पेड़ खड़ा है,
जाकर उसको पकड़ो।।

जो भी उसको छूकर सबसे पहले आ जाएगी।
बिना किसी को हिस्सा बाँटे, वह मुझको खाएगी।।"

मूर्ख बिल्लियाँ समझ न पाईं, सरपट दौड़ लगाई।
बिल के अंदर भागा चीकू , अपनी जान बचाई।।

शिक्षण संकेत – कविता पठन करतांना उंदीर व मांजराच्या स्वभावा विषयी मुलांशी चर्चा करा. ताला–सुरात व अभिनया– द्वारे कविता प्रस्तुत करा. व मुलांना म्हणायला सांगा. उंदराच्या चतुरते बद्‌दल मुलांना प्रश्न विचारा व पेंसिल ने स्वाध्याय पूर्ण करविणे. उत्तर तपासणे. चुकीच्या उत्तरांना पुनः लिहायला लावणे. धडयात आलेले कठिण शब्द आपल्या आपल्या भाषेत सांगणे.

स्वाध्याय

1. निम्नांकित शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा –

मांजर , मावशी, हिस्सा, आत, उंदीर, झाड.

2. वाचून समझा –

मांजर – मांजरी	स्त्री – स्त्रिया
आळी –	काठी –..............
आरी –	साडी – ....

3. कवितेत ज्या शब्दात 'ड़' वर्ण आला आहे, ते शब्द लिहा

झाड़ ....

4. वाक्यात झालेल बदल रेखांकित करा :–

मी कुठे चाललो आहे ?	आम्ही कुठे चाललो आहोत ?
तु कुठे चालला आहे ?	तुम्ही लोक कुठे चाललात ?
तो कुठे चालला आहे ?	ते कुठे चालले आहेत ?

5. विचार करून सांगा –

1) कवितेला गोष्टी रूपाने सांगा.

2) उंदीर व मांजरात कोण अधिक चालाक होत ?

3) उंदीर मांजरापासून सावध राहायला कोणकोणते उपाय करू शकला असता ?

शिक्षण संकेत – कविता पठन के पूर्व चूहे तथा बिल्ली के स्वभाव को लेकर बच्चों से बातचीत करें। लय तथा अभिनय के साथ कविता को प्रस्तुत करें। फिर बच्चों से उसी तरह दुहराने को कहें। चूहे की चालाकी के संबंध में बच्चों से प्रश्न करें। अभ्यास माला को पेंसिल से पूरा करवाएँ। उत्तर की जाँच करें। गलत उत्तरों को पुनः सुधारने के लिए कहें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताएँ।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   बिल्ली, मौसी, हिस्सा, अंदर, चूहा, पेड़

2. पढ़ो और समझो।

बिल्ली	–	बिल्लियाँ	नारी	–	नारियाँ
ताली	–	....	लाठी	–	....
आरी	–	....	साड़ी	–	....

3. कविता के जिन शब्दों में 'ड़' वर्ण आया है, उन शब्दों को छाँटकर लिखो।

   दौड़ ______ ___________ ___________

4. वाक्यों में आए परिवर्तन को रेखांकित करो।

मैं कहाँ जा रहा हूँ ?	हम कहाँ जा रहे हैं ?
तुम कहाँ जा रहे हो ?	तुम लोग कहाँ जा रहे हों ?
वह कहाँ जा रहा है ?	वे कहाँ जा रहे हैं ?

5. सोचकर बताओ –

1. कविता को कहानी में सुनाओ ।
2. चूहा और बिल्ली में कौन अधिक चालाक था ?
3. चूहा बिल्लियों से बचने के लिए और क्या तरीका अपना सकता था ?

6. वाचा व समजा ।

7. चित्र काढुन त्याविषयी लिहा (कोणतेही एक)

मांजर, उंदीर, ससा

----

6. पढ़ो और समझो।

7. चित्र बनाओ और उसके बारे में लिखो – (कोई एक)

बिल्ली, चूहा, खरगोश

33F89I

धडा–6

मुंगी आणि हत्ती

सोंड, युद्ध, ढकलणे, फूंकर छोटा जुगाड, अक्कल

एक राणी मुंगी होती. अन्नाच्या शोधात ती रोज जंगलात जात असे. सगळया मुंग्या तीच्या सोबत जात असतं।

त्या जंगलात एक हत्ती राहात होता.तो दिवसभर फिरत राहायचा. कधी हे झाड़ तोड़ तर कधी ते झाड तोडायचा. काही खायचा, काही फेकायचा. आपल्या लांब सोंडेत पाणी भरून आंघोळ करायचा. दुसऱ्या प्राण्यांना पाण्याने भिजवायचा प्राण्यांना ढकलून दयायचा, व मुंग्यांना चिरडून टाकायचा. सगळे प्राणि त्याला घाबरून होते. कोणीच त्याला काही बोलत नव्हते. प्रत्येक जण हत्तीचा जाचाला त्रासला होता. एके दिवशी राणी मुंगी हत्तीला भेटली. व म्हणाली, '' तु दुसऱ्यांना त्रास देतोस हे बरोबर नाही.'' हत्ती म्हणाला, ''चूप रहा! छोटासा जीव आणि एवढी मोठी जीभ. माझी मर्जी, मला जसं वाटेल तसं करील.

पाठ 6

चींटी और हाथी

सूँड़ जंग धक्का–मुक्की फूँक बित्ता जुगत अक्ल

एक रानी चींटी थी। भोजन की तलाश में वह रोज जंगल जाती। सभी चींटियाँ उसके साथ जातीं।

उस जंगल में एक हाथी रहता था। वह दिनभर घूमता रहता था। कभी इस पेड़ को तोड़ता, कभी उस पेड़ को तोड़ता। कुछ खाता, कुछ फेंक देता। लंबी सूँड़ में पानी भरता और नहाता। दूसरे जानवरों को पानी से भिगोता। जानव. रों से वह धक्का–मुक्की भी करता, चींटियों को मसल देता। सभी उससे डरते थे। उससे कोई कुछ न कहता। हाथी से सभी तंग थे।

एक दिन की बात है। रानी चींटी हाथी से मिली। वह बोली, ''तुम दूसरों को सताते हो, यह ठीक नहीं।''

हाथी बोला, ''चुप रह! छोटी–सी जान, बित्ता भर जुबान। मेरी मर्जी, मैं चाहे जो करूँ।

राणी मुंगी म्हणाली ''सिंहा ला सांगेन.'' हत्ती हसून म्हणाला , '' सिंहा ला काय सांगते ? तो माझ्यामुळे राजा आहे.'' राणी मुंगी गप्प झाली. व गवतात जाऊन लपून गेली. हत्ती इकडून–तिकडे फिरत होता.

राणी मुंगी गुपचुप त्याच्या सोंडेत शिरली. हत्ती आपल्याच मस्तीत होता. मुंगी सोंडेत आत शिरतच गेली.

आता राणी मुंगी नी. हत्तीच्या सोंडेला चावायला सुरूवात केली. हत्ती अस्वस्थ होवू लागला. तो सोंड जोरात आपटू लागला. फूंकर मारली. कोणतेही उपाय कामी येत नव्हते. राणी मुंगीने चावणे बंद नाही केले. हत्ती ओरडू लागला.

तेव्हा राणी मुंणी म्हणाली ''मजा आली बेटा ! आता का रडतोस ? आजी आठवली? '' राणी मुंगी हत्ती ला चावतच राहीली. हत्ती पडून गेला. म्हणाला राणी मुंगी, राणी मुंगी! मला माफ कर.'' ''आता कोणालाच त्रास नाही देणार. कोणालाच छोटा नाही समजणार.'' राणी मुंगी ने विचार केला आता याला अक्कल आली''. राणी मुंगी सोंडेतुन बाहेर आली, व म्हणाली हत्ती दादा ! हत्ती दादा जग बदलेले आहे.''

हत्ती ने सोंड उचलून होकार दिला.

शिक्षण संकेत – धडयाचा मुळ उद्देश्य मुलांना समजावणे व इतर छोट्या–छोट्या गोष्टी ऐकण्याची क्षमता मुलांमध्ये विकसित करणे. स्थानिक वातावरण लक्षात घेवून, नैतिक मुल्यांचे ज्ञान देणे. व कठिण शब्दांचे अर्थ त्यांच्या भाषेत सांगणे.

रानी चींटी बोली–''शेर जी से कह दूँगी।''
हाथी हँसकर बोला,
''शेर से क्या कहेगी ?
वह मेरे दम पर मुखिया है।''

रानी चींटी चुप हो गई। वह घास में जाकर छिप गई। हाथी इधर– उधर घूम रहा था।

रानी चींटी चुपके से उसकी सूँड़ में घुस गई। हाथी अपनी मौज में था। चींटी सूँड़ के अंदर घुसती ही गई।

अब रानी चींटी ने हाथी की सूँड़ को काटना शुरू किया। हाथी परेशान होने लगा। उसने जोर–जोर–से सूँड़ पटकी। फूँक लगाई। कोई जुगत काम न आई। रानी चींटी ने काटना बंद नहीं किया। हाथी चीख पड़ा।

तब रानी चींटी बोली, "आया मजा बच्चू! अब क्यों रोते हो ? आई नानी याद ?"

रानी चींटी हाथी को काटती रही। हाथी गिर पड़ा। बोला, ''चींटी रानी, चींटी रानी! माफ करो, माफ करो। अब किसी को नहीं सताऊँगा। किसी को छोटा न मानूँगा।'' रानी चींटी ने सोचा, "हाथी को अब आई अक्ल"। रानी चींटी सूँड़ से बाहर आई; बोली, ''हाथी दादा! हाथी दादा! जमाना बदल गया है।''

हाथी ने सूँड़ उठाकर हामी भरी।

शिक्षण संकेत – पाठ में निहित उद्देश्य एवं मूल्य को बच्चों को समझाएँ। अन्य छोटी–छोटी कहानियों से बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करें। स्थानीय परिवेश को ध्यान में रखते हुए कहानी में निहित मूल्यों का ज्ञान कराएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

त्रास देणे	= चिड़विणे	मस्ती	= आनंद
जीभ	= जीव्हा, रसना	जुगाड	= उपाय
मर्जी	= इच्छा	हामी भरणे	= हो म्हणणे

स्वाध्याय

1. निम्नांकित शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा –

सोंड, युद्ध, धक्का–मुक्की, फूंकणे, जुगाड, अक्कल

2. खालील कथन चूक किंवा बरोबर सांगा –

क) सगळया मुंग्या , राणी मुंगी सोबत जंगलात जात. होत्या (..................)

ख) हत्ती प्राण्यांवर प्रेम करायचा. (..................)

ग) राणी मुंगी गुपचुप हत्ती च्या सोंडेत शिरली. (..................)

घ) जंगलातील प्राणी राणी मुंगी मुळे त्रस्त होते. (..................)

3. विपरित अर्थ असलेले शब्द वाचा व समजा. –

छान –	घाण	आत –	बाहेर
वर –	खाली	दुःख –	सुख
जास्त –	कमी	मोठा –	छोटा

4. दिलेल्या शब्दांच्या साहयाने वाक्य पूर्ण करा –

सूप, सोंड़, शेपटी, पाय, पंख, चोंच, दाँत, डोळा

क) पोपटाची .... लाल असते.

ख) हत्ती ची .... लांब असते.

ग) चिमणी ला दोन .... असतात.

घ) जनावरांना चार .... असतात.

क) कुत्र्याची ....वाकडी असते.

ख) हत्ती चे कान .... सारखे असतात.

ग) हत्ती चे .... मोठे असतात.

घ) हत्ती चे ....छोटे असतात.

शब्दार्थ

सताना	=	तंग करना	मौज	=	मस्ती
जुबान	=	जीभ	जुगत	=	तरकीब, उपाय
मर्जी	=	इच्छा	हामी भरना	=	हाँ कहना

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

   सूँड़, जंग, धक्का–मुक्की, फूँकना, जुगत, अक्ल

2. बताओ, कौन–सी बात सही और कौन–सी गलत है।

   क. सभी चींटियाँ, रानी चींटी के साथ जंगल जाती थीं। (———)
   ख. हाथी जानवरों से प्यार करता था। (———)
   ग. रानी चींटी चुपके से हाथी की सूँड़ में घुसी। (———)
   घ. जंगल के जानवर रानी चींटी से परेशान थे। (———)

3. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को पढ़ो व समझो –

अच्छा	–	बेकार	भीतर	–	बाहर
ऊपर	–	नीचे	दुखी	–	सुखी
ज्यादा	–	कम	बड़ा	–	छोटा

4. नीचे लिखे शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे करो –

सूपा	सूँड़	पूँछ	पैर	पंख	चोंच	दाँत	आँखें

   क. तोते की ————————— लाल होती है।
   ख. हाथी की ————————— लम्बी होती है।
   ग. चिड़िया के दो ————————— होते हैं।
   घ. जानवरों के चार ————————— होते हैं।
   ङ कुत्ते की ————————— टेढ़ी होती है।
   च. हाथी के कान ————————— जैसे होते हैं।
   छ. हाथी के ————————— बड़े–बड़े होते हैं।
   ज. हाथी की ————————— छोटी होती हैं।

5. क्रिया कलाप –

आजुबाजूच्या छोट्या–छोट्या गोष्टी मुलांना ऐकविणे।

6. विचार करून सांगा –

पुढच्या वेळी जेव्हा मुंगी आणि हत्ती भेटतील तेव्हा आपसात काय बोलतील ?

.... ।

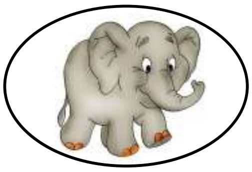

.... ।

.... ।

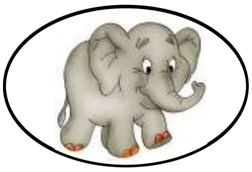

.... ।

7. मुंगी ने जंगलात काय–काय खाल्ले असेल? तुम्ही काय–काय खाता?

-- --

-- --

-- --

-- --

-- --

5. गतिविधि :–

आसपास की अन्य छोटी कहानियाँ कक्षा में सुनाओ ।

6. सोंचकर बताओ –

अगली बार जब चींटी और हाथी मिलेंगे तो आपस में क्या बातचीत करेंगे ?

.... ।

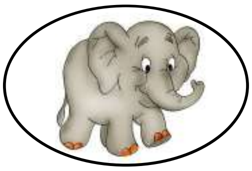

.... ।

.... ।

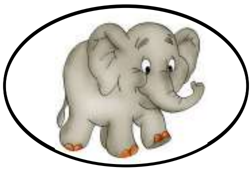

.... ।

7. चींटी ने जंगल में क्या – क्या खाया होगा ? तुम क्या – क्या खाते हो ?

-- --

-- --

-- --

-- --

-- --

8. मुंगी ला खायला जंगलात कोणकोणते खादय मिळाले असेल, त्यांची नावे लिहा।

....

....

....

....

9. जंगलाचे चित्र बनवून रंग भरा –

8. चींटी को जंगल में खाने के लिए और क्या – क्या मिला होगा, उनके नाम लिखो।

....

....

....

....

9. जंगल का चित्र बनाकर रंग भरो –

33XZCT

धडा–7

एकीचे बळ

पिंपळ, कबूतर, भोजन, जमीन, ओरडणे, पारधी, क्षमा,
इशारा, मित्र, तयांना, मदद, म्हातारा(वयस्कर), धन्यवाद

जंगलात एक पिंपळाचे झाड़ होते. त्या झाडावर पुष्कळ कबूतर राहात होते. कबूतर दिवसभर अन्नाच्या शोधात उडत राहायचे. रात्र झाली की ते सगळे पिंपळाच्या झाडावर परत यायचे.

एके दिवशी, कबूतर अन्नाच्या शोधात निघाले. थोडया दूर गेल्यावर एक छोटा कबूतर म्हणाला, ''बघा, तिकडे बघा. जमिनीवर किती दाणे पसरले आहेत.'' सगळे कबूतर तिकडे बघू लागले. त्यांना जमिनीवर असंख्य दाणे पसरलेले दिसले. ते हळू–हळू खाली उतरू लागले. तेव्हा एक म्हातारा कबूतर म्हणाला, '' थांबा–थांबा. आता तिथे नका जावू जंगलात इतके दाणे कुठून आले असतील?

दुसरा कबूतर म्हणाला, कुठूनही येवो. या आपण सगळे मिळून दाणे खाऊया. सगळे कबूतर जमिनीवर उतरले. व दाणे खाऊ लागले. पण म्हातारा कबूतर त्यांच्या सोबत नाही गेला. तो दूरूनच बघु लागला. कबूतरांनी पोटभर दाणे खाल्ले. आता त्यांना उडायचे होते, पण ते उडू शकत नव्हते. ते जाळयात अड़कले होते. कबूतर ओरडायला लागले, वाचवा–वाचवा आम्ही जाळयात अड़कलोय.

पाठ 7

एकता का बल

पीपल कबूतर भोजन धरती चिल्लाना बहेलिया
क्षमा इशारा मित्र उन्हें मदद बूढ़ा धन्यवाद

जंगल में पीपल का एक पेड़ था। उस पेड़ पर बहुत–से कबूतर रहते थे। कबूतर दिनभर भोजन की खोज में उड़ते रहते। रात होने पर वे सब पीपल के पेड़ पर लौट आते।

एक दिन की बात है। कबूतर भोजन की तलाश में उड़े। थोड़ी दूर उड़ने पर एक छोटा कबूतर बोला, ''देखो, उधर देखो। धरती पर कितना दाना बिखरा पड़ा है।''

सभी कबूतर उधर देखने लगे। उन्हें धरती पर बहुत–सा दाना दिखाई पड़ा। वे धीरे–धीरे नीचे उतरने लगे।

तभी एक बूढ़ा कबूतर बोला, ''ठहरो, ठहरो। अभी वहाँ मत जाओ। जंगल में इतना दाना कहाँ से आया?''

दूसरा कबूतर बोला, ''कहीं से भी आया हो। आओ, हम सब मिलकर दाना चुगें।''

कबूतर धरती पर उतर गए। वे दाना चुगने लगे। पर बूढ़ा कबूतर उनके साथ नहीं गया। वह दूर से ही देखता रहा। कबूतरों ने पेट भर दाना खाया। अब वे उड़ना चाहते थे, पर उड़ न सके। वे जाल में फँस गए थे। कबूतर चिल्लाने लगे, ''बचाओ, बचाओ, हम जाल में फँस गए हैं।''

तेव्हा एक कबूतर ओरड़ला, ''तिकड़े बघा. अरे, अरे, तो तर पारधी आहे. तो आम्हालाच पकडायला येत आहे. म्हातारा कबूतर म्हणाला'' घाबरू नका. सगळे मिळून जोर लावा. एक साथ जाळयासह उडा. सगळया कबूतरांनी मिळून जोर लावला. जाळ थोड़ वर उचलल्या गेल्यावर कबूतरांनी जाळयांसकट उडायला शुरूवात केली. म्हातारा कबूतर पुढे–पुढे उड़त होता. व सर्व कबूतर त्याच्या मागे होते.

म्हातारा कबूतर त्यांना घेवून खूप दूर गेला. त्याने एका तुटक्या–फुटक्या घराकडे इशारा केला. तो म्हणाला, ''इथे एक उंदीर राहातो. तो माझा मित्र आहे. तो आपली मदद करेल. इथेच उतरा.

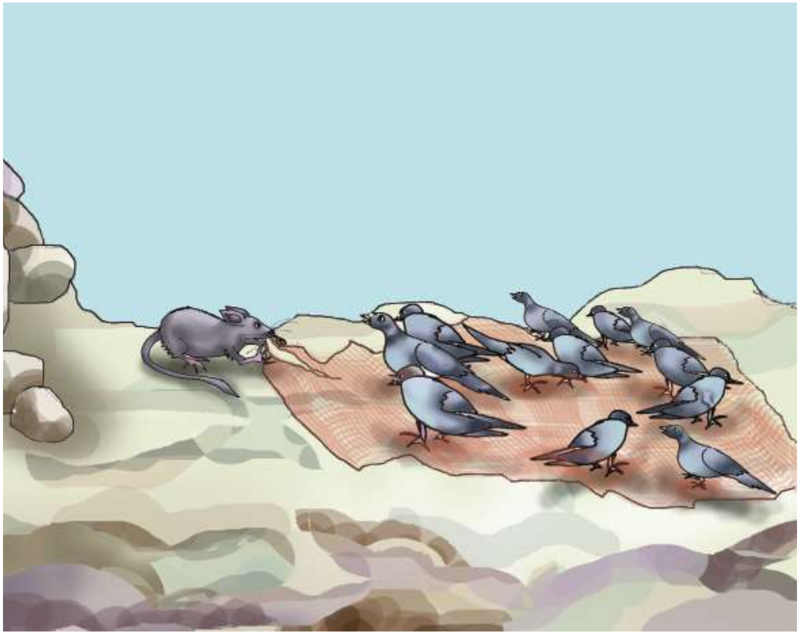

म्हाताऱ्या कबूतराने उंदराला बोलाविले. उंदरानी जाळ कुरतडलं कबुतर जाळयातुन बाहेर आले त्यांनी उंदराला धन्यवाद दिले. सगळया कबूतरांनी आता म्हाताऱ्या कबूतराची क्षमा मागितली व धन्यवाद दिल।

शिक्षण संकेत – एकीचे महत्व मुलांना समजाविणे. वर्गात ठेवलेल्या बाकाला कोणत्याही एका मुलाला उचलायला लावणे व नंतर त्याच बाकाला पाच मुलांनी मिळून उचूलणे. यात काय फरक आहे त्याची त्यांना जाणिव करून देणे. एकीचे बळ यावर आणखी काही गोष्टी ऐकविणे. कठिण शब्दांना समजाविणें।

तभी एक कबूतर चिल्लाया, ''उधर देखो। अरे, अरे, वह तो बहे. लिया है। वह हमें पकड़ने आ रहा है।''

बूढ़ा कबूतर बोला, ''घबराओ मत। सब मिलकर जोर लगाओ। जाल को लेकर एक साथ उड़ चलो।''

सभी कबूतरों ने मिलकर जोर लगाया। जाल कुछ ऊँचा उठा तो कबूतरों ने और जोर लगाया।

अब कबूतर जाल लेकर उड़ने लगे। बूढ़ा कबूतर आगे–आगे उड़ रहा था। सब कबूतर उसके पीछे थे।

बूढ़ा कबूतर उन्हें लेकर बहुत दूर उड़ गया। उसने एक टूटे–फूटे मकान की तरफ इशारा किया। वह बोला, ''यहाँ एक चूहा रहता है। वह मेरा मित्र है। वह हमारी मदद करेगा। यहीं उतर जाओ।''

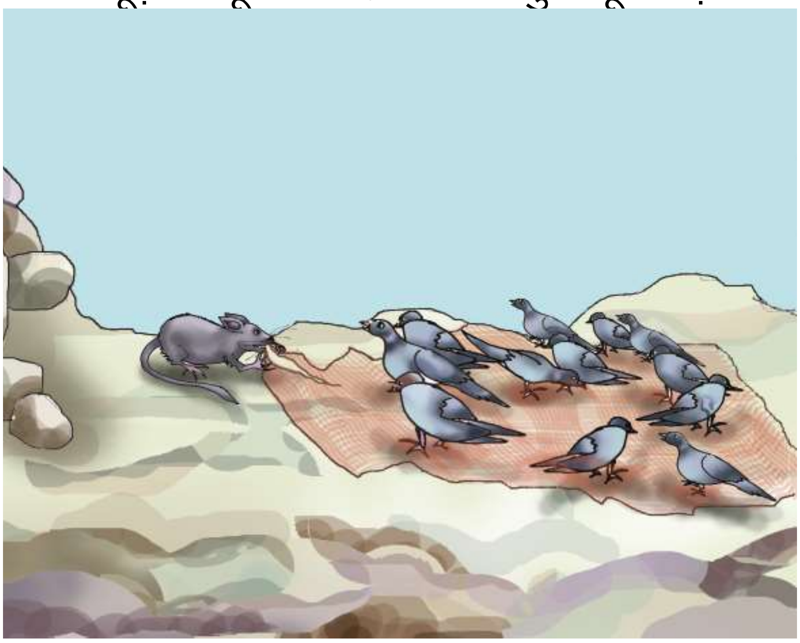

बूढ़े कबूतर ने चूहे को बुलाया। चूहे ने जाल काट दिया। कबूतर जाल से निकल आए। उन्होंने चूहे को धन्यवाद दिया। सभी कबूतरों ने अब बूढ़े कबूतर से क्षमा माँगी और उसे धन्यवाद दिया।

शिक्षण संकेत – एकता का अर्थ बच्चों को बताएँ। कक्षा में रखी मेज को किसी एक बच्चे से हटाने को कहें फिर वही मेज उस बच्चे के साथ पाँच अन्य बच्चे मिलकर हटाएँ। बच्चे ने क्या महसूस किया उसे कक्षा के अन्य बच्चों से साझा करवाएँ। एकता की कोई अन्य कहानी कक्षा में सुनाएँ। कठिन भावों को बच्चों की भाषा में स्पष्ट करें।

शब्दार्थ

पाय=शरीराचा अवयव, क्षमा = माफी, शोध = शोधणे, मद्द = सहायता, मित्र = सखा, पारधी = जाळ टाकून पक्षी पकडणारा।

स्वाध्याय

1. निम्नांकित शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा –

   पारधी, क्षमा, इशारा, मद्द

2. निम्नांकित प्रश्नांची उत्तरे सांगा –

   क) कबूतर कुठे राहात होते ?

   ख) छोट्या कबूतर नी काय बघीतले ?

   ग) म्हातारा कबूतर दुसऱ्या कबूतरां सोबत का नाही गेला ?

   घ) कबूतर का नाही उडू शकले ?

   ड) म्हातारा कबूतर सगळयांना घेवून कुठे गेला ?

   च) सगळया कबूतरांनी म्हाताऱ्या कबूतराची क्षमा का मागितली ?

3. आमचे मदतनीस कोण – कोण आहेत –

   अन्नदाता कोण – ....

   आरोग्या साठी – ....

   शिक्षणा साठी – ....

   कपडयां साठी – ....

4. योग्य उत्तर निवडून (✓) निशान लावा.

   (दाणे, जमीन, मद्द, क्षमा जाळ)

   क) पुष्कळ से दाणे .... वर पसरले होते. (जमीन / आकाश)

   ख) जंगलात इतके..................कुठून आले (दाणे / खाणे)

   ग) कबूतर.................... त अडकले. (जाळया / चिखल)

   घ) उंदीर आमची .... करेल. (मद्द / दया)

   ड.) कबूतरांनी म्हाताऱ्या कबूतराची...................मागितली. (क्षमा / सहायता)

शब्दार्थ

पाँव = पैर, क्षमा = माफी, तलाश = खोज, मदद = सहायता
मित्र = दोस्त, बहेलिया = जाल बिछाकर पक्षियों को पकड़ने वाला।

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

बहेलिया, क्षमा, इशारा, मदद

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. कबूतर कहाँ रहते थे ?

ख. छोटे कबूतर ने क्या देखा ?

ग. बूढ़ा कबूतर दूसरे कबूतरों के साथ क्यों नहीं गया ?

घ. कबूतर क्यों नहीं उड़ सके ?

ङ बूढ़ा कबूतर सबको लेकर कहाँ गया ?

च. सभी कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से क्षमा क्यों माँगी ?

3. हमारे मददगार कौन – कौन हैं –

भोजन के लिए – ....

स्वास्थ्य के लिए – ....

शिक्षा के लिए – ....

कपड़ों के लिए – ....

4. सही शब्द चुनकर ✓ का निशान लगाओ।

(दाना, धरती, मदद, क्षमा, जाल)

क. बहुत–सा दाना ––––––––– पर बिखरा था। (धरती, आसमान)

ख. जंगल में इतना ––––––––– कहाँ से आया ? (दाना, खाना)

ग. कबूतर ––––––––– में फँस गए। (जाल, कीचड़)

घ. चूहा हमारी ––––––––– करेगा। (मदद, दया)

ङ कबूतरों ने बूढ़े कबूतर से –––––––– माँगी। (क्षमा, सहायता)

5. ड़, ढ़, त्र, क्ष वर्ण असलेले शब्द शोधून लिहा।

_________ _________ _________ _________

6. योग्य जोडी जमवून वाक्य तयार करा –

क) कबूतर – जाळ कुरतडलं.

ख) उंदराने – पुढे–पुढे उडत होता.

ग) कबूतरांनी – पिंपळाच्या झाडावर राहात होते.

घ) म्हातारा कबूतर – उंदराला धन्यवाद दिले.

7. वाचा व समजा दिलेल्या शब्दांवरून शब्द बनवा वलिहा –

म्हातारा	–	म्हातारे	म्हातारे
उंदीर	–	....	....
गधा	–	....	....
घोडा	–	....	....

8. दिलेले चित्र ओळखून वाक्य तयार करा –

कबूतर झाडावर राहातात

कबूतर .... टिपतात.

....

....

....

5. ड़, ढ़, त्र, क्ष वर्णों से बने एक–एक शब्द खोजकर लिखो।

________ ________ ________ ________

6. सही मिलान कर वाक्य बनाओ और बोलो –

क.	कबूतर	–	जाल काट दिया।
ख.	चूहे ने	–	आगे–आगे उड़ रहा था।
ग.	कबूतरों ने	–	पीपल के पेड़ पर रहते थे।
घ.	बूढ़ा कबूतर	–	चूहे को धन्यवाद दिया।

7. पढ़ो और समझो। दिए गए शब्दों के अनुसार शब्द बनाकर लिखो।

बूढ़ा	–	बूढ़े	–	बूढ़ों
चूहा	–	_______	–	_______
गधा	–	_______	–	_______
घोड़ा	–	_______	–	_______

8. दिए गए चित्र को पहचानकर वाक्य बनाओ –

9. दिए गए चित्र पर चर्चा कर कहानी बनाओ।

कबूतर पेड़ पर रहता है ।

कबूतर .... चुगता है ।

....

....

....

9. दिलेल्या चित्रावर चर्चा करून गोष्ट तयार करा।

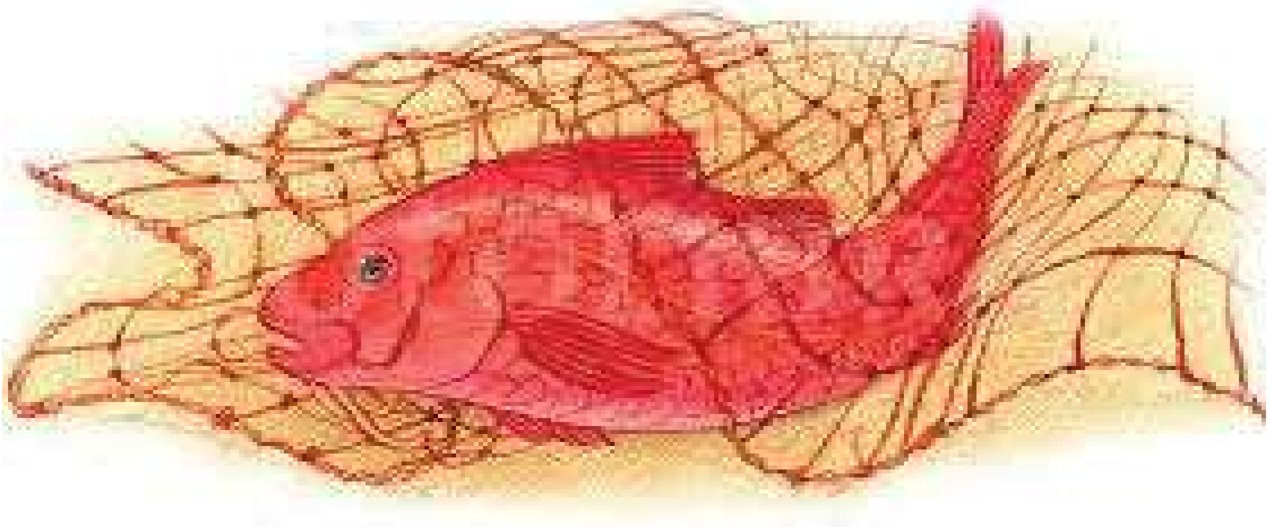

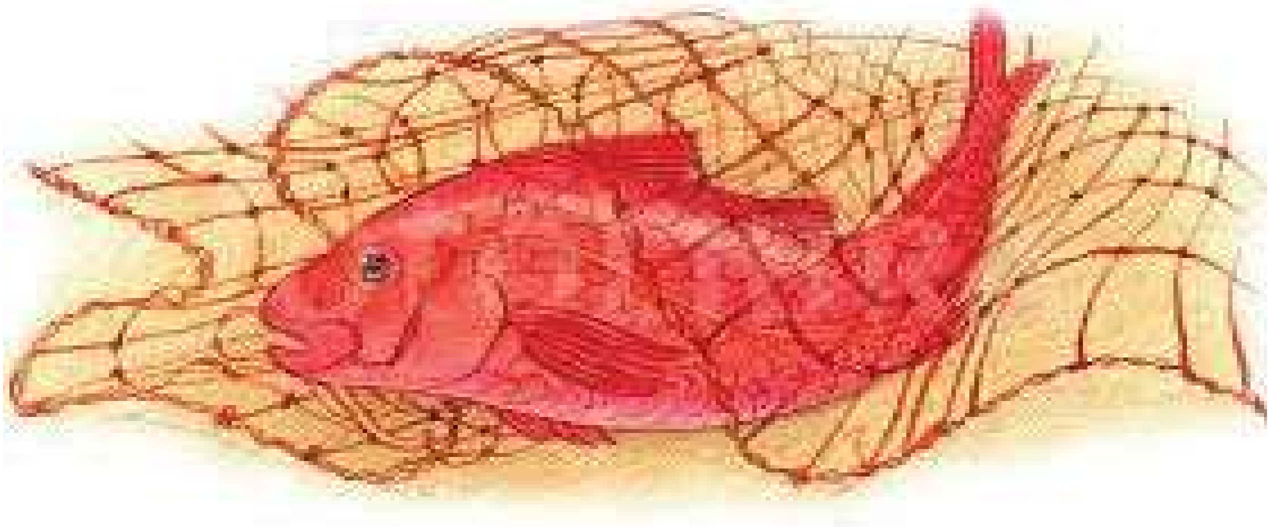

धडा– 8

कोण ?

चंद्र, तहान, हसणे,
प्रश्न, निर्मळ, इंद्रधनुष्य

समजा नसता चंद्र, रात्री तर
आम्हाला दिशा दाखवेल कोण ?
समजा नसता सूर्य दिवसा
सोन्या सारखं चमकलं असतं कोण ?
समजा नसत्या निर्मळ नद्या
जगाची तहान भागवेल कोण ?
समजा नसते पर्वत, गोड
झरे पाझरेल कोण ?

समजा नसते वृक्ष तर
हिरवळ पसरवेल कोण ?
समजा नसते फूल तर
फुलांसारखे हसले असते कोण ?
समजा नसते ढग, आकाशी
इंद्रधनुष्य तयार करतं कोण ?
समजा आम्हीच, जर नसतो तर ?
हे सर्व प्रश्न विचारतील कोण ?

शिक्षण संकेत – कविता ताला सुरात म्हणून पाठ करावी. मुलांशी, पहाड़, झरे, झाडे, नदया, या विषयी चर्चा करून निसर्गाच्या छोट्या गोष्टी सांगणे. त्यांच्या भाषेत कवितेचा अर्थ सांगून, कठिण शब्दांचे अर्थ समजाविणे.

पाठ 8

कौन ?

चाँद	प्यास	मुस्काता
प्रश्न	निर्मल	इन्द्रधनुष

अगर न होता चाँद, रात में
हमको दिशा दिखाता कौन ?
अगर न होता सूरज, दिन को
सोने–सा चमकाता कौन ?
अगर न होतीं निर्मल नदियाँ
जग की प्यास बुझाता कौन ?
अगर न होते पर्वत, मीठे
झरने भला बहाता कौन ?

अगर न होते पेड़, भला फिर
हरियाली फैलाता कौन ?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल–खिलकर मुस्काता कौन ?
अगर न होते बादल, नभ में
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?
अगर न होते हम, तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़–पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी–छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

शब्दार्थ

आकाश	=	आभाळ	जग	=	संसार, दुनिया
पर्वत	=	पहाड	प्रश्न	=	सार (सवाल)
हिरवळ	=	चहुकडे हिरवेगार होणे.			
निर्मळ	=	स्वच्छ			

स्वाध्याय

1. दिलेल्या शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा –

आकाश, पर्वत, निर्मळ, हिरवळ, माती

2. समजून एका वाक्यात उत्तरे लिहा –

क) ज्या रात्री चंद्र दिसत नाही, ती रात्र कशी भासते ?

....

ख) दिवसा उजेड आम्हाला कोणामुळे मिळतो ?

....

ग) हिरवळ कोणामुळे दिसून येते ?

....

घ) इंद्रधनुष्यात किती रंग असतात ?

....

3. समजा तुम्हाला या कवितेचं नाव बदलायला सांगितल तर तुम्ही काय नाव द्याल?

4. तुम्ही इंद्रधनुष्य बघीतलाय ? आणि बघीतलाय तर त्यात तुम्हाला कोण–कोणते रंग दिसतात, सांगा ?

शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरे भरे, पेड़–पौधों का होना			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   नभ, पर्वत, निर्मल, हरियाली, मिट्टी

2. समझकर एक–एक वाक्य में उत्तर लिखो।

   क. जिस रात चाँद नहीं निकलता, वह रात कैसी लगती है?

   ____

   ख. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

   ____

   ग. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

   ____

   घ. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

   ____

3. अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहे तो तुम क्या नाम दोगे और क्यों?

4. क्या तुमने इन्द्रधनुष कभी देखा है ? देखा है तो तुम्हे कौन – कौन से रंग दिखाई देते हैं, बताओ ।

5. चित्र काढून रंग भरा –

(झाड, पर्वत, सूर्य, नदी, फुल, इंद्रधनुष्य)

5. चित्र बनाकर रंग भरो –

(पेड़, पर्वत, सूरज, नदी, फूल, इंद्रधनुष)

34ZIJE

धडा– 9

माती

माती, थेंब, मातकट–सुगंध, सुंदर, रंगबिरंगी, खेळणे, सुरेख, मोल, (किमंत)

गावात, गल्लीत, शेतात माती
बाहेर माती घरात माती.
टप–टप, टप–टप थेंब पडता,
पसरला सुगंध मातीचा.

माती पासून घरें बनले किती,
माती वरच उभे किती.
सुंदर फुले फुलविते माती,

सगळयांचा भार उचलते माती.
कुंडया माठ सजवलें सुरेख,
रंग–बिरंगी तयार खेळणी.
काही ही किंमत न घेता माती,
विचार करा काय–काय देते माती.

शिक्षण संकेत :– कवितेचे सस्वर वाचन करून मुलांकडून म्हणून घ्यावी, कवितेत आलेले अनोळखी शब्दांना त्यांच्या भाषेत समजवून अर्थ सांगणे. स्वाध्यायात दिलेले प्रश्न समजवून पुस्तकात पेंसिल ने लिहिणे.

359EL2

पाठ 9

मिट्टी

मिट्टी, बूँद, सोंधी–सोंधी, सुंदर, रंग–बिरंगे, खिलौने, सलोने, मोल

गाँव, गली, खेतों में मिट्टी
बाहर मिट्टी, घर में मिट्टी।
टप–टप, टप–टप बूँद पड़ी तो,
महकी सोंधी–सोंधी मिट्टी।।

मिट्टी से घर बने हैं कितने,
मिट्टी पर वे खड़े हैं कितने।
सुंदर फूल खिलाती मिट्टी,
सबका बोझ उठाती मिट्टी।।

गमले, मटके सजे सलोने,
रंग–बिरंगे बने खिलौने।
कुछ भी मोल न लेती मिट्टी,
सोचो क्या–क्या देती मिट्टी।।

शिक्षण संकेत :– कविता का सस्वर वाचन करें एवं बच्चों को दुहराने के लिए कहें। कविता में आए अपरिचित शब्दों का अपनी भाषा में अर्थ बताएँ। अभ्यास के प्रश्नों में दिए गए निर्देशों को पढ़कर बच्चों को समझाएँ व अभ्यास के प्रश्नों को पेंसिल से हल करवाएँ।

काय, कोणत्याही मातीची खेळणी तयार करता येतील ?

मोनू आणि जय मेळयात गेले. मेळयात त्यांनी सुंदर–सुंदर खेळणे बघीतले. घरी येवून त्यांनीही खेळणे बनवायचा प्रयत्न केला. घरासमोर मुरूम पडला होता. त्या दोघांनी मुरूमापासुन खेळणे बनविणे सुरू केले. पण मुरूमाचे खेळणे बनतच नव्हते. मुरूमात लपून बसलेल्या मकडी (कोळी) ने सांगितलं, ''अरे मोनू! या मातीचे खेळणे नाही बनत. चला, आपण कुठे चांगली माती शोधू.'' थोडयाच दूर एक घर बनत होते. समोर रेतीचा ढीग लागला होता. मोनू जय आणि मकडी (कोळी) नी खेळणे बनवायला रेतीत पाणी घातले. रेतीतून पाणी वाहून गेले. रेतीत लपलेल्या गोगलगाईने म्हटले, जय दादा. ही तर रेती आहे, याचे खेळणे नाही बनत. ''तिथे एक गांडूळ माती खोदत होता. तो सरपटत आला आणि मान मटकवत म्हणाला, ''मोनू ताई! नदी च्या मातीने खेळणी छान बनतील.'' सगळयांनी नदी काठची माती खोदून काढली. मातीतून गवत काढले, माती एकत्र केली. सगळयांनी मिळून खेळणी बनवली.

शब्दार्थ

सुरेख = सुंदर, मोल = किंमत (मुल्य)

मातीचा सुगंध = मातीवर पाणी पडल्यावर येणारा सुगंध

अभ्यास

1. दिलेल्या प्रश्नांची उत्तरे आपल्या भाषेत सांगा –

क) माती पासून कोण–कोणत्या वस्तुं बनतात ?

ख) खेळणी कोण–कोणत्या वस्तुंपासून बनतात ?

2. खाली दिलेल्या शब्दांना वाचा व लिहा –

गाव – .... माती – ....

सुगंध – .... सुंदर – ....

रंग–बिरंगी– .... सुरेख – ....

3. वाचा व समजून लिहा –

गाव – पाव, नाव, ..., ... फुल – झुल, ..., ...

गली – ...., ... पसरणे – ...., ...

खेळणे – ...., ...

क्या किसी भी मिट्टी से खिलौने बनाए जा सकते हैं?

मोनू और जय मेले में गए। मेले में उन्होंने सुंदर–सुंदर खिलौने देखे। घर आकर उन्होंने भी खिलौने बनाने चाहे। घर के सामने मुरम पड़ी थी। वे दोनों मुरम के खिलौने बनाने लगे। पर मुरम के खिलौने नहीं बने। मुरम में छिपी मकड़ी ने उचककर कहा, ''अरे, मोनू! इस मिट्टी के खिलौने नहीं बनेंगे। चलो, हम कहीं अच्छी मिट्टी ढूँढ़ते हैं।'' थोड़ी दूर एक मकान बन रहा था। सामने रेत का ढेर लगा था। मोनू, जय और मकड़ी ने खिलौने बनाने के लिए रेत में पानी डाला। रेत में से पानी बह गया। रेत में छिपे घोंघे ने कहा, ''जय भैया! यह तो रेत है, इसके खिलौने नहीं बनेंगे।'' वहीं एक केंचुआ मिट्टी खोद रहा था। वह रेंगता हुआ आया और गर्दन मटकाकर बोला, ''मोनू दीदी! नदी की मिट्टी के खिलौने अच्छे बनेंगे।'' सबने नदी के किनारे की मिट्टी खोदी। मिट्टी में से घास निकाली, मिट्टी इकट्ठी की। सबने मिलकर खिलौने बनाए।

शब्दार्थ

सलोने = सुंदर, मोल = मूल्य

सोंधी–सोंधी = सूखी मिट्टी पर पानी पड़ने से उठने वाली सुगंध

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. मिट्टी से क्या–क्या चीजें बनती हैं?

ख. खिलौने किन–किन चीजों से बनते हैं?

2. नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और लिखो।

गाँव – ....।	मिट्टी – ....।
सोंधी – ....।	सुंदर – ....।
रंग–बिरंगे – ....।	सलोने – ....।

3. पढ़ो और समझकर लिखो –

गाँव – पाँव, छाँव, ..., ...	फूल – .... ,..........
महकी – .... ,..........	खिलाती – .... ,..........
गली – .... ,..........	

4. माती आणून खेळणे बनवा, उदा. पोळपाट, लाटणं, गड़वा, पेला. इत्यादी. वाळल्यावर त्यांना रंगवून वर्गात ठेवा.

5. दिलेल्या जागी मुलांना नेवून तिथली माती एकत्र करवून त्यातील अंतर समजावून— चर्चा करा.

1) धानाचे शेत 2) मैदान 3) नदीचा किनारा

धानाचे शेत	मैदान	नदीचा किनारा

4. मिट्टी लाकर खिलौने बनाओ, जैसे– चक्का, बेलन, लोटा, गिलास, आदि। सूख जाने पर उन्हें रँगो और अपनी कक्षा में सजाओ।

5. निम्नलिखित स्थानों पर बच्चों को ले जाकर वहाँ की मिट्टी एकत्र करवाएँ और उनके अंतर के बारे में चर्चा कराएँ–

1. धान का खेत 2. मैदान 3. नदी किनारे

धान का खेत	मैदान	नदी किनारे

35IAMP

धडा– 10

पूरे झाले

चिखल, कंटाळणे, पोपट, प्रार्थना, शांत

ढग दादा
पूरे झाले!
चिखल–चिखल
पाणी–पाणी,

आठवली सगळयांना
त्यांची आजी,
सगळे घर
दिवसरात्र टपकले.

कुठे जायचे ?
कुठे खेळायचे ?
घरात फसलो,
कंटाळलो.
जसा पिंजऱ्यातला
अबोल पोपट.

सूर्य दादा
ऊन पसरवा,
तलाव नदी रस्त्यांवर,
जावू द्या तुम्ही पण
दादा करा हीच प्रार्थना.

शिक्षण संकेत – कविता विदयार्थ्यांकडून तालासुरात पाठ करून घेणे. पावसाळया बद्दल व वातावरणात होणाऱ्या परिवर्तनांवर चर्चा करा. त्यांच्या भाषेत कवितेचा अर्थ सांगून कठिण शब्दांचे अर्थ समजाविणे.

पाठ 10

बहुत हुआ

35S6PC

कीचड़, बोरियत, सुआ, दुआ, मौन

बादल भइया
बहुत हुआ !
कीचड़–कीचड़
पानी पानी,

याद सभी को
आई नानी,
सारा घर
दिन रात चुआ।

जाएँ कहाँ !
कहाँ पर खेलें ?
घर में फँसे
बोरियत झेलें।
ज्यों पिंजरे में
मौन सुआ।

सूरज दादा
धूप खिलाएँ,
ताल नदी
सड़कों से जाएँ,
तुम भी भैया
करो दुआ !

शिक्षण संकेत – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। बरसात के मौसम और उस समय होने वाली परिवर्तनों पर चर्चा करें। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

शब्दार्थ

अबोल = न बोलणारा, पोपट = तोता
तलाव = तळ सूर्य = रवि

स्वाध्याय

1. पाऊस म्हंटले की तुमच्या मनात कोण–कोणते शब्द येतात ? विचार करा व लिहा।

....

....

....

2. जेव्हा खूप पाऊस पडतो तेव्हा तुम्ही कुठे खेळता ? व कोण– कोणते खेळ खेळता?

....

....

....

3. जेव्हा खूप जोरात पाऊस पडतो तेव्हा तुमच्या घराच्या आजूबाजूचे वातावरण कसे दिसते?
4. पावसाळयात खूप पाऊस पडतो. ते पाणी कुठे जाते ?
5. पावसापासून बचावा करिता हे सगळे काय करतील ? सांगा –
   – लोकं
   – कबूतर
   – गांडूळ
   – कुत्रा
   – मासोळी
   – मोर
6. पूरे झाले !

मोठी माणसें असं कधी म्हणतात –

पूरे झालं आता शांत बसा !

क) जेव्हा आम्ही............

ख) पूरे झाले, आता आत या !

शब्दार्थ

मौन	=	शांत, चुप	सुआ	=	तोता
ताल	=	तालाब	सूरज	=	सूर्य

अभ्यास

1. बारिश कहने पर तुम्हारे मन में कौन–कौन से शब्द आते हैं? सोचो और लिखो।

....

....

....

2. जब बहुत बारिश होने लगती है तब तुम कहाँ खेलते हो? कौन–कौन से खेल खेलते हो?

....

....

....

3. जब खूब तेज़ बारिश होती है तो तुम्हारे घर के आसपास कैसा दिखाई देता है?

4. बारिश में खूब पानी बरसता है। यह सब पानी कहाँ–कहाँ जाता है?

5. ये सब बारिश से बचने के लिए क्या करेंगे? बताओ –

– लोग
– कबूतर
– केंचुआ
– कुत्ता
– मछली
– मोर

6. बहुत हुआ !

बड़े लोग ऐसा कब कहते हैं –

बहुत हुआ, अब चुपचाप बैठो !

क. जब हम ....

ख. बहुत हुआ, अब अंदर चलो !

जेव्हा आम्ही............

ग) पूरे झाले, झोपा आता !

जेव्हा आम्ही.............

घ) पूरे झाले आता टी.वी. बंद करा !

जेव्हा आम्ही............

7. कवितेतून

कवितेत असे का म्हटले असेल ?

क) अती पावसामुळे रस्ते नदया बनतात.

ख) सगळी कडे चिखल झाला की आजी आठविते.

8. आता नाही पडणार!

एके दिवशी ढगाने विचार केला
मी आता कधीच नाही बरसणार.
मी जेव्हा बरसतो तेव्हाही मला वाईट म्हणतात.
जेव्हा नाही बरसत तेव्हाही मला वाईट म्हणतात.
आजपासून बरसणे बिलकूल बंद. मग काय.
झाले असेल ? गोष्ट तयार करून लिहा.

जब हम ....

ग. बहुत हुआ, अब सो जाओ!

जब हम ....

घ. बहुत हुआ, अब टी.वी. बंद करो!

जब हम ....

7. कविता से

कविता में ऐसा क्यों कहा गया होगा?

क. तेज़ बारिश होने पर सड़कें नदी बन जाती हैं।

ख. सब ओर कीचड़ होने पर नानी याद आती है।

8. अब नहीं बरसूँगा!

एक दिन बादल ने सोचा, मैं अब कभी नहीं बरसूँगा। जब मैं बरसता हूँ तब भी लोग मेरी बुराई करते हैं। जब नहीं बरसता हूँ तब भी मेरी बुराई करते हैं। आज से बरसना बिल्कुल बंद। फिर क्या हुआ होगा ? कहानी को आगे बढ़ाओ।

9. आपले अनुभव सांगा –

1. काय तुम्ही पावसाळयात कागदाची नाव बनवली आहे ?कागदाची एक नाव बनवा.
2. पावसाळयात पावसात भिजतांना कसे वाटते ?
3. तुमचा आवडता ऋतु कोणता ? व का ?
4. पावसा संबधीत कविता शोधून वर्गात ऐकविणे.

9. अपने अनुभव बताओ –

1. क्या तुमने बारिश के दिनों में कागज की नाव बनाकर पानी में तैराई हैं। कागज की एक नाव बनाओं।
2. बारिश के दिनों में पानी में भीगना कैसा लगता है?
3. आपको सबसे अच्छा मौसम कौन–सा लगता है। और क्यों?
4. बारिश से संबंधित कविताएँ ढूँढकर कक्षा में सुनाओं?

3622QZ

धडा–11

मड़ई मेळा (जत्रा)

कंगवा,	ओरडणे,	डफली,
मंगल,	फुग्गा	कठिण

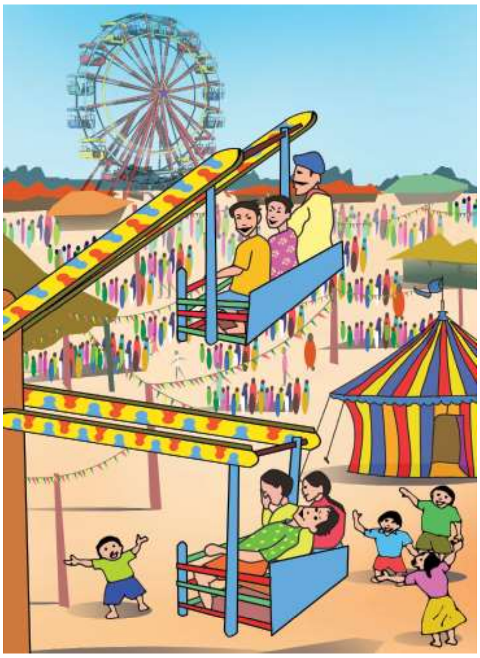

आज आमच्या गावात मड़ई मेळा आहे, बुधिया,

सुकवारो आणि संगीता आज सकाळपासूनच मेळयात जायला तयार आहेत. चैतू, मंगल आणि समारू पण तेल भांग करून तयार आहेत. सगळे मुल जेवण करून मेळा बघायला निघाले.

ते मेळयाच्या जवळं पोहोचले. तेव्हा त्यांना झुल्याचे आवाज ऐकू येवू लागले. झपाटयाने चालत ते सगळे मेळयात पोहोचले. सगळे झुल्याजवळ उभे राहिले.

जसा झूला थांबला तसे सगळे उडया मारून बसायला तयार झाले. बसल्या नंतर झूले सुरू झाले. सगळी मुले आनंदाने ओरडू लागली. समारूला खूप भिती वाटत होती. त्याने आपला चेहरा झाकून घेतला.

सगळे झुल्यावरून झुलून पुढे निघाले. इतक्यात त्यांना निरनिराळया वादयांचा आवाज ऐकू आला. सगळीकडे आनंदी जल्लोष सुरू झाला. ''मड़ई आली मड़ई आली.''

सुंदर रंगबिरंगी पोशाक व हारा फुलांनी सजलेल्या राउत लोकांचा समुह दिसू लागला. सर्व लोक वाद्यांच्या तालावर नाचत पुढे जात होते.

राउत लोकांच्या प्रधानाच्या हातात मड़ई होती. राउत लोक मड़ईला गावातून फिरवून मिरवून मेळयात घेवून आले होते. मड़ईला जत्रेतील मैदानात मधोमध रूतवून त्याची पूजा करत गेले. राउतांचा नाच वाद्‌य यंत्रांच्या गजरात सुरू होता. आता मेळा पूर्ण गजबजून गेला होता.

पाठ 11

मड़ई–मेला

कंघी	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुश्किल

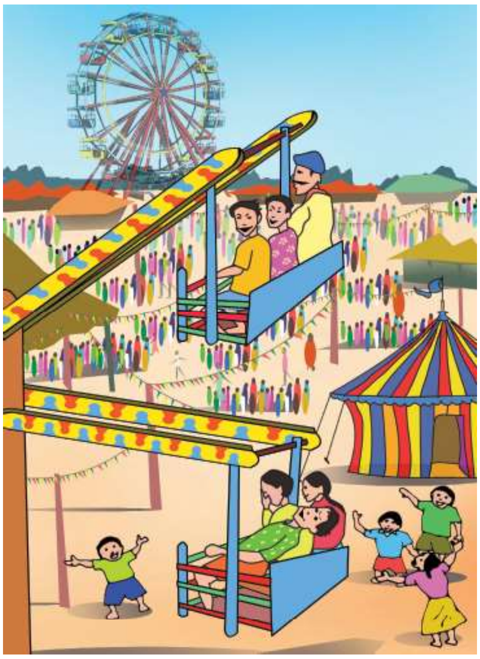

आज हमारे गाँव में मड़ई–मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंघी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी–जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा– ''मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।''

सुंदर रंग–बिरंगी पोशाकों और फूल–मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे–गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।

मेळयात विविध प्रकारची दुकाने होती. रंगीत फुग्यांमुळे मेळयात रंगीत वातावरण तयार झाले होते. मुलांनी गुलगुले, भजे मुरमुऱ्याचे लाडू, शेवचे लाडू विकत घेतले व खाता–खाता फिरू लागले. सुकवारोंनी जिलेबी खाल्ली. समारू ने एक मोठा ऊस विकत घेतला. ऊसाचे तुकडे करून सगळेच ऊस चोखू लागले.

सगळी मुलं खेळण्याच्या दुकानात गेले. सुकवारों नी जहाज, संगीतानी बाहुली, आणि बुधिया नी रेलगाडी विकत घेतली. चैतुनी मोर, मंगल नी कार आणि समारू नी एक मोठा चेंडू घेतला. सर्व मुले फिरून–फिरून सामान विकत घेत होते. शेवटी सगळयांनी वेगवेगळे फुगे विकत घेतले. सर्व मुले एकत्र झाल्यानंतर वापस घराकडे परतले. सर्व मुले खूप आनंदी वाटत होती.

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाल्या शब्दांचे उच्चारण व लिखाणाचा अभ्यास करविणे. कठिण शब्दांचे अर्थ त्यांच्या भाषेत सांगणे. प्रश्नांचा अभ्यास पेंसिलने करविणे, मुलांना आरोह–अवरोहात्मक शिकविणे.

शब्दार्थ

जवळ	= आस–पास	पोशाक	= कपडे, वस्त्र
लाडू	= डाळी किंवा अन्य पिठापासून बनवलेला गोल पदार्थ		
एकत्र	= सोबत		
झूला	= दोरी किंवा लाकडाची वरखाली होणारी वस्तू		
मिरवणूक	= फिरविणे		

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुग्गों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुर्रा लाड़ू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारू एक बड़ा–सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारू ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम–घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह–तरह के फुग्गे खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह–अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

शब्दार्थ

करीब	=	पास	पोशाक	=	पहनने के कपड़े
लाड़ू	=	लड्डू	एकत्र	=	इकट्ठे
रहँचुली	=	एक प्रकार का झूला			
परघाकर	=	पूजा कर, स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहरी बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

स्वाध्याय

1. निम्नांकित शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत लिहा सांगा –

   जवळ, पोशाक, एकत्र , कठिण, झुला

2. दिलेल्या प्रश्नांची उत्तर लिहा –

   क) झूला कशाला म्हणतात ?

   ख) राउतांच्या प्रधानाच्या हातात काय होते ?

   ग) मळयात लोक कशाची पूजा करत होते ?

   घ) राउत लोकांचा पोशाक कसा होता ?

   ड.) मुलांनी मेळयात काय–काय खाल्ले ?

3. दिलेल्या वस्तुंचा रंग कसा असतो ते लिहा –

क) पिकलेलं टमाटर	–	लाल
ख) फळा	–	
ग) कडूलिंबाची पाने	–	
घ) मुळा	–	
ड.) सूर्यफुल	–	

4. खेळण्याच्या या दुकानातून तुम्ही काय–काय विकत घ्याल –

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   करीब, पोशाक, एकत्र, मुश्किल, रहँचुली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

   क. रहँचुली किसे कहते हैं ?

   ख. राउतों के मुखिया के हाथ में क्या था ?

   ग. मेले में लोग किसकी पूजा कर रहे थे ?

   घ. राउत लोगों की पोशाक कैसी थी ?

   ड. बच्चों ने मेले में क्या–क्या खाया ?

3. निम्नलिखित चीजें किस रंग की होती हैं ? लिखो –

क.	पका टमाटर	लाल
ख.	श्यामपट	....
ग.	नीम के पत्ते	....
घ.	मूली	....
ङ	सूरजमुखी का फूल	....

4. खिलौने की इस दुकान से तुम क्या – क्या खरीदोगे –

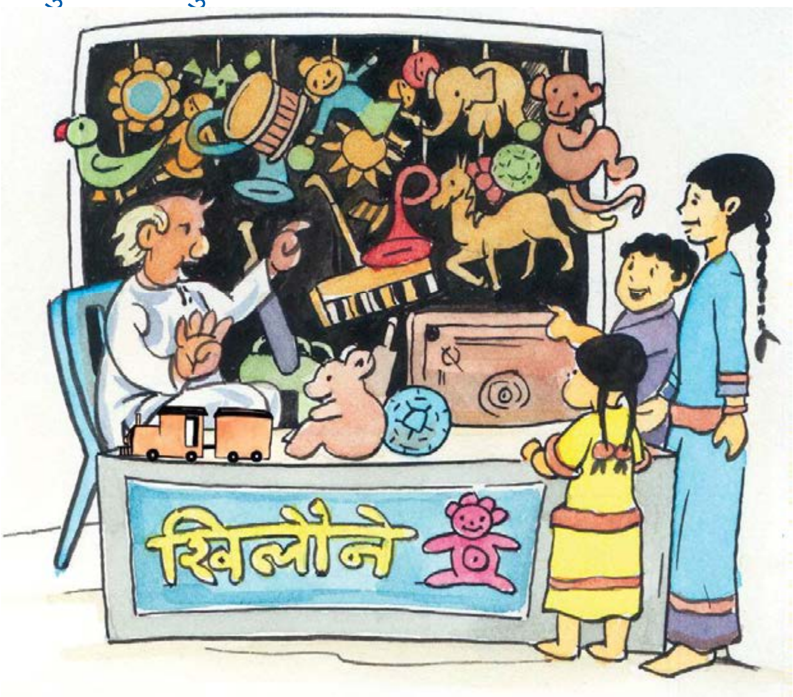

———————————————————————————————————————

———————————————————————————————————————

———————————————————————————

———————————————————————————

5. तुम्ही मड़ई–मेळयात काय–काय बघितले ? लिहा् –

———————————————————————————

———————————————————————————

6. तुमच्या गावात मड़ई मेळा कधी असतो ? त्यात तुम्ही काय–काय करता ?

———————————————————————————

———————————————————————————

6. शब्दांची रेल –

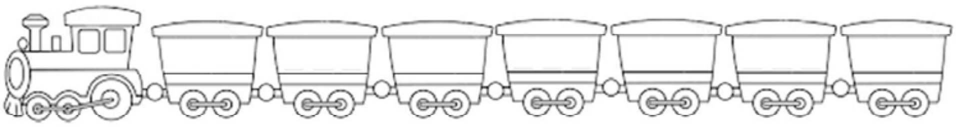

8. 'मी' किंवा 'तुम्ही' जोडून वाक्य बनवा –

क) ....रायपुरला जात आहे.

ख) ....आंघोळ करताय का ?

ग) ....अभ्यास करत आहे.

घ) ....रायपुरला जा.

ड.) ....कुठे चाललात ?

9. तुम्ही जत्रेत गेले असता काय–काय खरेदी कराल ?

10. क्रियाकलाप :–

1) पुठ्ठा, कागद आणि आगपेटीच्या रिकाम्या डब्यांनी झूला बनवा.
2) तुमच्या गाव किंवा शहरातल्या जत्रेचे चित्र वहीत काढा.
3) मड़ई किंवा मेळयात फिरण्याचे तुमचे अनुभव ऐकवा.

5. तुमने मड़ई–मेले में क्या–क्या देखा ? लिखो –

———————————————————————————————

———————————————————————————————

5. तुम्हारे गाँव में मड़ई–मेला कब लगता है ? उसमें तुम क्या – क्या करते हो –

———————————————————————————————

———————————————————————————————

6. शब्दों की रेल –

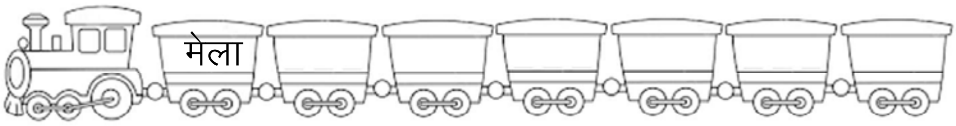

7. 'मैं' या 'तुम' लगाकर वाक्य पूरे करो –

क. ——————— रायपुर जा रहा हूँ।
ख. ——————— नहा रहे हो।
ग. ——————— पढ़ रहा हूँ।
घ. ——————— रायपुर जाओ।
ङ ——————— कहाँ जा रहे हो?

8. तुम मेले में जाते तो क्या–क्या खरीदते ?

9. गतिविधि :–

1. गत्ते, कागज और माचिस की खाली डिबियों से रहँचुली बनाओ।
2. अपने गाँव/शहर के मेले का चित्र कापी में बनाओ।
3. मड़ई/मेले का भ्रमण कर अपना अनुभव सुनाओ।

36JTUA

धडा—12

उंट चालला

उंट,	ओझ,	फसेल,
उंच,	मान,	बाजू

उंट चालला भाई उंट चालला
हालत डूलत उंट चालला
इतके लांब पाय त्याचे
उंच लंबी मान त्याची
उंच मान उंच पाठ,
पाठ उचलून उंट चालला.
वाळू आहे तर असू दया,
ओझे उंटाला वाहू दया.

नाही फसणार वाळूत,
वाळूत पण उंट चालला
जेव्हा थकून बसेल उंट,
कोणत्या बाजूने बसेल उंट?
सांगू शकेल का कोणी भला ?
उंट चालला भाई उंट चालला.

शिक्षण संकेत — कवितेला ताला—सूरात गाणे व मुलांकडून म्हणवून घेणे. अपरिचित शब्दाचे अर्थ त्यांच्या भाषेत सांगणे. बिंदू वाल्या शब्दांचे स्पष्ट उच्चारण करणे.

36TPVX

पाठ 12

ऊँट चला

ऊँट	बोझ	फँसेगा
ऊँचा	गर्दन	करवट

ऊँट चला भई, ऊँट चला
हिलता–डुलता ऊँट चला।

इतनी लंबी टाँगों वाला
ऊँची लंबी गर्दन उसकी।

ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।

बालू है तो होने दो,
बोझ ऊँट को ढोने दो।

नहीं फँसेगा बालू में,
बालू में भी ऊँट चला।

जब थककर बैठेगा ऊँट,
किस करवट बैठेगा ऊँट?

बता सकेगा कौन भला?
ऊँट चला भई, ऊँट चला।

शिक्षण संकेत – कविता को लयपूर्वक गाएँ और बच्चों को दुहराने को बोलें। अपरिचित शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। चंद्रबिंदु वाले शब्दों का उच्चारण करना सिखाएँ।

शब्दार्थ

भाई = भाऊ वाळू = रेती

स्वाध्याय

1.दिलेल्या शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा –

मान, बाजू, उंच

2. दिलेल्या प्रश्नांची उत्तरे लिहा –

क) उंटाची मान कशी असते ?

ख) लांब पाय वाले इतर जनावरे कोण–कोणती आहेत ?

ग) उंट कोणत्या प्रकारच्या जमिनीवर चालू शकतो ?

घ) उंटाच्या पाठीची रचना कशी असते ?

ड.) उंट कुठल्या–कुठल्या कामास येतो ?

च) अश्या जनावरांची नावे सांगा ज्यांच्यावर बसून सवारी करता ?

छ) समजा तुमच्या घरी उंट असता तर तुम्ही त्याच्याकडून कोण कोणते काम करवून घेतले असते ?

3. उंटा पेक्षा उंच व छोट्या वस्तू व जीवांचे (प्राण्यांचे) नाव लिहा –

उंच	छोटे
झाड	ससा
____________	____________
____________	____________

4. चंद्रबिंदू तसेच बिंदू वाले शब्द लिहा –

उदा.– उंच, फुल, ऊन,

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चन्द्रबिन्दू वाला शब्द	बिना चन्द्रबिन्दू वाला शब्द
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________

शब्दार्थ

भई – भाई   बालू – रेत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

गर्दन, करवट, ऊँचा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. ऊँट की गर्दन कैसी होती है?

ख. लंबी टाँगों वाले अन्य जानवर कौन–कौन–से हैं?

ग. ऊँट किस तरह की भूमि में भी चल सकता है?

घ. ऊँट की पीठ की बनावट कैसी होती है?

ड. ऊँट किस काम आता है?

च. सवारी के काम आने वाले जानवरों के नाम बताओ।

छ. यदि तुम्हारे घर ऊँट होता तो उससे तुम क्या–क्या काम लेते?

3. ऊँट से ऊँचे व छोटे चीजों तथा जीवों के नाम लिखो –

ऊँचे	छोटे
पेड़	खरगोश
____________	____________
____________	____________

4. चंद्रबिंदु वाले तथा बिना चंद्रबिंदु वाले शब्दों को छाँटकर अलग–अलग लिखो।

पूँछ, फूल, ऊन, झूठ, ऊँच, ठूँठ, खूँट, छूट, धूप, ऊँट, आँसू।

चंद्रबिंदु वाले शब्द	बिना चंद्रबिंदु वाले शब्द
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________
________, ________	________, ________

5. क्रियाकलाप–

1. उंटा चे चित्र निरनिराळया पत्र–पत्रिकांमधून कापून वेगळे करा व त्याचे एक पोर्टफोलियो बनवा. व उंटाचे चित्र बनवा.–

2. आपल्या गुरूजनांना व मोठयांना विचारून उंटाच्या दोन अशा विशेषता सांगा ज्या उंटाला सगळया जानवरांपेक्षा वेगळेपण देते.

6. 6. झटपट कविता वाचा व मजे घ्या.।

काही उंट उंच
थोडी शेपटी उंच
काही उंच उंटाची
पाठ उंच

'उंच ' शब्द लवकर–लवकर बोलून बघा –

जीभ अडखळते न.

कशी वाटली कविता ? आता या कवितेला

योग्य नाव दया.

वर दिलेल्या जागेत लिहा.

5. गतिविधि :–

1. ऊँट का चित्र पत्र – पत्रिकाओं से काटकर अलग करो और उसे अपने पोर्टफोलियो में लगाओ तथा ऊँट का चित्र बनाओ –

2. अपने बड़ों से या गुरुजी से पूछकर ऊँट की दो ऐसी विशेषताएँ बताओ जो उसे अन्य किसी भी जानवर से अलग करती हैं।

6. झटपट कविता पढ़कर मजा लो ।

कुछ पूँछ ऊँची
कुछ ऊँचे ऊँट की
पीठ ऊँची

''ऊँट'' शब्द जल्दी–जल्दी बोलकर देखो ।

जीभ लड़खड़ा गई न !

कैसी लगी कविता ? अब इस कविता को कोई नाम दो ।

ऊपर दी गई जगह में उसे लिखो।

7. तुमच्या भाषेत काय म्हणतात ते लिहा –

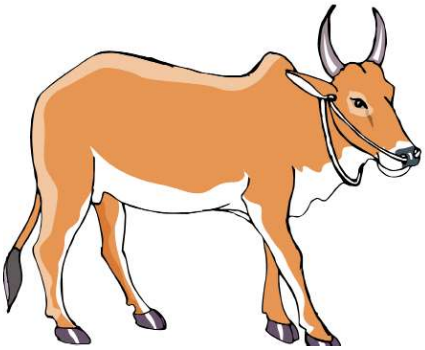

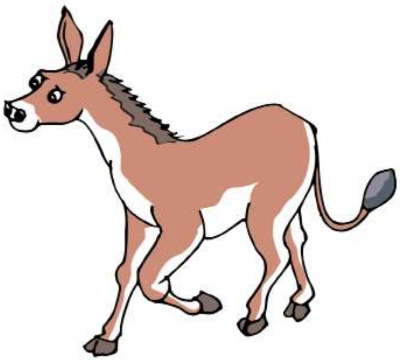

....

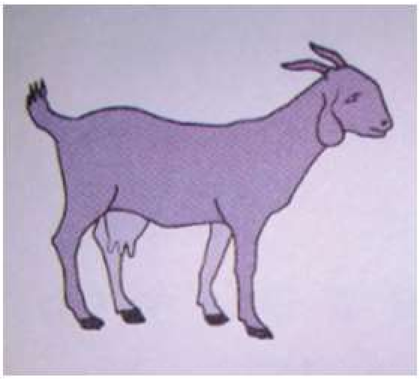

....

....

7. बताओं इन्हें तुम्हारी भाषा में क्या कहते है पहचान कर नाम लिखो–

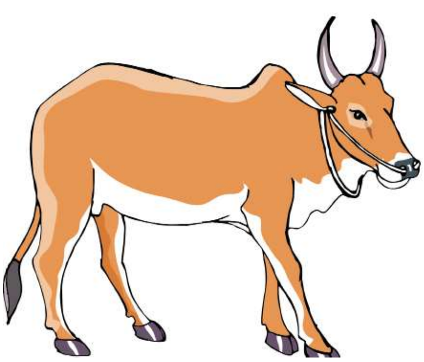

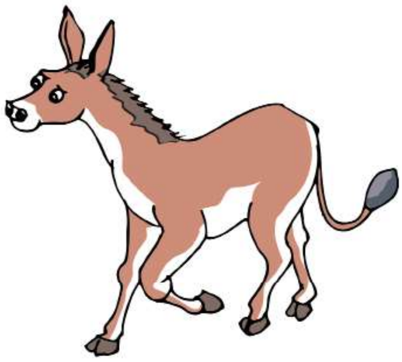

....

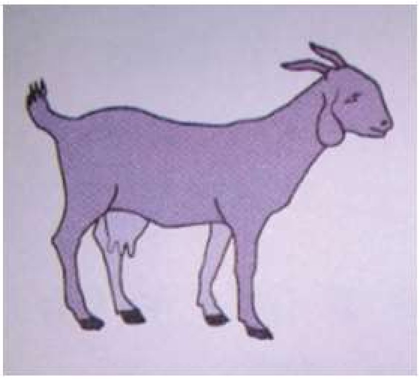

....

....

धडा–13

आली एक बातमी

दिल्ली,	आत,	मच्छर(डास),	माशी,
बंदर(माकड),	अश्रु,	नाकतोडा,	समुद्र

आता बातमी दिल्ली हुन आली,
माशी राणी ने आणली.
नाकतोडयाने हत्तीला मारला,
हत्ती काय करेल बिचारा.

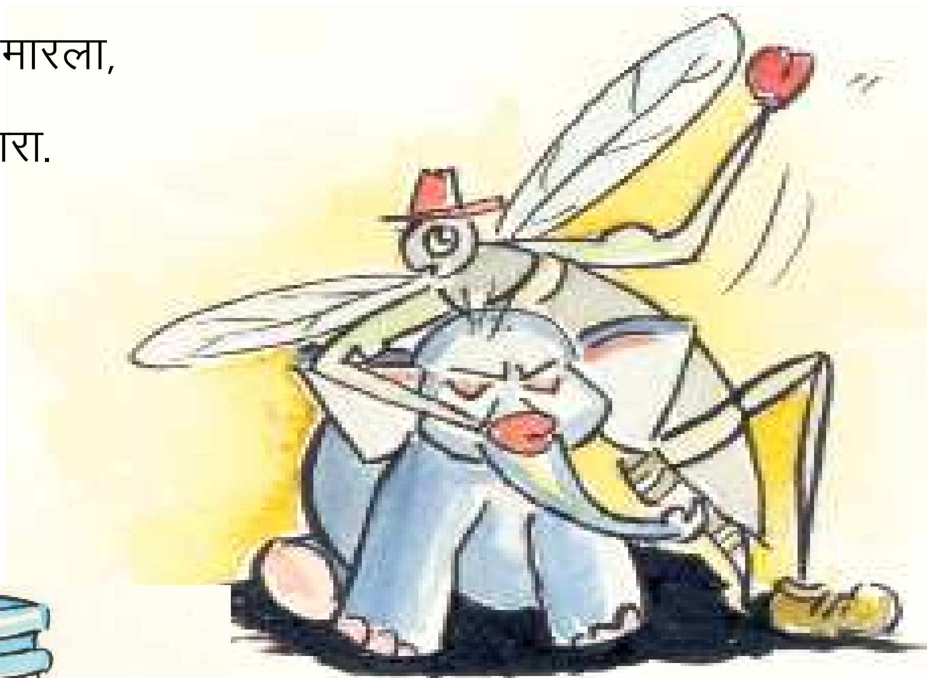

शिरून बसला माठाच्या आत,
मडक्यात होते अडीच माकडं,
त्यांना बघून हत्ती रडला,
रडता रडता मग तो झोपला.

पाठ 13

आई एक खबर

दिल्ली	अंदर	मच्छर	मक्खी
बंदर	आँसू	टिड्डे	समंदर

अभी खबर दिल्ली से आई,
मक्खी रानी उसको लाई।
टिड्डे ने हाथी को मारा,
हाथी क्या करता बेचारा?

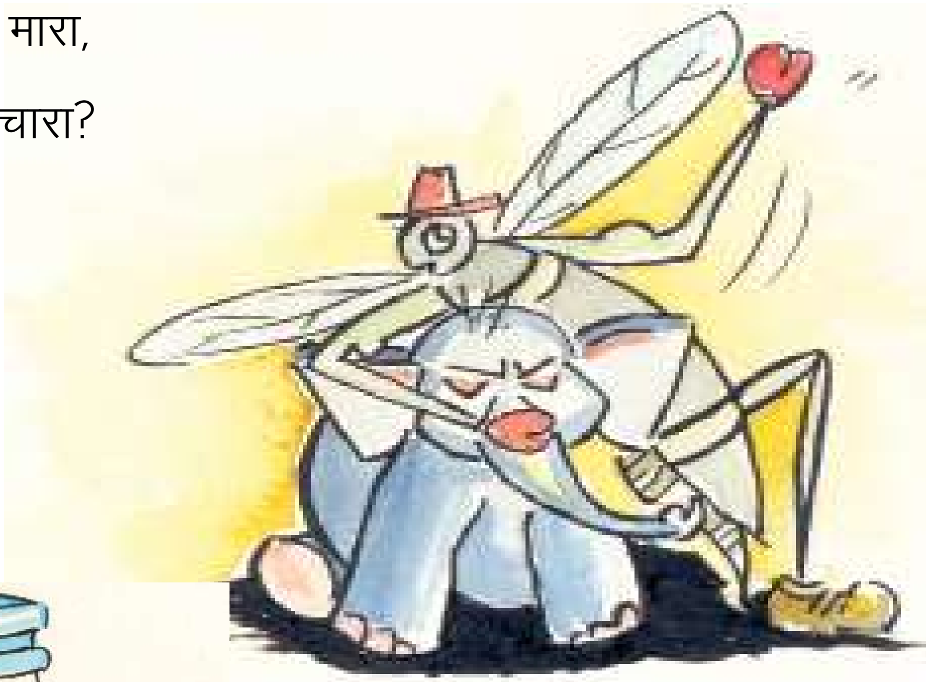

घुस बैठा मटके के अंदर,
मटके में थे ढाई बंदर।
उन्हें देखकर हाथी रोया,
रोते–रोते फिर वह सोया।

थांबल्या नाही अश्रुंच्या धारा,

मडके बनले समुद्र खारा.

बुडू लागले हत्ती माकड़,

अडकले होते जे मडक्याच्या आत.

ऐकून रडणे आला मच्छर,

लात मारली त्याने जबरदस्त.

मडके फुटले वाहिला समुद्र,

निघाले बाहेर सर्व हत्ती माकडं.

शिक्षण संकेत – कविता ताला–सूरात मुलांना पाठ करून म्हणायला सांगणे. संयुक्ताक्षरांचा अभ्यास करविणे. चित्रांचा उपयोग करणे. कठिण शब्दांचे अर्थ त्यांच्या भाषेत सांगा.

रुकी नहीं आँसू की धारा,
मटका बना समंदर खारा।
लगे डूबने हाथी बंदर,
फँसे हुए थे उसके अंदर।

रोना सुनकर आया मच्छर,
लात जमाई उसने कसकर।
मटका फूटा बहा समंदर,
निकल पड़े सब हाथी, बंदर।

शिक्षण संकेत :– कविता का उचित लय के साथ पाठ करें और बच्चों से दुहराने के लिए कहें। संयुक्ताक्षर वाले शब्दों का अभ्यास करवाएँ। पाठ के बाद अनुस्वार – तथा आधे 'न' (न्) को आपस में बदलकर शब्द लिखवाएँ। जैसे – 'अन्दर से अंदर'। चित्रों का उपयोग करें। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

बातमी = समाचार   समुद्र = सागर

अडीच = दोन आणि अर्धा

स्वाध्याय

1. दिलेल्या शब्दांचा अर्थ आपल्या बोली भाषेत सांगा –

   बातमी, समुद्र , अडीच , आत.

2. दिलेल्या प्रश्नांची उत्तरे लिहा –

   क) मडकं किती मोठे असेल ?

   ख) अडीच माकड़ कसे झाले असतील ?

   ग) मड़कं कसं फुटलं ?

3. वाक्यात प्रयोग करा – मडकं, माकड़

4. उदाहरण बघा व असेच काही शब्द लिहा –

   उदाहरण :– धारा, चारा , खारा

   आत –................ ....

   लात – ....

5. तीन अक्षरी शब्दांच्या मधले अक्षर बदलवून नविन शब्द बनवा व लिहा. जसे:– जमाई

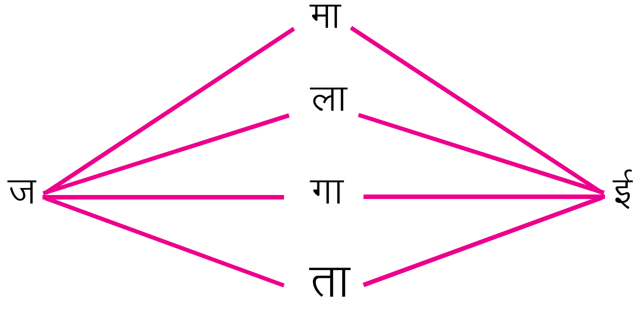

____

____

____

____

शब्दार्थ

खबर = समाचार   समंदर = सागर, समुद्र

ढाई = दो और आधा मिलाकर बनी संख्या

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा/बोली में बताओ –

   खबर, समंदर, ढाई, अंदर

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो –

   क. मटका कितना बड़ा रहा होगा ?

   ख. ढाई बंदर कैसे हुए होंगे ?

   ग. मटका कैसे फूटा ?

3. वाक्यों में प्रयोग करो – मटका, बंदर

4. उदाहरण देखो। ऐसे कुछ और शब्द लिखो।

   उदाहरण – धारा   चारा   खारा

   अंदर ————————, ————————, ————————

   लात ————————, ————————, ————————

5. तीन अक्षर वाले शब्दों के बीच के अक्षरों को बदल–बदलकर नए–नए शब्द बनाओ और लिखो, जैसे– जमाई।

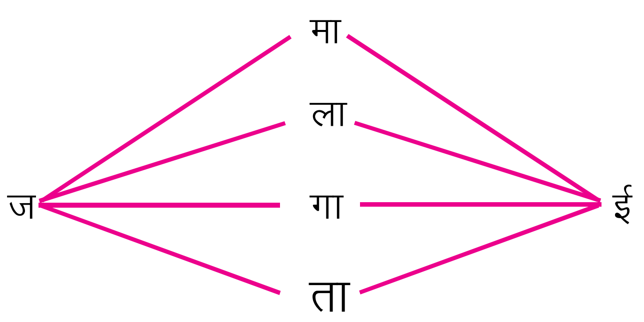

————————

————————

————————

————————

6. कवितेत आलेले संयुक्ताक्षर लिहा –

अश्रु – ————————— I, ————————— I,

————————— I, ————————— I,

7. क्रियाकलाप –

1. माकडा विषयी गोष्ट शोधा व वर्गात अभिनयासह सांगा –
2. तुम्हाला बातम्या कुठून–कुठून कळतात ?
3. तुमच्या गावात घडलेली एखादी घटना सांगा.
4. शिक्षकांनी वर्गात ''आज की बात'' क्रिया करविणे।

6. कविता में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को छाँटकर लिखो।

जैसे– मक्खी, ———————— |, ———————— |,

———————— |, ———————— |,

7. गतिविधि :–

1. बंदर से संबंधित कहानी ढूँढ़ो और कक्षा में अभिनय करो ।
2. तुम्हें खबरें कहाँ–कहाँ से मिलती हैं ।
3. अपने गाँव में हुई किसी घटना की खबर सुनाओ ।
4. शिक्षक कक्षा में ''आज की बात'' गतिविधि करवाएँ ।

37LD1V

धडा–14

उंदराला मिळाली पेंसिल

पेंसिल, शोधणे, शेवटची, विचित्र

एकदा उंदीर खाण्यासाठी काहीतरी शोधत होता.

1

त्याला एक पेंसिल मिळाली. उंदीर पेंसिल घेवून उलट–सुलट करून बघू लागला.

2

''मला सोड़ा, मला जाऊ दया. पेंसिल उंदराला विणवण्या करू लागली. '' मी तुझ्या काय कामाची. लाकडाचा तुकडा आहे मी. खायला पण चांगली नाही वाटणार.''

3

''मी तुला कुरतडणार'', उंदराने म्हटले.

''मला माझे दात तीक्ष्ण आणि छोटे ठेवण्यासाठी नेहमी काही ना काही कुरतडावे लागते.'' आणि उंदराने पेंसिल कुरतडायला सुरवात केली

''आई ग! मला दुखतय. तु मला एक शेवटच चित्र काढू दे, मग तुला जे करायचे ते कर.

4

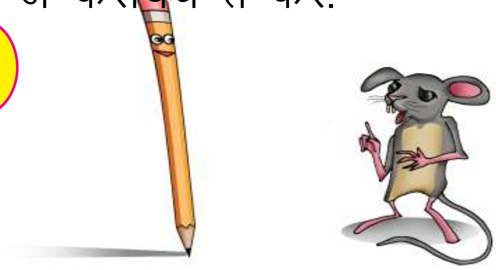

''ठिक आहे,'' उंदराने म्हटले. तु चित्र काढून घे, मग मी चावून तुझे टुकडे–टुकडे करेन.

पाठ 14

चूहे को मिली पेंसिल

पेंसिल	ढूँढ़	आखिरी	अजीब

एक बार एक चूहा खाने के लिए कुछ ढूँढ़ रहा था।

1

उसे एक पेंसिल मिली। चूहा पेंसिल लेकर उसे उलट–पलट कर देखने लगा।

2

''मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो'', पेंसिल चूहे से गिड़गिड़ाकर बोली, ''मैं तुम्हारे किस काम की हूँ, लकड़ी का टुकड़ा हूँ। खाने में भी अच्छी नहीं लगूँगी।''

3

''मैं तुम्हें कुतरूँगा,'' चूहे ने कहा।

''मुझे अपने दाँत पैने और छोटे रखने के लिए हमेशा कुछ–न–कुछ कुत. रना पड़ता है।'' और चूहे ने पेंसिल कुतरना शुरू कर दिया।

''उई! मुझे दर्द हो रहा है। तुम मुझे आखिरी चित्र बना लेने दो, फिर तुम चाहे जो करना।''

4

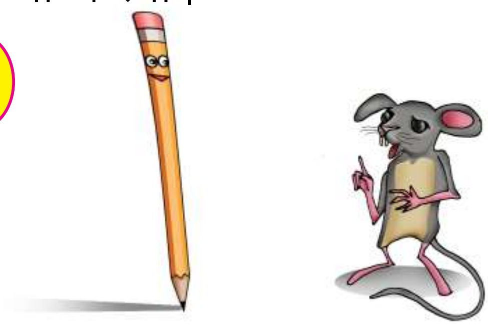

''ठीक है,'' चूहे ने कहा। ''तुम चित्र बना लो; फिर मैं चबाकर तुम्हारे टुकड़े–टुकड़े कर दूँगा।''

पेंसिल ने एक श्वास घेतला. मग तीने एक मोठा गोल बनवला.

5

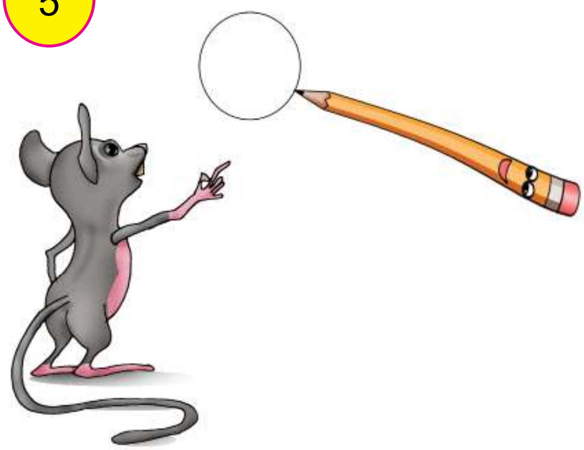

''हा काय पनीर चा तुकडा आहे?'' उंदराने विचारले.

''हो आपण याला पनीरच समजू'' पेंसिल नी म्हटले.

(6)

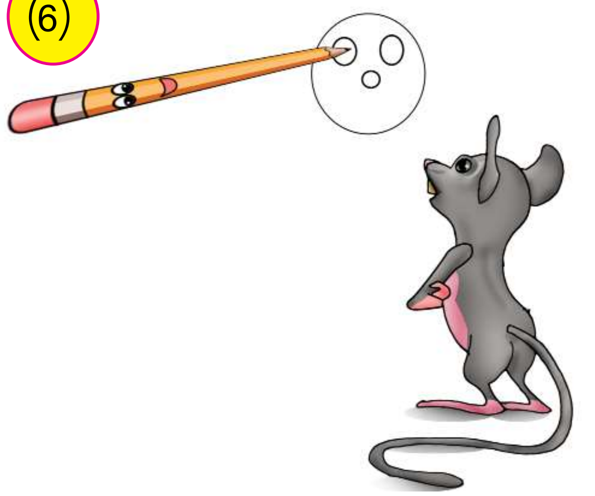

मग पेंसिल नी मोठया गोळयात तीन छोटे गोल बनविले.

''हो, आता हे पनीरच वाटतय''. उंदराने म्हटलं. याच्यात तर छिद्र दिसत आहेत.''

7

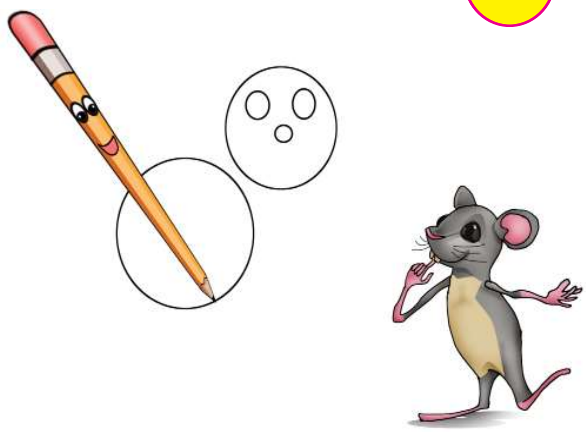

''चल आपण यांना पनीर मधील छिद्र म्हणू.'' पेंसिल नी मानल व तीने मोठया गोल खाली अजून एक मोठा गोल बनवला.

''अरे हे तर सेब आहे,'' उंदीर खुश झाला. ''हो याला सेबच समजा'', पेंसिल म्हणाली.

8

पेंसिल मग दुसऱ्या मोठया गोला जवळ काही विचित्र चित्र बनवू लागली.

पेंसिल ने ठंडी साँस ली। फिर उसने एक बड़ा–सा गोला बना दिया।

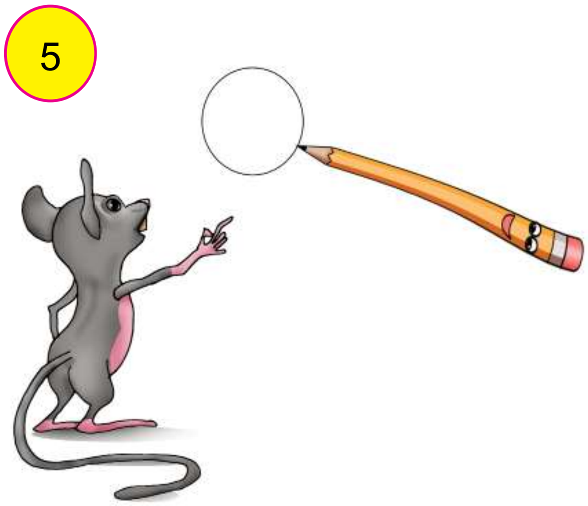

''यह क्या पनीर का टुकड़ा है?'' चूहे ने पूछा।

''हाँ, हम इसे पनीर ही कहेंगे'' पें. सिल ने कहा।

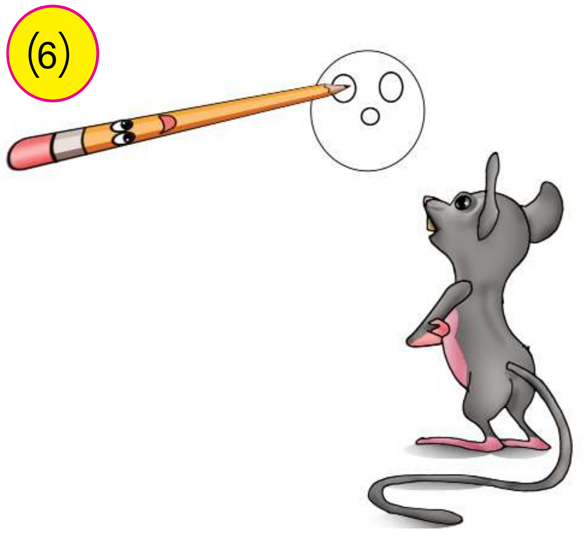

फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर तीन छोटे गोले बना दिए।

''हाँ, अब यह पनीर ही लग रहा है।'' चूहे ने कहा। ''इसमें तो छेद नजर आ रहे हैं।''

''चलो, हम इन्हें पनीर में छेद बोले. गे।'' पेंसिल ने मान लिया और उसने बड़े गोले के नीचे एक और बड़ा गोला बनाया।

''अरे, यह तो सेब है,'' चूहा चहका। ''हाँ, इसे सेब कह लेते हैं,'' पेंसिल ने कहा।

पेंसिल फिर दूसरे बड़े गोले के पास कुछ अजीब–से चित्र बनाने लगी।

''अरे वा! आता तर मजाच आली. हे तर चमचम आहे''.

9

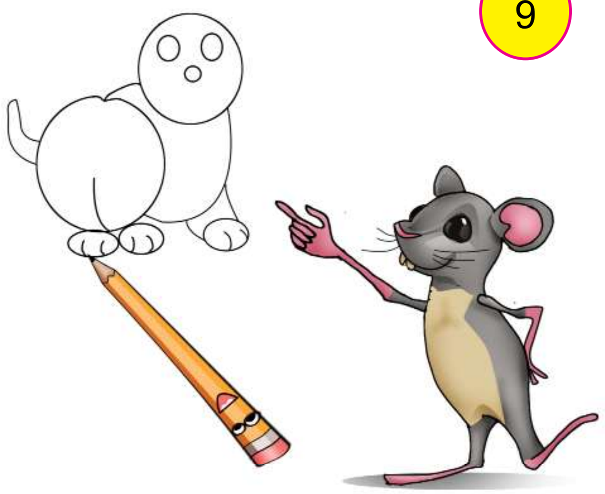

उंदराच्या तोंडाला पाणी सुटलं. ''लवकर कर! मला खायचं आहे.''

पेंसिल नी वरच्या गोलावर दोन छोटे त्रिकोण बनवले.

10

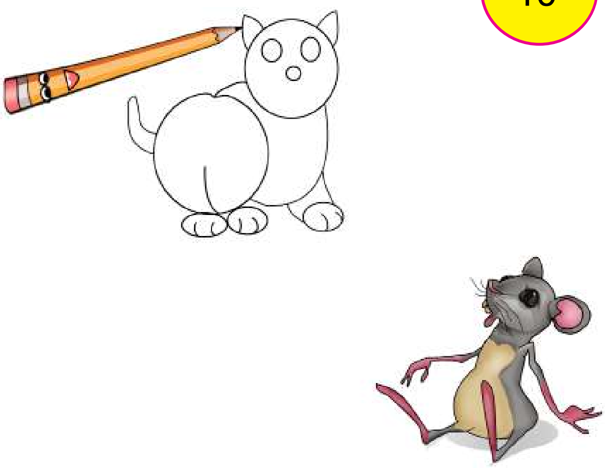

''अरे, अरे'' उंदीर ओरडला. ''आता तर तु हे चित्र मांजरी सारखे बनवत आहेस. आता पुढे नको काढू.''

पण पेंसिल बनवतच गेली. तीने वरच्या गोळयात लांब लांब मिश्या व तोंड बनवलं.

11

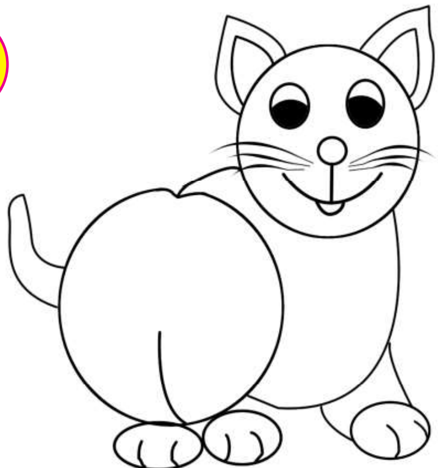

उंदीर घाबरून ओरडला, ''अरे, बापरे!'' ही तर बिलकुल खरी मांजर वाटत आहे. वाचवा.''

असे म्हणून तो पळत आपल्या बिळात लपला.

12

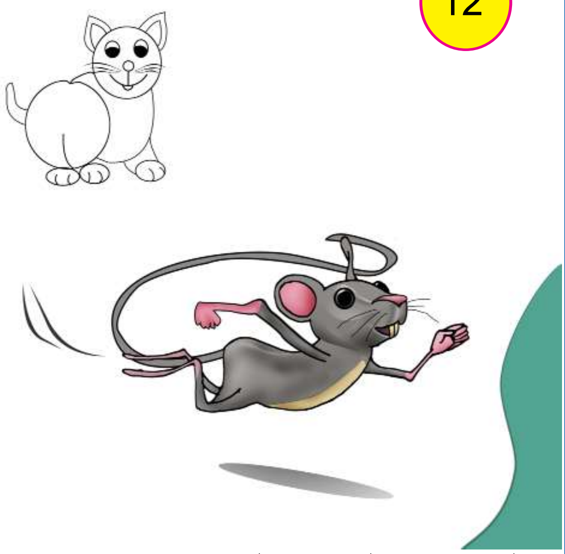

काय तुम्ही पण असे एखादे मांजरीचे चित्र काढू शकता, जे बघून उंदीर घाबरेल ?

9

''अरे, वाह! अब तो मजा ही आ गया। यह तो चमचम है।''

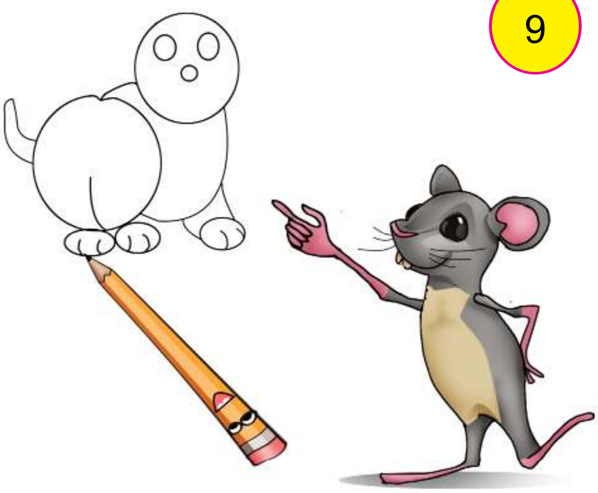

चूहे के मुँह में पानी आने लगा। ''जल्दी करो! मुझे खाना है।''

10

पेंसिल ने ऊपरवाले गोले के ऊपर दो छोटे तिकोन बना दिए।

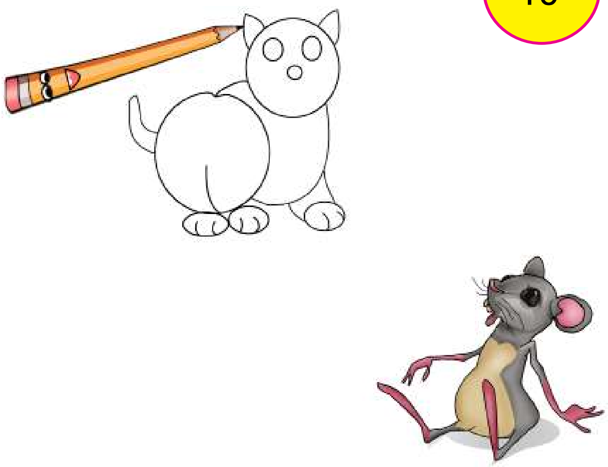

''अरे, अरे'' चूहा चीखा। ''अब तो तुम उसे बिल्ली की तरह बनाने लगीं। और आगे मत बनाओ।''

11

लेकिन पेंसिल बनाती गई। उसने ऊपर के गोले पर लम्बी–लम्बी मूँछें और मुँह बनाया।

चूहा डरकर चिल्लाया, ''अरे, बाप रे! यह तो बिल्कुल असली बिल्ली लग रही है। बचाओ।''

12

ऐसा कहकर वह भागकर अपने बिल के अंदर घुस गया।

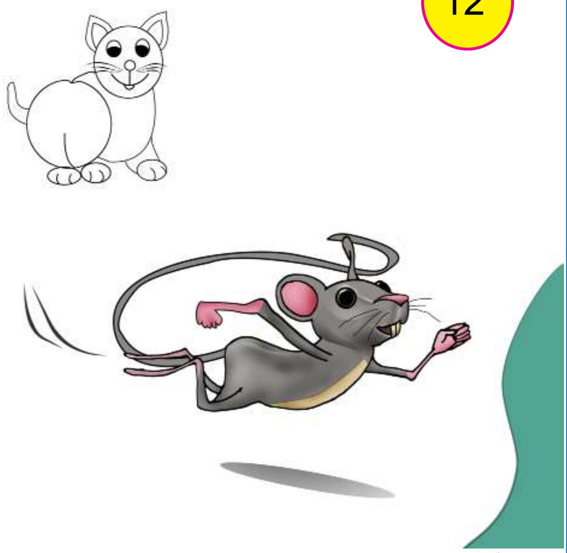

क्या तुम भी एक बिल्ली का ऐसा चित्र बना सकते हो, जिसे देखकर चूहा डर जाए?

शिक्षण संकेत :– मुलांना ही चित्र कथा गटांमध्ये वाचू दया. मुलांसह मांजर व उंदरा विषयी चर्चा करा. मिकी माउस विषयी मुलांना माहिती दया व घ्या. त्यांचे चित्र दाखवा. पाळीव पशुंविषयी सांगून नावे लिहून घ्यावी. पाठातील कठिण शब्द त्यांच्या बोली भाषेत सांगणे.

शब्दार्थ

विणवणी = हात जोडणे

श्वास घेणे = सुटका झाली समजणे

शेवटचे = अंतीम

विचित्र = आगळे वेगळे

पनीर = दुध नासवून केलेला पदार्थ

चमचम = दुधाचाच एक पदार्थ

त्रिकोण = तीन बाजू असलेले

धावणे = पळणे

तीक्ष्ण = धारदार

दु:ख = त्रास

स्वाध्याय

1. दिलेल्या शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा–

कुरतडणे, विचित्र, तीक्ष्ण, दु:ख, पनीर

2. दिलेल्या प्रश्नांची उत्तरे लिहा –

क) उंदीर पेंसिल का कुरतडणार होता ?

ख) मोठा गोल उंदराला कसा भासला ?

ग) चमचम म्हणजे काय ?

घ) पेंसिल नी कोणाचे चित्र काढले ?

ड.) चित्र बघुन उंदरानी काय केलं ?

3. उंदीर व मांजरावर नव–नविन कविता ऐकवा.

4. योग्य उत्तर शोधून रिकाम्या जागा भरा –

(कुरतडायला, पळून, ओरडला, तीन)

क) उंदीर .... दुसऱ्या बिळात गेला.

ख) उंदरानी पेंसिल .... सुरूवात केली.

शिक्षण संकेत :– चित्र–कथा को बच्चों को समूह में पढ़ने दें। बच्चों से चूहे–बिल्ली की आदतों पर चर्चा करवाएँ। मिकी माउस के बारे में बच्चों को जानकारी दें/लें, उसका चित्र प्रदर्शित करें। घरेलू, पालतू–पशुओं और जीवों के नाम लिखवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

गिड़गिड़ाना = विनती करना   तिकोन = तीन कोनेवाला

ठंडी साँस लेना = राहत पाना   भागकर = दौड़कर

आखिरी = अंतिम   पैने = नुकीले, धारदार

अजीब = विचित्र   दर्द = पीड़ा

कुतरना = दाँत से काटना

पनीर = दूध फाड़कर बनाया गया एक पदार्थ

चमचम = दूध या छेने से बनी मिठाई

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   कुतरना, अजीब, पैने, दर्द, पनीर

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

   क. चूहा पेंसिल क्यों कुतरना चाहता था?

   ख. बड़ा–सा गोला चूहे को कैसा दिखाई पड़ा?

   ग. चमचम क्या होता है?

   घ. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया?

   ङ चित्र देखकर चूहे ने क्या किया?

3. चूहे अथवा बिल्ली पर कोई कविता याद हो तो सुनाओ।
4. सही शब्द छाँटकर खाली स्थान भरो –

   (कुतरना, भागकर, चिल्लाया, आखिरी, तीन)

   क. चूहा ––––––––––––––––– दूसरे बिल में घुस गया।

   ख. चूहे ने पेंसिल –––––––––––– शुरू कर दिया।

ग) पेंसिल मे म्हटले,– ''मला एक .... चित्र काढू दे.

घ) मग पेंसिल ने मोठया गोळयात .... छोटे गोळे बनविले.

ड.) उंदीर घाबरून .... ''अरे बाप रे''.

5. शब्दांचा खेळ।

ता ज म ह ल

वर दिलेल्या ताजमहल शब्दाच्या वर्णापासून काही नविन शब्द बनले आहेत. जसे– ताज , महल, लता, ताल, मल. त्याच प्रमाणे खाली दिलेल्या शब्दा पासून नविन शब्द बनवा.–

क म ल क क ड़ी

6. वाचून समजा –

क) मांजर	–	मांजर	उंदीर	–	उंदीर
घोड़ा	–	घोडी	म्हैसा	–	म्हैस
बकरा	–	बकरी	गाय	–	बैल
ख) माझा	–	माझी	माझे		
आमचं	–	आमची	आमचे		
तुमचं	–	तुमची	तुमचे		

7. रंगीत कागदाचे चिटोरे करून उंदराच्या चित्रात चिपकवा–

ग. पेंसिल ने कहा,– "मुझे एक ———————— चित्र बना लेने दो।"

घ. फिर पेंसिल ने बड़े गोले के अंदर ——————— छोटे गोले बना दिए।

ङ. चूहा डरकर ——————————, "अरे बाप रे!"

5. शब्दों का खेल।

ता ज म ह ल

ऊपर दिए गए ताजमहल शब्द के वर्णों से कुछ नये शब्द बने हैं जैसे –

ताज, महल, लता, हल, ताल, मल

इसी तरह नीचे लिखे शब्द में से तुम भी कुछ शब्द बनाओं –

क म ल क क ड़ी

6. पढ़ो और समझो।

क.	बिल्ला	–	बिल्ली	चूहा	–	चुहिया
	घोड़ा	–	घोड़ी	भैंसा	–	भैंस
	बकरा	–	बकरी	गाय	–	बैल

ख.	मेरा	मेरी	मेरे
	हमारा	हमारी	हमारे
	तुम्हारा	तुम्हारी	तुम्हारे

7. रंग – बिरंगे कागज के टुकड़े करके चूहे के चित्र में चिपकाओ।

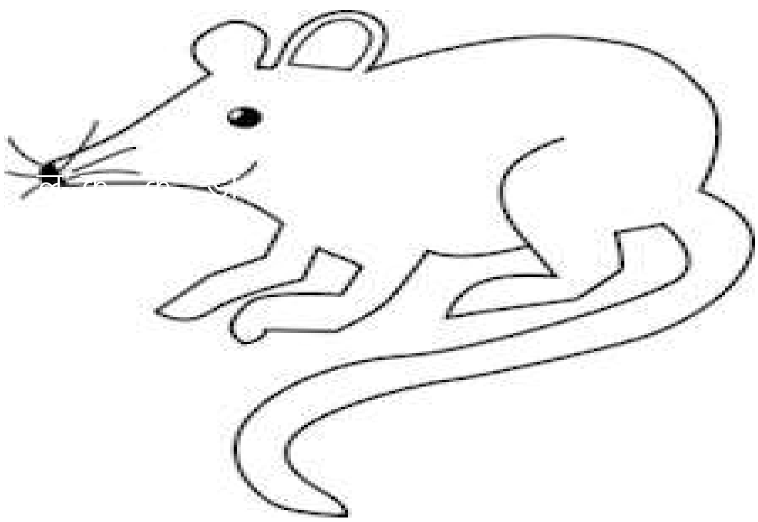

385556

धडा–15

सूर्य प्रकाश

कण, पर्वत, आंगण, पक्षी, पान, पंख, डोंगर

सरली रात्र झाला उजेड
घरात अंगणात उतरला सूर्यप्रकाश.
कणा–कणात, पानापानावर
हासत खेळत पसरला सूर्यप्रकाश.
डोंगराच्या माथ्यावर उसळला
झऱ्यांच्या संगे खेळला सूर्यप्रकाश.
सागराच्या लाटेवर उसळला
सगळयांचा बनला मित्र सूर्यप्रकाश.

पक्षांच्या पंखावर चमकला
फुलांवर फिरला सूर्यप्रकाश.
धरणीच्या काना– कोपऱ्यात
दिसू लागला सूर्यप्रकाश.

शिक्षण संकेत :– शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति–गति, लय तथा हाव–भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकालवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें। पाठ के अनुकरण वाचन की आवृति 4–5 बार हो। शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

बीती = संपलेली,सरलेली। पंछी = पक्षी। सहेली = मैत्रिण।
पर्वत = डोंगर। कण = छोटा दाना।

38E16T

पाठ 15

धूप

कण	पर्वत	आँगन	पंछी	पत्ते	पंख

बीती रात हुआ उजियारा
घर–आँगन में उतरी धूप।
    कण–कण में, पत्ते–पत्ते पर
    हँसती–गाती बिखरी धूप।
पर्वत की चोटी पर उछली
झरनों के सँग खेली धूप।
    सागर की लहरों पर नाची
    सबकी बनी सहेली धूप।

पंछी के पंखों पर चमकी
फूलों पर लहराई धूप।
    धरती के कोने–कोने तक
    देने लगी दिखाई धूप।

शिक्षण संकेत :– शिक्षक कविता का वाचन सस्वर, उचित यति–गति, लय तथा हाव–भाव के साथ करें और बच्चों से दुहराने को कहें। सूरज के साथ प्राकृतिक दृश्यों वाले चित्र का उपयोग कर पाठ को पढ़ाएँ। कठिन शब्दों को पूछकर बच्चों से ही उनके अर्थ निकलवाने का प्रयास करें। यथा अनुसार विलोम शब्द, वाक्य प्रयोग इत्यादि द्वारा उनकी सहायता भी करें। पाठ के अनुकरण वाचन की आवृति 4–5 बार हो। शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

बीती = समाप्त हुई। पंछी = चिड़िया। सहेली = सखी, मित्र।
पर्वत = पहाड़। कण = बहुत छोटा टुकड़ा

स्वाध्याय

1. दिलेल्या शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा –

   पक्षी, मित्र, डोंगर

2. दिलेल्या प्रश्नांची उत्तरे आपल्या भाषेत लिहा –

   क) रात्र सरल्यावर काय झाले ?

   ख) डोंगराच्या माथ्यावर काय उसळली ?

   ग) पक्षांचे पंख कसे चमकले ?

   घ) कोण सगळयांचा मित्र बनला ?

3. कवितेच्या ओळी पूर्ण करा –

   क) सरली रात्र झाला ....

   ख) झऱ्यासंगे ....

   ग) .... लाटांवर नाचला.

   घ) धरणी च्या काना कोपऱ्यात दिसू लागला.

4. धडयात आलेले जोड–अक्षर शोधून लिहा –

   जसे – घर–आंगण ....

5. विरूद्धार्थी शब्दांना लक्षपूर्वक वाचा

सकाळ	–	संध्याकाळ	उतरणे	–	चढणे
नविन	–	जूने	आली	–	गेली
ऊन	–	सावली	हसणे	–	रडणे

6. चा, ची, चे लावून शब्द बनवा व वाचा –

	चा	ची	चे	
त्या	त्याचा	त्याची	————	————
कोण	————	————	————	————
सगळे	————	————	————	————

7. क्रियाकलाप –

   1. सूर्य, चिमणी, आणि फुल चित्र बनवा.
   2. नैसर्गिक चित्र काढून आपल्या पोर्टफोलियो मधे लावा.

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –
   पंछी, सहेली, पर्वत
2. इन प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –
   क. रात बीतने पर क्या हुआ ?
   ख. पर्वत की चोटी पर क्या उछली ?
   ग. पंछी के पंख कैसे चमके ?
   घ. कौन सबकी सहेली बन गई है ?
3. कविता की पंक्तियों को पूरा करो।
   क. बीती रात हुआ ——————————————————
   ख. झरनों के संग ——————————————————
   ग. ——————————— की लहरों पर नाची।
   घ. धरती के कोने–कोने तक ——————————————
4. पाठ में आए जोड़े वाले शब्द छाँटकर लिखो, जैसे– घर–आँगन
   ————————————————
   ————————————————
5. उल्टे अर्थ वाले शब्दों को ध्यान से पढ़ो।

सुबह	–	शाम	उतरी	–	चढ़ी
नई	–	पुरानी	आई	–	गई
धूप	–	छाँव	हँसना	–	रोना

6. का, की, के, को मिलाकर शब्द बनाओ और पढ़ो।

	का	की	के	को
उस	उसका	उसकी	————	————
किस	————	————	————	————
सब	————	————	————	————

गतिविधि :–

1. सूरज, चिड़िया और फूल के चित्र बनाओ।
2. किसी प्राकृतिक दृश्य का चित्र बनाकर अपने पोर्टफोलियो में लगाओ।

38HW8G

धडा–16

छोटे–छोटे पाऊल

पाऊल, खूप, सुंदर

छोटे–छोटे पाऊल आमचे,
पुढे जात राहायचे.
अभ्यास कधी न सोडणार आम्ही
दररोज शिकायला जाणारच
छोटे–छोटे हात आमचे,
गड्ढे खूप खोदणार,
त्या गड्ढयांमध्ये विविध सुंदर
झाडे खूप लावणार.

घर–आंगण स्वच्छ ठेवणार,
रस्ते साफ करणार
आम्हाला कसे जगायचे आहे?
तसे आम्ही जगून दाखवणार.

शिक्षण–संकेत – मुलांना कविता तालासुरात म्हणायला प्रोत्साहित करणे. वे. गवेगळया चालीनी पण म्हणू शकता. मुलांना कामाचे महत्व सांगून कोणतेच कार्य छोटे नसते. मेहनतीचे (कष्टाचे) महत्व समजाविणे. जे कार्य हातात घेतले आहे ते पूर्ण करणे. कठिण शब्दांचा अर्थ त्यांना समजावून सांगणे.

पाठ 16

छोटे–छोटे कदम

कदम, खूब, सुंदर

छोटे–छोटे कदम हमारे,
आगे बढ़ते जाएँगे।
पढ़ना कभी न छोड़ेंगे,
हर दिन पढ़ने जाएँगे।

छोटे–छोटे हाथ हमारे,
गड्ढे खूब बनाएँगे।
इन गड्ढों में अच्छे, सुंदर,
पौधे खूब लगाएँगे।

घर–आँगन को साफ रखेंगे,
गलियाँ साफ बनाएँगे।
कैसे जीना हमें चाहिए,
जीकर हम दिखलाएँगे।

शिक्षण–संकेत – बच्चों को लय के साथ कविता पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। वे अपनी अलग लय के साथ भी पढ़ सकते हैं। बच्चों को बताएँ कि कोई भी कार्य छोटा नहीं होता। उन्हें यह भी बताएँ कि मेहनत करने से कभी घबराना नहीं चाहिए, जो काम हाथ में लें उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहिए। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

पाऊल	= पाय	खूप	= पुष्कळ

स्वाध्याय

1. दिलेल्या शब्दांचा अर्थ आपल्या भाषेत सांगा –

   पाऊल, आंगण, मेहनत, घाबरणे

2. दिलेल्या प्रश्नांची उत्तरे लिहा –

   क) अभ्यास का महत्वाचा आहे ?

   ख) झाडांपासून आम्हाला काय फायदा होतो ?

   ग) घर, रस्ते, शाळा या सर्व ठिकाणी स्वच्छता का आवश्यक आहे ?

   घ) कवितेत कशाचे महत्व सांगितले आहे ?

3. दिलेल्या शब्दांपासून एक–एक वाक्य तयार करा –

   मेहनत, फुल, गड्ढे, आंगन

4. वाचा –समजा लिहा –

रस्ता –	रस्ते	झाड़	– झाडे
कळी	–	बैल	–
सखी	–	घर	–
चक्की	–	दिवस	–

5. आपल्या विषयी लिहा –

6. वाचा व समजा –

जाणे	–मी जात आहे., तुम्ही जात आहात. तो जात आहे.
वाचणे	–मी वाचत आहे., तुम्ही वाचत आहात., तो वाचत
आहे	–
हसणे	–
बघणे	–

शब्दार्थ

कदम = पग, खूब = बहुत

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ–

   कदम, आँगन, मेहनत, घबराना

2. इन प्रश्नों के उत्तर बताओ –

   क. पढ़ना क्यों जरूरी है?
   ख. पेड़–पौधों से हमें क्या लाभ हैं?
   ग. घर, सड़क, स्कूल सभी जगह सफाई क्यों जरूरी है?
   घ. कविता में किसके बारे में बात कही गई है?

3. निम्नलिखित शब्दों से एक–एक वाक्य बनाकर बोलो –

   मेहनत, फूल, गड्ढा, आँगन

4. पढ़ो, समझो और लिखो –

गली	– गलियाँ	पेड़	– पेड़ों
कली	–	बैल	–
सखी	–	घर	–
चक्की	–	दिन	–

5. अपने बारे में लिखो –

6. पढ़ो और समझो –

जाना –	मैं जाता हूँ।	तुम जाते हो।	वह जाता है।
पढ़ना –	मैं पढ़ता हूँ।	तुम पढ़ते हो।	वह पढ़ता है।
लिखना –	....	....	....
हँसना –	....	....	....
देखना –	....	....	....

7. कवितेत ज्या शब्दांमध्ये प, ख, र, स यांचा वापर झाला आहे असे शब्द लिहा –

....

8. आपल्या शाळेविषयी लिहा–

....

7. पाठ में जिन शब्दों में क, ह, ग, का उपयोग हुआ है, उन्हें लिखो– जैसे –

क – कदम, ———————— ————————

ह – हम, ———————— ————————

ग – गलियाँ, ———————— ————————

8. अपने स्कूल के बारे में लिखो।

396NBR

धडा –17

चित्रकोट धबधबा

मोहित करणारा,	धबधबा,	संगीत,
अस्त होणे,	बैठक खोली,	आनंद

ऋचा आणि रजनीश सुट्टी मध्ये बस्तर फिरायला आले आहेत. त्यांचे मामा जगदलपुर ला राहातात. मामांच्या बैठक खोलीत, चित्रकोट धबधब्याचे एक खूप मोठे चित्र लटकवले होते. रजनीश ने मामांना विचारले, ''मामा अहो! धबधब्याचे हे चित्र कुठले आहे''.

मामा ने म्हटलं – ''अरे! हे चित्र तर बस्तर मध्ये असलेल्या धबधब्याचे आहे. आम्ही तुम्हाला उदया हा धबधबा दाखवायला घेवून जाऊ.

दूसऱ्या दिवशी मामा किराया ने जीप घेवून आले. सगळे लोक तयार होवून बसले होते. लवकरच सगळे जीप मध्ये बसले. चित्रकोट जगदलपुर पासून साधारण ातः 40 किलोमीटर दूर आहे. जीप 1 तासात चित्रकोट ला पोहोचली. धबधबा आता अगदी त्यांच्या समोर होता.

साधारण 30 मीटर (100 फीट) उंचावरून इंद्रावती नदी इथे पडते. पाण्याचा प्रवाह इथे दुधासारखा दिसत होता. जिथे धारा खाली पडत होत्या, तेथून धूर निघाल्या सारखे भासत होते पाणी पडण्याचा जो आवाज होत होता त्याने संगीताचा आनंद येत होता. हवे मुळे पाण्याचे छोटे–छोटे थेंब खूप आनंद देत होते.

आता प्रत्येकजण मामा बरोबर खाली आले. येथून धबधबा आणखीन मोहक दिसत होता. प्रत्येकजण जावून एका खडकावर बसले. सगळयांनी तिथेच बसून जेवण केलं. ते सगळे तिथेच बसून प्रवाहाचा आनंद घेत होते. सूर्य आता अस्त होणारच होता. मामांनी म्हटले, ''इथून निघण्याची तर कोणाचीच इच्छा नाही होत आहे, पण आपल्याला निघावं लागेल. मामांची आज्ञा होती.

पाठ 17

चित्रकोट जलप्रपात

मनोरम	जलप्रपात	संगीत
अस्त होना	बैठक कक्ष	आनंद

ऋचा और रजनीश छुट्टियों में बस्तर घूमने आए हैं। इनके मामा जगदलपुर में रहते हैं। मामा की बैठक कक्ष में चित्रकोट जलप्रपात का एक बहुत बड़ा चित्र टँगा था। रजनीश ने मामा से पूछा, ''मामा जी! प्रपात का यह चित्र कहाँ का है?''

मामा ने कहा – ''अरे! यह चित्र तो बस्तर के ही जलप्रपात का है। हम तुम्हें कल यह प्रपात दिखाने ले चलेंगे।''

दूसरे दिन मामा किराए की जीप लेकर आ गए। सभी लोग तैयार होकर बैठे थे। जल्दी ही सब जीप में सवार हो गए। चित्रकोट जगदलपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। जीप 1 घंटे में चित्रकोट पहुँच गई। जलप्रपात अब उनके सामने था।

लगभग 30 मीटर (100 फीट) की ऊँचाई से इन्द्रावती नदी यहाँ गिरती है। जलधारा यहाँ दूध की तरह दिखाई दे रही थी। नीचे जहाँ ध ारा गिर रही थी, वहाँ से धुआँ–सा उठता दिखाई दे रहा था। पानी के गिरने से जो शोर हो रहा था, वह संगीत का आनंद दे रहा था। हवा के कारण जल की नन्ही–नन्ही बूँदें बड़ा आनंद दे रहीं थीं।

अब मामा के साथ सब लोग नीचे की तरफ आ गए। यहाँ से जलप्रपात और भी मनोरम लग रहा था। सभी लोग जाकर एक चट्टान पर बैठ गए। सबने वहीं बैठकर खाना खाया। वे सब वहीं बैठे–बैठे प्रपात का आनंद लेते रहे।

सूर्य अब अस्त होने ही वाला था। मामा ने कहा, ''यहाँ से हटने का जी तो किसी का नहीं है, पर अब हमें चलना चाहिए। मामा की आज्ञा थी।

चित्रकोट झरन

सर्वांनी चालता–चालता पुन्हा धबधबा पाहिला. आता ते सगळे जीप कडे निघाले. चित्रकोटचा देखावा ते कधीच विसरू शकले नाहीत.

शिक्षण संकेत :– चित्रकोट धबधब्याचे चित्र दाखविणे. मुलांना चित्रावरून प्रश्न विचारणे. पाण्याचे थेंब कसे दिसत होते. पाण्याच्या धारा कसा आवाज करत होत्या. चर्चा करा. धडा वाचना साठी प्रत्येक विदयार्थाला संधी देणे. धडयात येणाऱ्या कठिण शब्दांचा त्यांच्या भाषेत अर्थ सांगणे.

शब्दार्थ

धबधबा	=	दगडांवरून पडणारे पाणी,			
मनमोहक	=	मनमोहुन टाकणारे			
संगीत	=	गाणे	दगड	=	मोठे–मोठे गोटे
अस्त	=	मावळणे	दृश्य	=	जे डोळयांनी दिसते
आनंद	=	आनंद	आज्ञा	=	आदेश

चित्रकोट जलप्रपात

सबने चलते–चलते प्रपात को फिर देखा। अब वे सब जीप की ओर बढ़ रहे थे। चित्रकोट का दृश्य वे सब कभी न भूल पाए।

शिक्षण संकेत :– चित्रकोट के जलप्रपात का चित्र प्रदर्शित करें। बच्चों से चित्र के संबंध में प्रश्न पूछें। पानी की बूँदें कैसी दिखाई दे रही थीं। पानी की धारा कैसी ध्वनि कर रही थी? चर्चा करें। पाठ पढ़ने के लिए हर विद्यार्थी को अवसर दिया जाए। पाठ में आए कठिन शब्दों को उनकी भाषा में बताएँ।

शब्दार्थ

जलप्रपात	=	चट्टानों को ऊपर से नीचे काटते हुए गिरता हुआ पानी			
मनोरम	=	मन को अच्छा लगने वाला			
संगीत	=	गाना	चट्टान	=	बड़े–बड़े पत्थर
अस्त होना	=	छिप जाना	दृश्य	=	जो दिखाई पड़ता है।
आनंद	=	खुशी	आज्ञा	=	आदेश

स्वाध्याय

1. दिलेल्या शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत लिहा–

   मनमोहक, धबधबा, अस्तहोणे, आनंद, संगीत

2. खालील प्रश्नांची उत्तर दया –

   क) चित्रकोट धबधबा जगदलपूर पासून किती दूर आहे ?

   ख) चित्रकोट धबधबा कोणत्या नदीवर आहे ?

   ग) तुमचे मामा कुठे राहातात ?

3. वाचणे, लिहिणे, ठंड, बस–स्टैंड, प्रवाह या शब्दांचा वाक्यात प्रयोग करा.

4. योग्य शब्द निवडून रिकाम्या जागी लिहा –

   (अस्त, धबधबा, आनंद, मनमोहक दृश्य)

   क) चित्रकोट चा .... त्यांच्या डोळयांच्या समोर होता.

   ख) तिथेच बसल्या–बसल्या ते धबधब्याचा .... घेत होते.

   ग) सूर्य आता .... होणारच होता.

   घ) हे .... चे चित्र कुठले आहे ?

5. वाचा आणि समजून लिहा –

माझा	–	माझे	स्थान	–	स्थान
आमचं	–		घर	–	
तुमचं	–		दुकान	–	
त्याचं	–		पहाड़	–	
कोणाचं	–		रस्तां	–	

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

   मनोरम, जलप्रपात, अस्त होना, आनंद, संगीत

2. इन प्रश्नों के उत्तर दो –

   क. चित्रकोट जलप्रपात जगदलपुर से कितनी दूर है ?

   ख. चित्रकोट किस नदी का जलप्रपात है ?

   ग. तुम्हारे मामा कहाँ रहते हैं ?

3. पढ़ना, लिखना, शीतल, बस–स्टैंड, धारा का प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बोलो।

4. सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखो –

   (अस्त, जलप्रपात, आनंद, मनोरम दृश्य)

   क. चित्रकोट का –––––––––––– उनकी आँखों के आगे था।

   ख. वहीं बैठे–बैठे वे प्रपात का ––––––––––– ले रहे थे।

   ग. सूर्य अब ––––––––– होने ही वाला था।

   घ. यह ––––––––– का चित्र कहाँ का है?

5. पढ़ो और समझकर लिखो।

मेरा	–	मेरे	स्थान	–	स्थानों
हमारा	–	––––––	मकान	–	––––––––
तुम्हारा	–	––––––	दुकान	–	––––––––
उसका	–	––––––	पहाड़	–	––––––––
किसका	–	––––––	सड़क	–	––––––––

6. विचार करा समजा आणि लिहा –

	मी	आम्ही	तुम्ही	तो	ते
खाण	खातो आहे	खातो आहोत	खाता आहात	खात आह	खात आहेत
गाण	–––––	–––––	–––––	–––––	–––––
खेळणे	–––––	–––––	–––––	–––––	–––––
धावणे	–––––	–––––	–––––	–––––	–––––

7. या शब्दांचे विरूद्धार्थी शब्द लिहा –

लवकर –

उंच –

खाली –

पडणे –

हो –

दिवस –

जागा –

प्रश्न –

येणे –

8. क्रियाकलाप –

''मामा'' शब्द उलटा लिहिला तरी 'मामाच' होतो तसे काही शब्द लिहा .

9. तुम्ही कधी कुठली नदी, झरा किंवा धबधबा बघितला असेल तर त्या विषयी लिहा –

6. सोचो, समझो और लिखो।

	मैं	हम	तुम	वह	वे
खाना	खाता हूँ।	खाते हैं।	खाते हो।	खाता है।	खाते हैं।
गाना	------	------	------	------	------
खेलना	------	------	------	------	------
दौड़ना	------	------	------	------	------

7. इन शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्दों को लिखो –

जल्दी –
दिन –
ऊँचा –
जागा –
नीचे –
प्रश्न –
गिरना –
आना –
हाँ –

8. गतिविधि :–

'मामा'' शब्द को उल्टा लिखने पर 'मामा' ही बनता है। ऐसे ही दूसरे शब्द बनाओ।

9. क्या तुमने कभी कोई नदी, झरना या जलप्रपात देखा है? उसके बारे में लिखो।

39PFF2

धडा–18

नाव काय ओळखा ?

पक्षी,	अक्षर,	पहाटे,	तुर्रा,	मनुष्य,	शेपटी

1. भल्या सकाळी घराच्या छतावर मिळतो गावा–गावात.
काळया रंगाचा पक्षी असतो करतो काव–काव
सांगा काय आहे त्याचे नाव ....?

2. चांदी सारखी खूप चमकते, घर आहे जीचे पाणी.
तीन अक्षरी नाव निराळे, ती आहे पाण्यातील राणी
सांगा काय नाव तीचे ....?

3. कुकडूँ–कू सारखा म्हणत असतो, रोज पहाटे सकाळी.
डोक्यावर लाल–लाल तुर्रा असून, चालतो ताट मानेने.
सांगा काय नाव त्याचे ....?

4. जंगलचा राजा म्हणवतो, मॉंस खातो आणि गर्जतो
त्याला बघून लपतात सारे, पानही गुपचुप पडे.
सांगा काय नाव त्याचे ....?

शिक्षण संकेत – या धडयात कोड़ी विचारली आहेत. मुलांना कोडी सोडविता येतील असे शिकवावे. उत्तराकरिता सूचना दया व पुस्तकात दिलेल्या उत्तरांवर पेंसिल ने ◯ करवा. काही अजून कोडी मुलांतर्फे विचारावित. वर्गात दोन गटात कोडी विचारून उत्तरे काढावित. मुलांना कोडयांचे महत्व समजवावे. कठिण शब्दांचे अर्थ समजवावेत.

पाठ 18

क्या है उसका नाम ?

39YBGP

पक्षी,	अक्षर,	तड़के,	कलगी,	मानुष,	पूँछ

1. बड़े सवेरे घर की छत पर, मिलता गाँव–गाँव।
काले रंग का पक्षी होता, करता काँव–काँव।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––– ?

2. चाँदी जैसी खूब चमकती, घर है उसका पानी।
तीन अक्षर का नाम निराला, है वह जल की रानी।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––– ?

3. कुकड़ूँ–कूँ बोला करता है, रोज सवेरे तड़के।
सिर पर लाल–लाल कलगी है, चलता खूब अकड़ के।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––– ?

4. जंगल का राजा कहलाता, खाकर माँस गरजता।
उसे देखकर सब छिप जाते, पत्ता नहीं खड़कता।।
बोलो क्या है उसका नाम ––––– ?

शिक्षण संकेत – इस पाठ में पहेलियाँ पूछी गई हैं। पहेलियों से बच्चे परिचित हैं। हर पहेली को बच्चों से पढ़वाएँ। उत्तर के लिए संकेत दें और पहेली का हल पाठ्यपुस्तक में दिए गए स्थान पर पेंसिल से लिखवाएँ। कुछ अन्य पहेलियाँ पूछने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। कक्षा में दो दल बनाकर बच्चों से परस्पर पहेलियाँ पूछने को कहें। बच्चों को पहेली का भाव समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ।

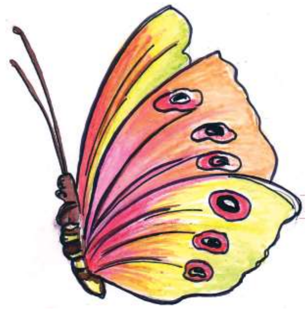

5. झाडांवर तो उडया मारतो, कळपा मध्ये राहातो
मनुष्या सारखे शरीर त्याचे, शेपुट हलवत राहातो.
सांगा काय त्याचे नाव ....?

6. रंग–बिरंगी पंख असलेली, फूलांवर उडणारी
हात लावता ती उडून जाते, हाती येत नाही.
सांगा काय तीचे नाव ....?

7. नदी किनारी बसून राहातो, मासोळीच तो खातो.
लंबे पाय लंबी मान सांगा नाव काय ?
सांगा काय त्याचे नाव...............................?

शब्दार्थ

पक्षी	=	खग	ताठ	=	कडक
मुनष्य	=	माणूस	शरीर	=	अंग,देह
निराळे	=	वेगळे	हातात येणे	=	प्राप्त होणे
तुर्रा	=	कलगी			

स्वाध्याय

1.दिलेल्या शब्दांचे अर्थ आपल्या भाषेत सांगा –

पक्षी, अक्षर, पहाटे, कलगी , मनुष्य, शेपटी

5. पेड़ों पर वह उछले–कूदे, झुंड बनाकर रहता।
मानुष जैसी काया उसकी, पूँछ झुलाता रहता।।
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

6. रंग–बिरंगे पंखोंवाली, फूलों पर मँडराती।
हाथ बढ़ाओ तो उड़ जाती, हाथ नहीं वह आती।।
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

7. नदी किनारे बैठा रहता, मछली खाना काम।
लंबी टाँगें, लंबी गर्दन, बोलो जी क्या नाम ?
बोलो क्या है उसका नाम ------ ?

शब्दार्थ

पक्षी = चिड़िया
मानुष = मनुष्य, आदमी
निराला = अनोखा
कलगी = मुर्गे की चोटी
खड़कना = खड़–खड़ की आवाज होना
अकड़ना = ऐंठना
काया = शरीर
हाथ आना = प्राप्त होना
पत्ता नहीं खड़कना = पूर्ण शांति होना

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

पक्षी, अक्षर, तड़के, कलगी, मानुष, पूँछ

2. योग्य जोडया जमवा –

काव–काव	–	माकड़
कुहू–कुडू	–	कोंबडा
खो–खो	–	कावळा
टें–टें	–	कोकीळ
कुकडूँ–कुँ	–	पोपट

3. एका शब्दात उत्तरे लिहा– उत्तर

क) लाल तुर्रा कोणाच्या डोक्यावर असतो ? ....

ख) फुलांवर कोण उडतं ? ....

ग) जंगलाचा राजा कोण ? ....

घ) पाण्याची राणी कोणाला म्हणतात ? ....

ड.) झाडांवर कोण उडया मारतो ? ....

4. एक सारख्या अर्थाचे शब्द लिहा–

उदा.– पाला – माला – घाला – नाला

ऐसी – ————————, ————————, ————————

आता – ————————, ————————, ————————

राजा – ————————, ————————, ————————

आणा – ————————, ————————, ————————

2. रेखा खींचकर सही जोड़ी बनाओ।

काँव–काँव	–	बंदर
कुहू–कुहू	–	मुर्गा
खों–खों	–	कौआ
टें–टें	–	कोयल
कुकडूँ–कूँ	–	तोता

3. एक–एक शब्द में उत्तर लिखो – उत्तर

क. लाल कलगी किसके सिर पर होती है ? ....

ख. फूलों पर कौन मँडराता है ? ....

ग. कौन जंगल का राजा कहलाता है ? ....

घ. जल की रानी किसे कहते हैं ? ....

ड. पेड़ों पर उछल–कूद कौन करता है ? ....

4. समान तुक वाले शब्द लिखो।

जैसे– पाला – माला – ताला – नाला

ऐसी – ————————, ————————, ————————

आता – ————————, ————————, ————————

राजा – ————————, ————————, ————————

खाना – ————————, ————————, ————————

5. क्रियाकलाप –

दिलेल्या पशु–पक्ष्यांच्या बोलण्याचा अभिनय करा –

क) कावळा –.......................... ख) कोकिळा –.......................

ग) गाय –.......................... घ) गधा – ....

ड.) वाघ –.......................... च) बेडूक – ....

6. चित्र बनवा

फुलपाखरू, मासोळी

5. गतिविधि :–

दिए गए पशु–पक्षियों के बोलने का अभिनय करो–

क. कौआ	–	ख. कोयल	–
ग. गाय	–	घ. गधा	–
ड. शेर	–	च. मेंढ़क	–

6. चित्र बनाओ ।

तितली, मछली

7. शाळेच्या जवळपास दिसणाऱ्या वेग–वेगळया जनावरांची व पक्षांची नावे लिहा –

पक्षी – ....

जनावरे – ....

8. सभोवतालच्या वातावरणाला अनुसरून कोड मुलांना विचारा कमीत
कमी दोन कोडे मुलं घरून विचारून येतील.

9. वेगवेगळया पत्र–पत्रिकांमधून पशु–पक्षांचे व जनावरांचे चित्र शोधून आपल्या वहीत चिपकवा व नावे लिहा –

7. शाला के आसपास आपको कौन – कौन से जानवर या पक्षी दिखाई देते हैं – लिखो।

पक्षी ....

जानवर ....

8. परिवेशीय पहेलियाँ बच्चों से बुलवाएँ –

कम से कम दो पहेलियाँ बच्चे घर से पूछकर आएँ।

9. विभिन्न पत्र – पत्रिकाओं से पक्षियों और जानवरों के चित्र खोजकर उन्हें अपनी कापी में चिपकाओ और उनके नाम लिखो ।

3HY3AU

धडा–19

धैर्यवान व्हा

प्रसिद्ध, दृश्य, हिम्मत, व्यक्ति

गंगा नदीच्या किनारी एक प्रसिद्ध शहर आहे बनारस. गोष्ट फार जुनी आहे. त्यावेळी बनारस मध्ये गंगेच्या घाटावर पुष्कळ बंदर होते. ते इतके निर्भय होते की लोकांच्या हातातून सामान हिसकून घेत होते. खाण्याचे सामान तर ते सोडतच नव्हते.

एके दिवशी नरेन्द्र नावाचा एक मुलगा बाजारातून वापस येत होता. त्याने खांद्यावर

एक पिशवी लटकविली होती.

नरेन्द्र थोडाच दूर गेला होता,

तेवढयात एक बंदर त्याच्या मागे

लागला. बंदराला मागे येतांना बघून

नरेन्द्र लवकर–लवकर चालायला लागला

बंदर पण त्याच्या मागे धावू लागला.

बंदराला जवळ येतांना बघून नरेन्द्र धावायला लागला. हे संपूर्ण दृश्य एक व्यक्ति दूरून बघत होते. त्यांनी नरेन्द्र ला धावण्यापासून थांबायला सांगितले,– ''का धावतो आहेस'' ?

पाठ 19

साहसी बनो

प्रसिद्ध,	दृश्य,	हिम्मत,	व्यक्ति

गंगा नदी के किनारे एक प्रसिद्ध शहर है बनारस। बात काफी पुरानी है। उन दिनों बनारस में गंगा के घाट पर बहुत अधिक बंदर हो गए थे। वे इतने निडर थे कि लोगों के हाथ से सामान छीन लेते थे। खाने का सामान तो वे छोड़ते ही नहीं थे।

एक दिन की बात है। नरेन्द्र नाम का एक लड़का बाजार से वापस आ रहा था। उसने कंधे पर एक झोला लटका रखा था। नरेन्द्र थोड़ी दूर ही गया होगा कि एक बंदर उसके पीछे लग गया। बंदर को पीछे आते देख नरेन्द्र ने अपनी चाल बढ़ा दी। बंदर भी तेज चलने लगा।

बंदर को करीब आते देख नरेन्द्र भागने लगा। इस सारे दृश्य को एक सज्जन देख रहे थे। उन्होंने नरेन्द्र को भागने से रोका और कहा– ''भागते क्यों हो?''

नरेन्द्र म्हणाला, ''काय करू, बंदर मागे लागला आहे.'' त्या व्यक्तिने म्हटले–''घाबरून पळू नकोस.

तु घाबरतो आहेस म्हणून तो घाबरवत.

आहे. तु थांब, उभाराहून हिमतीने

त्याचा सामना कर.''

नरेन्द्र ने हिम्मत दाखविली व तो तिथेच उभा राहिला. तो उभा राहिल्या

बरोबर बंदरही उभा झाला. नरेन्द्र ने आपली पिशवी उचलली व बंदराला मारायला धावला. नरेन्द्र ला आपल्या मागे येतांना बघून बंदर पळून गेला. मुलाला साहसी होण्याची एक नविन शिकवण मिळाली. तोच मुलगा नरेन्द्र पुढे जगात स्वामी विवेकानंद या नावाने प्रसिद्ध झाला.

नरेन्द्र बोला– ''क्या करूँ, बंदर पीछे पड़ा है।'' उस व्यक्ति ने कहा– ''डरकर भागो मत। तुम डर रहे हो इसलिए वह डरा रहा है। रुको, खड़े होकर हिम्मत से उसका मुकाबला करो।''

नरेन्द्र ने हिम्मत दिखाई। वह खड़ा हो गया। उसके खड़े होते ही बंदर भी खड़ा हो गया। नरेन्द्र ने अपना झोला उठाया और मारने दौड़ा। नरेन्द्र को अपनी ओर आता देखकर बंदर भाग गया। बालक को साहस की यह नई सीख मिली। वही बालक नरेन्द्र आगे चलकर दुनिया में स्वामी विवेकानंद के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

शिक्षण संकेत –स्वामी विवेकानंदाचे चित्र वर्गात दाखवणे. त्यांच्या विषयी मुलांना सांगणे. मुलांना सांगावे कि एकदा अमेरीकेत विश्व धर्म सम्मेलनात स्वामींनी जे भाषण दिले होते. विश्वातील लोकांनी त्याची खूपच प्रशंसा केली होती. धैर्य म्हणजे काय ते मुलांना समजाविणे.

शब्दार्थ

प्रसिद्ध	=	विख्यात	सज्जन	=	चांगला मनुष्य
हिम्मत	=	पराक्रमी	साहसी	=	पराक्रमी, वीरत, शूर
मुकाबला	=	टक्कर देणे			

1. दिलेल्या प्रश्नांची उत्तरे लिहा –

क) बनारसचे दुसरे नाव काय आहे ?

ख) स्वामी विवेकानंदाचे बालपणीचे नाव काय होते ?

ग) नरेन्द्र का धावत होता ?

घ) समजा मुलगा बंदराला घाबरून पळाला असता तर काय झाले असते?

ड.) समजा तुमच्या मागे कुत्रा धावेल तर तुम्ही काय कराल ?

च) स्वामी विवेकानंद भारताचे महापुरूष होते. तुमच्या प्रदेशातील कोणत्याही एका महापुरूषाचे नाव सांगा ?

2. अपूर्ण शब्द ढ़ ड़ लिहून पूर्ण करा

1.च	2. प	3. ब	4. च ....णे
5.प .... ने	6. ब ...... ना	7. दौ...... ना	8. ल ....का
9. पक.......णे			

3. पुढील वाक्य चुक की बरोबर सांगा –

क) बाजारात नरेन्द्र बंदराच्या मागे लागला. –......................................

ख) बंदर नरेन्द्र ची पिशवी घेवून पळाला. –.....................................

ग) बंदर नरेन्द्र ला घाबरून पळाला. –.....................................

4. समान उच्चारण वाले शब्दलिहा – (अंताक्षरी स्वरूपात)

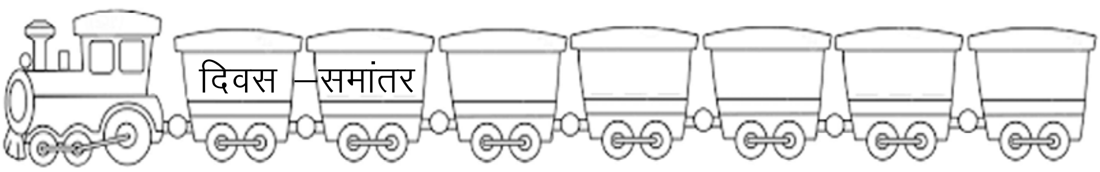

शिक्षण संकेत – स्वामी विवेकानंदजी का चित्र कक्षा में दिखाएँ। उनके विषय में संक्षेप में बताएँ। बच्चों को बताएँ कि एक बार अमेरिका में संसार के धर्मों के संदर्भ में एक बहुत बड़ी सभा हुई उसमें स्वामी जी ने जो भाषण दिया उसे दुनियाभर के लोगों ने सराहा। साहस और दुस्साहस में अंतर उदाहरण देते हुए समझाएँ।

शब्दार्थ

प्रसिद्ध	=	मशहूर	सज्जन	=	अच्छा आदमी
हिम्मत	=	साहस	साहसी	=	निडर होने का गुण
मुकाबला	=	सामना करना			

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी भाषा में बताओ –

क. बनारस का दूसरा नाम क्या है ?

ख. स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम क्या था ?

ग. नरेन्द्र क्यों दौड़ रहा था ?

घ. अगर बालक बंदरों से डरकर भागता रहता तो क्या होता ?

ड. अगर कुत्ता तुम्हारे पीछे दौड़े तो तुम क्या करोगे ?

च. स्वामी विवेकानंद भारत के महान पुरुष थे। अपने प्रदेश के किसी एक महापुरुष का नाम बताओ।

2. नीचे अधूरे शब्द दिए गए हैं। ढ़, ड़ लिखकर शब्द पूरे करो–

1. च......	2. प......	3. ब......
4. च......ना	5. प......ना	6. ब......ना
7. दौ......ना	8. ल......का	9. पक......ना

3. नीचे लिखे कथन तुम्हारे अनुसार सही हैं या गलत। लिखो।

क. बाजार में नरेन्द्र बंदर के पीछे लग गया। (––––––––)

ख. बंदर नरेन्द्र का झोला लेकर भाग गया। (––––––––)

ग. बंदर नरेन्द्र से डरकर भाग गया। (––––––––)

4. आओ शब्दों की अंताक्षरी बनाएँ –

3IGUE5

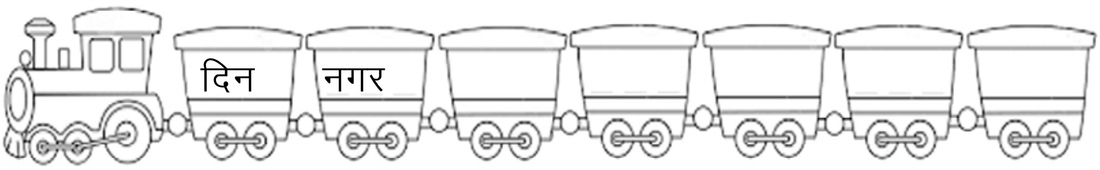

यातायात सिग्नल

यातायात विद्युत सिग्नल सुरक्षित आवागमन में हमारी सहायता करती है। ये हमें सिग्नल पर सुरक्षित चलने एवं रूकने के लिए निर्देश देती है। इनके तीन रंग होते हैं। सभी रंगों का अपना महत्व होता है। आइए इन रंगों के बारे में जानें कि ये कैसे काम करते हैं :–

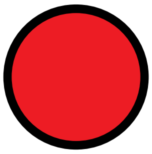 लाल बत्ती जलने पर हमेशा स्टॉप लाईन के पीछे रुकें।

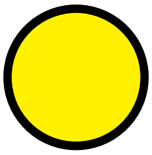 पीली बत्ती जलने पर यदि स्टाप लाइन पार कर चुके हैं तो तुरंत आगे बढ़ें।

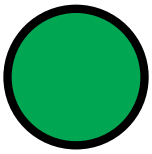 हरी बत्ती जलने पर रास्ता साफ होता है आगे बढ़ें।

उत्तर दो

सही शब्द चुनिए –

प्रश्न 1. यातायात विद्युत सिग्नल में ....रंग होते हैं। (एक/दो/तीन/चार)

प्रश्न 2. लाल बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)

प्रश्न 3. पीली बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)

प्रश्न 3. हरी बत्ती जलने पर हमें .... चाहिए। (चलना/रुकना/आगे बढ़ना)